खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 31 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 16 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-240

अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

पल भर में छोड़ गए दुनिया, हम सोंचते ही रह गए ।
कब, क्यों, कैसे हो गया, हम देखते ही रह गए ।।

– श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता –

आशा–किरन तायल (बहन–बहनोई)
फर्म : केशवप्रशाद ओमप्रकाश तायल हैदराबाद
M/s. Tayal Jewellers

अर्चना–अश्विन अग्रवाल (भतीजी–दामाद)
फर्म : लालमन जगमोहन बड़ोपलिया (अहमदाबाद)
M/s. Balaji Packagers

शीतल–विकास अग्रवाल (भतीजी–दामाद)
फर्म : रामनिवास विष्णु अग्रवाल कोची–केरल
M/s. RN Agarwal Sons

सलोनी–सुमित गार्गिया (भतीजी–दामाद)
फर्म : सोहनलाल बदरीप्रसाद गार्गिया सिकंदराबाद
M/s. Sree Gargya Textiles

अक्षिता–सचिन अग्रवाल (भतीजी–दामाद)
फर्म : मांगीलाल दिगम्बर दस सुनील कुमार अग्रवाल घांसी बाज़ार हैदराबाद
M/s. Sunil Enterprises Tilak Road

पूर्व एनएसए ने सुनाई खरी-खरी कहा-भारत और चीन को दोस्त बनने के लिए मजबूर कर रहे हैं ट्रंप

वाशिंगटन, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भारत के खिलाफ आक्रामक टैरिफ नीति अपनाने के लिए ट्रंप प्रशासन की आलोचना की है। उनके मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रपति अपनी इन नीतियों की वजह से भारत को जानबूझकर चीन की ओर धकेल रहे हैं, जो कि अमेरिका के हितों के बिल्कुल विपरीत है। पूर्व अमेरिकी अधिकारी का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के संबंध सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। अमेरिका ने भारत के ऊपर 25 फीसदी का व्यापार टैरिफ और रूसी तेल खरीदने के लिए 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया गया है। ट्रंप प्रशासन की तरफ से लगातार भारत को निशाना बनाया जा रहा है। भारत ने इसका भरपूर विरोध किया है। और अपने किसानों के हितों और संप्रभुता को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने की बात कही है। बाइडेन के समय में सुरक्षा सलाहकार रहे सुलिवन ने दुनियाभर के देशों में अमेरिका के प्रति बढ़ते अविश्वास के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज हमारे सहयोगी देश हमें एक विघटनकारी देश के रूप में देखते हैं, आज चीन लोकप्रियता और स्थायी नीतियों के मामले में हमसे आगे निकल गया है। उन्होंने कहा, जब मैं अब इन जगहों पर जाता हूं और नेताओं से बात करता हूं, तो वे संयुक्त राज्य अमेरिका से जोखिम कम करने की बात कर रहे होते हैं। वह अब अमेरिका को एक विघटनकारी देश के रूप में देखते हैं, जिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। आज हालात यह हैं कि चीन वैश्विक स्तर पर एक लोकप्रिय खिलाड़ी है, जबकि हमारा अमेरिकी ब्रांड टॉयलेट में नजर आता है। पॉडकॉस्ट में जैक ने अपनी बात पर जोर देते हुए भारत का उदाहरण दिया और कहा कि अमेरिका के भारत के गहरे और अधिक टिकाऊ संबंध बनाने को लेकर पिछले कई सालों से काम किया जा रहा था। हालांकि, अब ट्रंप ने नई दिल्ली के ऊपर भारी टैरिफ लगा दिए, जिससे भारत को मजबूरन चीन के साथ बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, एक उदाहरण के तौर पर भारत को ले लीजिए। यह एक ऐसा देश है, जिसके साथ हम मजबूत और टिकाऊ द्विपक्षीय संबंध बनाने के लिए वर्षों से काम कर रहे थे। हमारे सामने चीन के रूप में एक चुनौती भी थी। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के खिलाफ ही अभियान छेड़ दिया है। ऐसे में भारतीयों का मानना यह है कि उन्हें चीन के साथ अपने संबंधों को सुधारना चाहिए, जो कि वह कर रहे है।

न्यूज ब्रीफ

सालों बाद फिर हमारी आंखों के सामने आने वाला है धूमकेतु

वाशिंगटन। अंतरिक्ष में पुनः एक अनोखी घटना घटित होने वाली है, जो कि खगोलविदों के लिए किसी कौतूहल से कम नहीं है। करीब 1400 साल बाद आसमान में एक अनोखा मेहमान (धूमकेतु) जिसका नाम सी/2025 ए6 रखा गया है, एक बार फिर हमारी आंखों के सामने आने वाला है। इसे इस साल 3 जनवरी को अमेरिका के एरिजोना स्थित माउंट लेमन टेलिस्कोप से खोजा गया और तब से वैज्ञानिक लगातार इस पर नजर रखे हुए हैं। इसकी कक्षा (ऑर्बिट) बताती है कि यह हर 1396 साल में एक बार सूरज का चक्कर लगाता है। पिछली बार यह 629 ईस्वी में धरती के पास आया था और अब 21 अक्टूबर 2025 को सबसे करीब से गुजरेगा। अगली बार यह हमें वर्ष 3421 में दिखाई देगा। यानी अगर इस बार चूक गए, तो फिर इसे देखने के लिए कई जन्म भी कम पड़ जाएंगे। इस वक्त यह धूमकेतु मिथुन नक्षत्र में है और धरती से करीब 34 करोड़ किलोमीटर दूर है, लेकिन हर गुजरते दिन के साथ पास आता जा रहा है। 21 अक्टूबर को यह हमारे ग्रह के नजदीक होगा और 8 नवंबर को सूरज के बेहद पास से गुजरेगा। खास बात यह है कि यह शाम के वक्त पश्चिमी आसमान में नजर आएगा और धीरे-धीरे इसकी चमक और बढ़ती जाएगी। शुरुआत में इसकी रोशनी काफी कम थी, लेकिन हाल के दिनों में अचानक तेज हो गई है। यह मैग्नीट्यूड 16.5 से 11 तक पहुंच चुका है। खगोल विज्ञान में जितना छोटा अंक, उतनी ज्यादा चमक।

यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड ने रूस के सामरिक महत्व के दो पुलों को उड़ाया

कीव (यूक्रेन)। यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड ने रूस के सामरिक महत्व के दो पुलों को उड़ाने का दावा किया है। इन पुलों के आसपास बनाई गई बारूदी सुरंगें भी विस्फोट के दौरान उड़ गईं। ब्रिगेड का दावा है कि उसने बेहद सस्ते 600 डॉलर के ड्रोन का इस्तेमाल कर इस अभियान को अंजाम दिया। अमेरिका के सीएनएन चैनल ने इस खबर का प्रसारण यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के हवाले से किया है। यूक्रेनी सेना ने कहा कि यह दोनों पुल खार्किव क्षेत्र की सीमा के पास स्थित थे। इन दोनों पुलों का इस्तेमाल रूसी सेना अपने सैनिकों को आपूर्ति करने के लिए कर रही थी। बताया गया है कि इससे पहले यूक्रेन ने फरवरी 2022 में रूस की कई सड़कों पर पुलों को नष्ट किया था। यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के अनुसार, इन दोनों पुलों के आसपास असामान्य गतिविधि देखने के बाद अभियान शुरू किया गया। बारूदी सुरंगें होने के कराण पुल के नीचे सामान्य टोही ड्रोन को उड़ाना मुश्किल था। इसलिए फाइबर ऑप्टिक्स से लैस एक फर्स्ट-पर्सन-व्यू ड्रोन का सहारा लिया गया। रूस ने पुलों पर हुए हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। कीव पोस्ट की खबर के अनुसार, यूक्रेनी ड्रोन ने शुक्रवार सुबह आमतौर पर शांत रहने वाले रूसी शहर ओर्योल पर हमला किया। ओर्योल पर यूक्रेनी हमले में 20 से कम विमान शामिल थे। इस हमले में कम से कम चार रूसी नागरिक घायल हो गए। इससे पहले रूसी सेना ने गुरुवार को कीव पर केंद्रित हमलों में बमवर्षक, क्रूज मिसाइल, बैलिस्टिक मिसाइल, हाइपरसोनिक मिसाइल और 560 से अधिक ड्रोन का इस्तेमाल किया।

साउथ कोरिया में स्कूल में फोन नहीं ले सकेंगे छात्र, नियम होंगे सख्त

सियोल। साउथ कोरिया ने एक अहम बिल पास कर पूरे देश के स्कूल क्लासरूम में मोबाइल फोन और दूसरे डिजिटल डिवाइस के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। देश में युवाओं पर सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। पारित किए गए बिल के मुताबिक इस बैन को अगले साल मार्च से लागू किया जाएगा। संसद में पास हुए इस बिल को दोनों पार्टियों ने मिलकर सपोर्ट किया। विपक्षी पीपल पावर पार्टी के सांसद और बिल के स्पॉन्सर चो जंग-हुन ने कहा, हमारे युवाओं की सोशल मीडिया एडिक्शन अब बहुत गंभीर स्तर पर पहुंच चुकी है। हमारे बच्चों की आंखें हर सुबह लाल रहती हैं क्योंकि वे रात में 2-3 बजे तक इंस्टाग्राम पर रहते हैं। गौरतलब है कि साउथ कोरिया दुनिया का सबसे ज्यादा डिजिटल फॉरवर्ड देश हैं जहां सबसे ज्यादा लोग डिजिटल माध्यमों का प्रयोग करते हैं। प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक 2022 और 2023 में किए गए अध्ययन में पाया गया कि 99 फीसदी साउथ कोरियन के पास इंटरनेट हैं। वहीं 98 फीसदी लोगों के पास स्मार्टफोन भी है। साउथ कोरिया के कई स्कूल पहले से ही स्मार्टफोन यूज पर कई तरह की पाबंदियां थीं लेकिन अब यह बिल इसे औपचारिक रूप से लागू करेगा। इसके साथ ही साउथ कोरिया अब उन देशों की फेहरिस्त में शामिल हो गया है जिन्होंने बीते कुछ सालों में बच्चों और टीनएजर्स के बीच स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के इस्तेमाल को सीमित करने की दिशा में कई बड़े कदम उठाए हैं।

पाकिस्तान के हालात : गरीबों की आह निकल रही और अमीरों के महल सज रहे

इस्लामाबाद, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान कर्ज में डूबा है, महंगाई ने आम पाकिस्तानी के लिए दो वक्त का खाना भी मुश्किल कर दिया है और कई सूबे बाढ़ जैसी आफत से जूझ रहे हैं। दो वक्त का खाना पाकिस्तानी जनता के लिए लग्जरी से कम नहीं, लेकिन इन हालातों के बीच वहां के नेता और अफसर आलीशान जिदगी जीते हुए ऐश और भ्रष्टाचार में डूबे नजर आते हैं। सबसे ताजा उदाहरण पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज का है। दक्षिण पंजाब के छह जिले बाढ़ में डूबे हुए हैं, सैकड़ों परिवार बेघर हो गए, 178 लोगों की जान चली गई। ऐसे में मरियम नवाज राहत कैंपों में नहीं, बल्कि हांगकांग में शॉपिंग करती दिखीं। ये तस्वीर पाकिस्तान की राजनीतिक वंशवाद की असलियत को उजागर करती है। मरियम न तो वास्तविक वोटों से आई हैं और न ही वह उन लोगों के प्रति कोई जवाबदेही दिखाती हैं जिनका वह प्रतिनिधित्व करने का दावा करती हैं। यही कारण है कि ऐसे नेता पाकिस्तानी जनता के दुख-दर्द से बेखबर रहते हैं।

जनरल आसिम मुनीर के विदेशी लग्जरी दौरों से लेकर मंत्रियों और अफसरों की हवेलियों और विदेशी संपत्तियों तक पाकिस्तान का हर हुक्मरान इस दौड़ में लगा है कि कौन सबसे ज्यादा ऐश करेगा। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्री, कमिश्नर, डिप्टी कमिश्नर सब महलों जैसे सरकारी बंगलों में रहते हैं। उनके पास लग्जरी गाड़ियों के काफिले और नौकर-चाकर की फौज होती है। उनके बिजली-पानी-गैस के बिल जनता के टैक्स से चुकाए जाते हैं। वहीं गरीबों की बिजली कुछ हजार का बिल न देने पर काट दी जाती है। गांवों में लोग घंटों लोडशेडिंग झेलते हैं जबकि वीआईपी लोग सालभर एयरकंडीशंड माहौल में रहते हैं। इस्लामाबाद से लेकर लाहौर और कराची तक, पाकिस्तान के नेता और अफसर शाही ठाठ-बाट को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। महंगे इंपोर्टेड सूट, लग्जरी घड़ियां, विदेश यात्राएं और करोड़ों की शॉपिंग- ये सब वहां के वीआईपी परिवारों की दिनचर्या है। राजनेताओं और नौकरशाहों के परिवार वीवीआईपी उपचार का आनंद लेते हैं, जिसमें गार्ड, आधिकारिक कारें और मुफ्त उपयोगिताएं शामिल हैं। वहीं आम पाकिस्तानी महंगाई, बेरोजगारी, टूटी शिक्षा व्यवस्था और खराब स्वास्थ्य सेवाओं से जूझ रहा है।बाढ़ पीड़ित बिना सहायता के मर जाते हैं, फिर भी मरियम नवाज विदेश में शॉपिंग करती हैं। नौकरशाह अरबों रुपये विदेश में भेजते हैं, फिर भी गरीबों को बकाया बिलों के लिए परेशान किया जाता है। सेना के अफर विदेश यात्राओं और ब्रांडेड सूट का आनंद लेते हैं, फिर भी साधारण पाकिस्तानी दो वक्त का खाना भी नहीं जुटा पाते। यह शासन नहीं है, यह धोखा है। पाकिस्तान के अमीर देश को अपने निजी एटीएम की तरह मानते हैं जबकि इसके लोग चुपचाप पीड़ित होते हैं। जब तक शीर्ष सत्ता के गलियारों में जवाबदेही नहीं आती, पाकिस्तान एक ऐसा देश बना रहेगा जहां शासक राजा की तरह रहते हैं, और लोग गुलामों की तरह।

बलोचिस्तान में बीएलए के हमलों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के आठ जवान मारे गए

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हाल के दिनों में बलोचिस्तान के कई जिलों में हुए आठ हमलों की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने कहा है कि इन हमलों में पाकिस्तान सुरक्षा बलों के कम से कम आठ जवान मारे गए। विस्फोट कर सुरक्षा बलों के अनेक वाहन उड़ा दिए गए। खबर के अनुसार, बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि ये हमले पंजगुर, कच्ची, क्वेटा, जीवानी, खरान, बुलेदा और दलबंदिन में किए। बलोच लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने सुरक्षा बलों की टुकड़ियों, पुलिस दल और वाहनों पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), ग्रेनेड और बमों का इस्तेमाल किया। बीएलए ने कहा कि पंजगुर जिले के पारोम इलाके में गुरुवार को एक चौकी से रवाना होते समय सेना के एक वाहन पर रिमोट-नियंत्रित आईईडी से हमला किया, जिसमें छह जवान मारे गए। इस हमले में वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गया। इसी तरह कच्छी जिले के कोलपुर इलाके में रेलवे ट्रैक साफ कर रहे एक बम निरोधक दस्ते को निशाना बनाया गया। इसमें एक सैनिक मारा गया। 28 अगस्त को इसी इलाके में एक और हमला किया गया।

अवैध रिश्तों के चक्कर में गई बुजुर्ग की जान, प्रेमिका भी घिरी मुसीबत में

बीजिंग, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

अपने अवैध रिश्तों और रंगीनमिजाजी की वजह से चीन के एक 66 वर्षीय शख्स ने ऐसा कदम उठाया जिसने न सिर्फ उसकी जिंदगी खत्म हो गई, बल्कि उसकी प्रेमिका के लिए भी बड़ी कानूनी मुश्किलें खड़ी कर दीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक शादीशुदा यह बुजुर्ग शख्स अपनी प्रेमिका से चोरी-छिपे मिल रहा था। दोनों की पहचान करीब चार दशक पहले 1980 के दशक में एक फैक्ट्री में काम करने के दौरान हुई थी। लंबे अरसे तक संपर्क टूटने के बाद वर्ष 2023 में एक पार्टी में उनकी दोबारा मुलाकात हुई और तभी से उनका रिश्ता दोबारा नजदीकी में बदल गया।

मुलाकातें बढ़ती गईं और आखिरकार 24 जुलाई को दोनों ने एक होटल में मिलने का फैसला किया। महिला पहले से कमरे में मौजूद थी और शख्स वहां पहुंचा। उन्होंने साथ रात बिताई लेकिन अगली सुबह जब महिला की नींद खुली तो उसका प्रेमी बिस्तर पर बेसुध पड़ा मिला। महिला घबराकर वहां से निकल गई और कुछ देर बाद लौटने पर कमरे का दरवाज़ा नहीं खुला तो होटल स्टाफ को बुलाया। दरवाज़ा खुलने पर पाया गया कि शख्स की मौत हो चुकी थी। तुरंत पुलिस और मेडिकल टीम को बुलाया गया, जिन्होंने मौके पर ही उसकी मौत की पुष्टि की। जब यह खबर परिवार तक पहुंची तो वे गहरे सदमे में थे। उन्हें शख्स की दोहरी जिंदगी के बारे में अंदाजा नहीं था। इसके बाद परिवार ने अदालत का रुख किया और प्रेमिका पर आरोप लगाया कि उसकी वजह से यह हादसा हुआ है। उन्होंने मुआवजे के तौर पर 77 हजार अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 67 लाख रुपये की मांग की। अदालत में सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि शख्स की मौत उसकी पहले से मौजूद बीमारियों और स्वास्थ्य कारणों से हुई थी, न कि प्रेमिका की किसी सीधी वजह से। हालांकि अदालत ने माना कि महिला अगर समय रहते मदद बुला लेती तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। इसी आधार पर अदालत ने महिला को आंशिक रूप से जिम्मेदार मानते हुए उस पर 8600 अमेरिकी डॉलर यानी लगभग साढ़े सात लाख रुपये का मुआवजा अदा करने का आदेश सुनाया।

भारत के पीएम मोदी ने टोक्यो में जापान के 16 प्रांतों के राज्यपालों से बातचीत की

टोक्यो (जापान)। जापान की दो दिवसीय यात्रा के पूर्ण होने से कुछ समय पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजधानी टोक्यो में जापान के 16 प्रांतों के राज्यपालों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि राज्य-प्रांत सहयोग भारत-जापान मैत्री का महत्वपूर्ण स्तंभ है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर का फोटो और संक्षिप्त विवरण अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, टोक्यो में, जापान के 16 प्रांतों के राज्यपालों के साथ बातचीत की। राज्य-प्रांत सहयोग भारत-जापान मैत्री का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। यही कारण है कि कल 15वें वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन के दौरान इस पर एक अलग पहल शुरू की गई। व्यापार, नवाचार, उद्यमिता आदि क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। स्टार्टअप, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्र भी लाभकारी हो सकते हैं। इससे पहले भारत और जापान के नेताओं ने शुक्रवार को आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के साथ रक्षा, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। राजधानी टोक्यो में शिखर वार्ता के बाद भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने आने वाले दशक में भारत में जापानी निजी निवेश को लगभग 6.8 अरब डॉलर प्रति वर्ष तक बढ़ाने के लक्ष्य पर सहमति व्यक्त की।

गाजा सिटी युद्ध क्षेत्र घोषित किया, इजराइली सेना ने मानवीय मदद देने पर भी लगाई रोक

तेल अवीव, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

इजराइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र में बदल दिया है और साथ ही गाजा सिटी में मानवीय मदद के वितरण पर भी रोक लगा दी है। इससे गाजा शहर में रहने वाले हजारों लोगों की परेशानी और बढ़ेगी, जो पहले ही भुखमरी जैसे हालात से जूझ रहे हैं। इजराइली सेना ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि शुक्रवार सुबह 10 बजे से गाजा सिटी में सैन्य गतिविधियों पर स्थानीय सामरिक रोक लागू नहीं रहेगी। इस क्षेत्र को खतरनाक युद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है।

इजराइली सेना का दावा है कि हाल के हफ्तों में गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश और वितरण को सुगम बनाने के लिए गाजा पट्टी के कुछ हिस्सों में इस तरह की रोक लगाई गई है। इजराइली सेना आईडीएफ ने कहा कि गाजा शहर को छोडक़र, बाकी पूरे क्षेत्र में स्थानीय सामरिक रोक लागू रहेगी। आईडीएफ ने कहा कि वे इजराइली नागरिकों की रक्षा के लिए गाजा में आतंकवादी समूहों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाएंगे। माना जा रहा है कि इजराइली सेना गाजा शहर पर कब्जा करने की तैयारी कर रही है, जहां गाजा की अनुमानित 10 लाख की आबादी में से आधी आबादी शरण लिए हुए है।

गाजा में भुखमरी की स्थिति

एक वैश्विक भूख निगरानीकर्ता ने शुक्रवार को कहा कि गाजा शहर और उसके आसपास के इलाके अब आधिकारिक तौर पर अकाल से जूझ रहे हैं। यह आगे और भी फैल सकता है। एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण प्रणाली के अनुसार, 5,14,000 लोग अकाल की चपेट में हैं। सितंबर के अंत तक यह संख्या बढक़र 6,41,000 लोगों तक पहुंच सकती है। हालांकि इजराइल ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया। उसने कहा कि यह निष्कर्ष गलत और पक्षपातपूर्ण हैं। इजराइल का कहना है कि सर्वेक्षण में सिर्फ अधूरी जानकारी ली गई है, जो ज्यादातर हमास से मिली थी, और इसमें यह नहीं बताया गया है कि हाल ही में गाजा में खाद्यान्न भी पहुंचा है।

अमेरिकी संघीय अपील अदालत की अहम टिप्पणी-ट्रंप के ज्यादातर वैश्विक टैरिफ गैरकानूनी

वाशिंगटन (अमेरिका), 30 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने शुक्रवार को 7-4 के बहुमत से दिए फैसले में राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के वैश्विक टैरिफ पर अहम टिप्पणी की है। फैसले में कहा गया है, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ज्यादातर वैश्विक टैरिफ गैरकानूनी हैं।

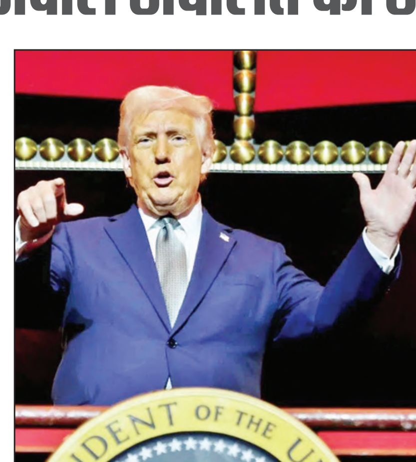

खबर के अनुसार, संघीय सर्किट के लिए अमेरिकी अपील अदालत ने ट्रंप के टैरिफ लागू करने के अधिकार की अधिकतर शक्तियों को खारिज कर दिया। संघीय अदालत ने निचली अदालत से सहमति जताते हुए कहा कि ट्रंप के कदम कानून के विपरीत होने के कारण अमान्य हैं। हालांकि, संघीय अदालत ने अपने फैसले को अक्टूबर के मध्य तक के लिए टाल दिया। इसका मकसद है कि ट्रंप प्रशासन उच्चतम न्यायालय में अपील कर सके। संघीय अदालत ने कहा है कि उच्चतम न्यायालय के आदेश आने तक टैरिफ प्रभावी रहेंगे।

बहुमत के फैसले में लिखा गया, हम इस बात से सहमत हैं कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम आयातों को विनियमित करने के लिए राष्ट्रपति के प्राधिकार कार्यकारी आदेश से लगाए गए टैरिफ को अधिकृत नहीं करता है। हम इस बात की पुष्टि करते हैं। फैसले में अपील अदालत ने यह निर्धारित किया कि केवल कांग्रेस के पास टैरिफ लगाने का अधिकार है।

अपील अदालत के 11 में से सात जजों ने कहा कि यह दुर्लभ रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला कानून ट्रंप को उनके पारस्परिक टैरिफ या कनाडा, मेक्सिको और चीन पर लगाए गए तस्करी टैरिफ को लागू करने का अधिकार नहीं देता है। बहुमत के फैसले में शामिल चार न्यायाधीशों ने यहां तक कहा कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम आईईईपीए) ट्रंप को कोई भी शुल्क जारी करने का अधिकार नहीं देता। संघीय सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय ने जुलाई में टैरिफ पर मौखिक दलीलें सुनी थीं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार शाम अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने अपील अदालत के निर्णय की निंदा की और चेतावनी दी कि टैरिफ पर रोक लगाने वाला न्यायालय का आदेश वास्तव में संयुक्त राज्य अमेरिका को नष्ट कर देगा। यही नहीं ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय से यह फैसला देने का आग्रह किया कि उनके (राष्ट्रपति) पास एकतरफा टैरिफ लगाने का अधिकार है। ट्रंप ने लिखा, अब अमेरिका के उच्चतम न्यायालयकी मदद से हम इसका इस्तेमाल अपने राष्ट्र के लाभ के लिए करेंगे और अमेरिका को फिर से समृद्ध, मजबूत और शक्तिशाली बनाएंगे।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 31 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 16 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-240

यूपी, बिहार, बंगाल, असम और नेपाल तक बढ़ी मुस्लिम आबादी

सीमावर्ती इलाकों में जनसंख्या का भारी असंतुलन

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

देश के कई सीमावर्ती इलाकों खासकर उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, असम और नेपाल से सटे जिलों में जनसंख्या के भारी असंतुलन को लेकर केंद्र सरकार ने गहरी चिंता जताई है। यूपी के तीन जिलों श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर में बीते 10 वर्षों में मुस्लिम समुदाय की जनसंख्या दोगुनी हो चुकी है। हाल ही में यूपी के संभल और असम के 11 जिलों में हुई जांच और सर्वेक्षण से सामने आया है कि इन इलाकों में हिंदू आबादी तेजी से घट रही है, जबकि मुस्लिम समुदाय की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, यूपी के तीन सबसे संवेदनशील जिले श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर में बीते 10 वर्षों में मुस्लिम जनसंख्या दोगुनी हो चुकी है। सुरक्षा एजेंसियों ने इन इलाकों में विदेशी फंडिंग, जाली नोटों की तस्करी और अवैध धर्मांतरण जैसे गंभीर मामले पकड़े हैं। इन गतिविधियों में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की भूमिका भी शामिल है। यह केवल उत्तर प्रदेश में ही नहीं है। असम में स्थिति और भी गंभीर है। यहां के कम से कम 11 जिलों में हिंदू अब अल्पसंख्यक हो चुके हैं। इसकी वजह बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ, बांग्लादेशी घुसपैठियों की ज्यादा जन्म दर और संगठित अतिक्रमण है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा का कहना है कि अगर यही रफ्तार बनी रही तो 2041 तक राज्य में हिंदू और मुस्लिम आबादी 50-50 हो सकती है।

ये आंकड़े केवल जनसंख्या बदलाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सांप्रदायिक सौहार्द के लिए खतरे का सबब हैं। गृह मंत्रालय ने संबंधित जिलों के अधिकारियों को सख्त निगरानी और कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नेपाल बॉर्डर पर भी यही पैटर्न देखा जा रहा है, जहां हिंदू जनसंख्या घट रही है, जबकि मुस्लिम समुदाय की

विदेशी फंडिंग, धर्मांतरण और घुसपैठ से गृह मंत्रालय चिंतित

आबादी में बढ़ोतरी हो रही है। संभल जिले से आई एक उच्चस्तरीय कमेटी रिपोर्ट ने जनसंख्या के बदलाव को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आजादी के समय संभल नगर पालिका क्षेत्र में हिंदुओं की आबादी करीब 45 फीसदी थी, लेकिन अब यह घटकर सिर्फ 15 फीसदी रह गई है। यह बदलाव महज आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं माना जा रहा, बल्कि रिपोर्ट में इसे एक सुनियोजित साजिश और

नस्लीय-सफाया यानि एथनिक-क्लींजिंग जैसा गंभीर मामला बताया गया है। इसमें न सिर्फ जनसंख्या का संतुलन बदला गया है, बल्कि मंदिरों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने के भी प्रमाण मिले हैं, जिससे साफ है कि यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से हुआ है।

यही स्थिति अब उत्तर प्रदेश के नेपाल सीमा से सटे संवेद-नशील जिलों श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर में भी सामने आ रही है। पिछले कुछ वर्षों में इन इलाकों में जनसंख्या का संतुलन तेजी से बदला है। यहां अवैध रूप से धार्मिक स्थलों का निर्माण बढ़ा है और सीमावर्ती क्षेत्रों में तेजी से अतिक्रमण किया जा रहा है। स्थानीय लोग पलायन को मजबूर हो रहे हैं, जबकि बाहरी लोग बड़ी संख्या में यहां आकर बसते जा रहे हैं। इसी के साथ इन क्षेत्रों में मानव तस्करी, अवैध धर्मांतरण और आपराधिक गतिविधियों में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे यह इलाका

बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुस्लिमों की घुसपैठ से दशा खराब

सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

बिहार और पश्चिम बंगाल की स्थिति तो और भी जघन्य है। बिहार में बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों को तो सारी सरकारी सुविधाएं मुहैया कराई जाती रहीं और उन्हें वोट बैंक बनाने का खेल चलता रहा। तमाम राजनीतिक दबाव के बावजूद बिहार में 65 लाख अतिरिक्त मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से बाहर हुए। मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) के दरम्यान ही यह उजागर हुआ कि किस तरह बड़ी तादाद में बाहरी लोगों और घुसपैठियों को वोटर बनाया गया। इससे ही जनसंख्या के बदलाव और असंतुलन के बारे में समझा जा सकता है। बिहार में मुस्लिम आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार 16.87 प्रतिशत थी, जो 2023 के जाति-आधारित जन-गणना में बढ़कर लगभग 17.7 प्रतिशत हो गई, और पिछले कई दशकों से लगभग हर जनगणना के साथ इसमें वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि जनसांख्यिकीय कारकों के कारण हुई है। बिहार में मुस्लिम बहुल जिले किशनगंज, अररिया और पूर्णिया हैं। ये जिले बांग्लादेश की सीमा से सटे हुए हैं और यहां बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ व्यापक पैमाने पर हुई है और उन्हें राजनीतिक दलों ने बसाने का काम किया।

पश्चिम बंगाल की स्थिति भयानक है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति ने पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बना कर रख दिया है। यहां बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुसलमानों की खुली एंट्री से जनसंख्या में भारी असंतुलन पैदा हो गया है। बंगाल और बांग्लादेश सिर्फ एक जैसा नाम ही नहीं हैं बल्कि ममता बनर्जी की कृपा से अब बांग्लादेश की रूह खुले बॉर्डर से धीरे-धीरे इस पार घुस आई है। ▶10 पर

जापान की दो दिवसीय यात्रा के बाद चीन पहुंचे पीएम मोदी

दुनिया बाखबर, मोदी-जिनपिंग वार्ता पर नजर

बीजिंग, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

जापान की दो दिवसीय यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आर चीन के तियानजिन शहर पहुंचे हैं। यहां प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी मोदी 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात साल से ज्यादा के अंतराल के बाद शनिवार को चीन पहुंचे। इस यात्रा पर पूरी दुनिया की निगाह है। दुनिया बेहद उत्सुकता से पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात का इंतजार कर रही है।

ट्रंप के टैरिफ के साझा प्रतिकार को लेकर बनी है जिज्ञासा

एससीओ सम्मेलन के दरम्यान पुतिन से भी मिलेंगे मोदी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से भारत-अमेरिका संबंधों में अचानक आई गिरावट को देखते हुए यह यात्रा और भी महत्वपूर्ण हो गई है। पीएम मोदी मुख्य रूप से 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन आए हैं।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की रविवार को निर्धारित बैठक वाशिंगटन के टैरिफ विवाद के मद्देनजर और भी महत्वपूर्ण हो गई है, जिसका असर दुनिया भर की लगभग सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा है। इस वार्ता में पीएम मोदी और शी भारत-चीन आर्थिक संबंधों का जायजा लेने और पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के बाद गंभीर तनाव में आए संबंधों को और सामान्य बनाने के लिए कदमों पर विचार-विमर्श करेंगे। प्रधानमंत्री अपनी दो-राष्ट्र यात्रा के दूसरे और अंतिम चरण में जापान से इस चीनी शहर पहुंचे हैं। पीएम मोदी शिखर सम्मेलन से इतर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी कर सकते हैं। तियानजिन की अपनी यात्रा से पहले पीएम मोदी ने कहा कि विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए भारत और चीन का मिलकर ▶10 पर

असम की जमीन से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का ऐलान

देश को घुसपैठियों से मुक्त कराएगी भाजपा

गुवाहाटी, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

असम दौरे पर गए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भाजपा देश को घुसपैठियों से मुक्त करने का अपना वादा निभाएगी। अमित शाह ने कहा, हमने असम से वादा किया था, भले ही हम 10 साल में इसे पूरा नहीं कर पाए, लेकिन हम अपना वादा जरूर निभाएंगे। असम के साथ-साथ पूरे देश को अवैध विदेशियों से मुक्त करेंगे। मैं उन लोगों में से हूं जो मानते हैं कि हमारे देश में एक भी घुसपैठिया नहीं रहना चाहिए।

असम के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री गोलाप बोरबोरा की जन्मशती पर गुवाहाटी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के भाषण में घोषित केंद्र का उच्चस्तरीय जनसांख्यिकी मिशन देश के जनसांख्यिकीय स्वरूप का अध्ययन करने और घुसपैठियों की पहचान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब 1978 में गोलाप बोरबोरा असम के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री बने, तो यह असम के राजनीतिक इतिहास में एक बहुत बड़े बदलाव की शुरुआत थी। 1978 तक यहां कोई गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री नहीं चुना गया था। फिर पहली बार, गोलाप बोरबोरा ने एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि जब से इंदिरा गांधी ने देश की कमान संभाली है, उनके परिवार के अलावा किसी अन्य व्यक्ति के योगदान को देश में मंच या सम्मान नहीं दिया गया है। इतने बड़े देश में, विविध संस्कृतियों के कई लोगों ने देश की प्रगति में योगदान दिया है, लेकिन उन्हें न तो सम्मान दिया गया और न ही उन्हें कोई मंच मिला।

इस दौरान अमित शाह ने बताया कि कैसे बोरबोरा ने मंगलदई लोकसभा सीट पर उपचुनाव की आवश्यकता पड़ने पर मतदाता सूची को सही करने का अभियान चलाया था। शाह ने कहा कि उस दौर में जब कम्प्यूटरीकृत मतदाता सूची नहीं थी उस अभाव में भी, पूर्व सीएम बोरबोरा की सरकार ने 36,780 अवैध विदेशियों के नामों का पता लगाया था। मतदाता सूची के इस शुद्धिकरण को असम आंदोलन की शुरुआत माना जा सकता है। गोलाप बोरबोरा ने मार्च 1978 से सितंबर 1979 तक राज्य में जनता पार्टी की सरकार का नेतृत्व किया था।

इससे पहले राजभवन की नवनिर्मित इकाई ब्रह्मपुत्र का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के लिए कहे गए अपशब्दों के लिए जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जितनी ज्यादा गालियां पीएम मोदी को दोगे, कमल का फूल उतना ही अधिक खि-लेगा। कांग्रेस ने हर चुनाव में यही गलती की। गाली दी और फिर मुंह की खाई। बाद में विजय को झुठलाने के लिए घुसपैठिया बचाओ यात्रा लेकर आए। राहुल की यह घुसपैठिया बचाओ यात्रा कांग्रेस के वोट बैंक की रक्षा के लिए है। ▶10 पर

मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को दी हिदायत

हिंदू मंदिरों का धन धार्मिक उद्देश्यों पर ही खर्च हो

चेन्नई, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

हिंदू मंदिरों का धन दूसरे कामों में खर्च किए जाने के तौर-तरीके पर मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाई है और सख्त निर्देश दिया है कि मंदिरों का धन मंदिरों के विकास और धार्मिक उद्देश्यों पर ही खर्च किया जाए। तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार हिंदू मंदिरों के पैसे से शादी घर और अन्य ऐसे ही कामों पर खर्च कर रही थी। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के उस आदेश को रद्द करते हुए कहा, सिर्फ धार्मिक उद्देश्यों के लिए मंदिर के धन का इस्तेमाल हो। तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश तर्क पर हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि हिंदू विवाह भले ही एक संस्कार है लेकिन वह करारनुमा शर्तों से बंधा होता है। इसलिए इसे धार्मिक उद्देश्य नहीं माना जा सकता है। इस तरह मद्रास हाईकोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है ▶10 पर

बिहार में 3 लाख वोटरों की नागरिकता पर संदेह, नोटिस जारी

फिर वोटर लिस्ट में पाए गए तीन लाख घुसपैठिए

पटना, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

बिहार में चल रही वोटर लिस्ट की जांच में चुनाव आयोग ने दस्तावेजों में गड़बड़ी पाए जाने के बाद 3 लाख वोटरों को नोटिस भेजी है। अधिकारियों ने एक हफ्ते के भीतर उन्हें कागजात दिखाने को कहा है। आशंका जताई जा रही है कि ये लोग अवैध प्रवासी हैं। इस तरह बिहार में चल रही वोटर लिस्ट की विशेष जांच (एसआईआर) में फिर बड़ा खुलासा हुआ। चुनाव आयोग (ईसी) की जांच में तीन लाख वोटरों के दस्तावेजों में गड़बड़ी पाई गई। यह संख्या और भी बढ़ सकती है, क्योंकि अभी भी दस्तावेजों की जांच चल रही है। जांच के

दौरान ऐसे कई वोटर मिले हैं, जिनके भारतीय नागरिक होने पर शक है। खासकर नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से आए लोगों के वोटर बनने की आशंका जताई जा रही है।

वोटर लिस्ट से नाम हटाने के लिए 1.98 लाख आवेदन

चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, जिन लोगों को नोटिस भेजी गई है, उन्होंने या तो कोई दस्तावेज जमा नहीं किया या गलत दस्तावेज दिए। कुछ मामलों में तो वोटर की नागरिकता ही संदिग्ध पाई गई है। यह जानकारी बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) और पुलिस से मिली है। नोटिस में कहा गया है कि उनके द्वारा दिए गए दस्तावेजों में कुछ गड़बड़ियां पाई गई हैं, जिससे इस बात पर शक होता है कि उनका नाम वोटर लिस्ट में शामिल होना चाहिए या नहीं। जानकारी के अनुसार, ज्यादातर नोटिस पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, मधुबनी, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, अररिया ▶10 पर

जम्मू कश्मीर में बारिश से फिर मची भारी तबाही

भूस्खलन में 7 लोग मरे बादल फटने से 5 की मौत

जम्मू, 30 अगस्त (ब्यूरो)।

रामबन में बादल फटने के बाद फैला मलबा

जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में माहौर इलाके के डब्बर गांव में शनिवार को हुए भूस्खलन से कम से कम सात लोग मारे गए। रामबन इलाके में बादल फटने से पांच लोग मारे गए। पांच लोग लापता बताए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने तबाही मचा रखी है। रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने से हालात बेहद खराब हो गए हैं। रामबन जिले के राजगढ़ गांव में बादल फटने से अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य लापता बताए जा रहे हैं। तेज बारिश के बाद अचानक आए मलबे और बाढ़ में कई घर बह गए और लोग सुरक्षित जगहों की ओर भागने लगे। वहीं, रियासी जिले के माहौर डब्बर गांव में बादल फटने से सात लोगों की जान चली गई। ▶10 पर

अंकिता लोखंडे को ट्रेडिशनल लुक में देख फैंस को याद आईं मधुबाला

टी वी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे सिर्फ अपनी एक्टिंग के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। अंकिता ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसके बाद फैंस ने उनकी तुलना गुजरे जमाने की मशहूर अदाकारा मधुबाला से कर डाली।टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' फेम अंकिता लोखंडे ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। वह 'सी-ग्रीन' कलर की साड़ी के साथ के साथ मैचिंग ब्लाउज कैरी किया है। अपने लुक को और आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने राउंड इयररिंग्स, नेकलेस, मल्टीकलर की चूड़ी और मांग में सिंदूर लगाया हुआ है।

पोस्ट में अभिनेत्री का स्टाइलिश लुक और दिलकश अदाएं फैंस को काफी लुभा रही हैं। अंकिता लोखंडे कभी चेयर पर बैठकर तो कभी दीवार से सटकर हैंडबैग के साथ कैमरे के सामने पोज देती नजर आईं। अंकिता ने कैप्शन में लिखा, वह समय से परे है। वह अपने पूर्वजों की गूंज, माताओं की दुआ और आने वाली बेटियों का वादा है।अभिनेत्री का यह पोस्ट फैंस के दिल को भा गया है। वे उन्हें 'क्वीन', 'गॉर्जियस', और 'अप्सरा' जैसे शब्दों से उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे।एक यूजर ने लिखा, मधुबाला तो दूसरे ने लिखा, सिर्फ बिंदी नहीं, आपका खूबसूरत चेहरा और यह साड़ी, इतनी प्यारी लग रही है, क्या ही बोलूं।

एक और यूजर ने लिखा, आप साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। एक ने लिखा, आप कितनी सुंदर लग रही हो।किता लोखंडे ने टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' में अर्चना मनोहर देशमुख नाम का किरदार निभाया था और उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई थी। उनके साथ मुख्य भूमिका में सुशांत सिंह राजपूत थे। छोटे पर्दे के अलावा अंकिता 'मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ झांसी', 'बागी 3', द लास्ट कॉफी और 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' जैसी फिल्मों में काम चुकी हैं। मणिकर्णिका से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म में उनके किरदार का नाम झलकारी बाई था। वहीं स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर पर आधारित फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' में उन्होंने यमुना बेई सावरकर के नाम का किरदार निभाया था।

तुम सिर्फ दोस्त नहीं, परिवार हो, जन्नत के 24वें जन्मदिन पर शिवांगी जोशी का प्यार भरा पोस्ट

टी वी इंडस्ट्री की मशहूर और चहेती एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपनी बेहद करीबी दोस्त, एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जन्नत जुबैर के 24वें जन्मदिन पर सोशल मीडिया के जरिए एक खास तोहफा दिया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत पोस्ट साझा किया, जिसमें दोनों की साथ में बिताए गए पलों की झलक दिखती है। इंस्टाग्राम पर साझा की गई पोस्ट में एक प्यारी सी फोटो के साथ-साथ कई वीडियो भी हैं, जिनमें शिवांगी और जन्नत एक-दूसरे के साथ हंसी-मजाक करती, मस्ती करती और बेहतरीन पल गुजारती नजर आ रही हैं। इन वीडियो क्लिप्स में कभी वह ट्रैवलिंग करती दिख रही है, तो कभी डांस करती हुई नजर आ रही हैं।

शिवांगी जोशी ने इस पोस्ट के साथ दिल को छू लेने वाला कैप्शन लिखा। उन्होंने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मेरी जान... तुम सिर्फ मेरी सबसे अच्छी दोस्त नहीं हो, तुम मेरा परिवार हो। मेरी सुरक्षित जगह, मेरी साथी, जिंदगी भर साथ रहने वाली इंसान हो।

शिवांगी ने आगे कहा कि उनके बीच की समझदारी इतनी गहरी है कि बिना कुछ कहे भी एक-दूसरे को समझ जाती हैं। उन्होंने लिखा कि जन्नत के साथ जीवन और भी खूबसूरत और गर्मजोशी भरा लगता है। उसके साथ जो सफर तय किया है, और जो छोटी-छोटी यादें उन्होंने साथ में बनाई हैं, वो उनके दिल के बेहद करीब हैं।

उन्होंने कहा, तुम वही इंसान हो जिसके साथ मैं पूरी तरह खुद बन सकती हूं... हंसी में, आंसुओं में, खामोशी में, और उथल-पुथल में और फिर भी सब कुछ बिल्कुल सही लगता है, क्योंकि वो 'हम' होते हैं। मैं तुमसे बेइंतहा प्यार करती हूं, पूरे दिल से और हमेशा तुम्हारे साथ और तुम्हारे लिए रहूंगी, चाहे जिंदगी में कुछ भी आए।

इसके बाद शिवांगी ने जन्नत को धन्यवाद दिया, उसके प्यार, देखभाल, पागलपन, गर्मजोशी और सुकून के लिए, जो उसने शिवांगी की जिंदगी में भरा है। इस पोस्ट के आखिर में शिवांगी ने जन्नत को ढेर सारी दुआएं और शुभकामनाएं देते हुए लिखा, तुम्हारे इस खास दिन पर, मैं बस यही दुआ करती हूं कि तुम्हें दुनिया की सारी खुशियां मिलें, तुम्हें ढेर सारा प्यार मिले, और जिंदगी की सारी अच्छी चीजें तुम्हारे कदम चूमें। तुम वाकई में इस सबकी हकदार हो। जन्मदिन मुबारक हो, मेरी बेस्ट फ्रेंड।

श्रीदेवी के गाने ना जाने कहां से आई है पर डांस करती नजर आईं दिव्या खोसला

बॉ लीवुड की पहली फीमेल सुपरस्टार श्रीदेवी ने अपने शानदार अभिनय से फिल्म इंडस्ट्री में एक अअलग पहचान बनाई थी। भले हीं वह अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें और उनकी कला आज भी दर्शकों के दिलों में बसी हुई है। हर साल 13 अगस्त को उनकी जयंती मनाई जाती है, इस दिन उनके चाहने वाले उन्हें याद करते हैं। इसी कड़ी में

अभिनेत्री, मॉडल, निर्माता और निर्देशक दिव्या खोसला ने श्रीदेवी को एक खास तरीके से श्रद्धांजलि दी है। दिव्या ने श्रीदेवी की जयंती पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। यह वीडियो 'एक चतुर नार' के सेट पर शूट किया गया है। इसमें वह एक आम महिला के रूप में दिख रही हैं और पोछा लगाते हुए श्रीदेवी के सुपरहिट गाने 'ना जाने कहां से आई है' पर जोरदार डांस करती नजर आ रही हैं। यह गाना श्रीदेवी की फिल्म 'चालबाज' का आइकॉनिक नंबर है, जो आज भी लोगों की जुबां पर है। इस वीडियो के साथ दिव्या ने कैप्शन में लिखा, ''श्रीदेवी मैम हमेशा से मेरी प्रेरणा रही हैं। उनका जादू आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है और उनकी यादें हमेशा हमारे बीच ताजा रहेंगी। उनके इस वीडियो पर फैंस का उत्साह और प्यार देखने को मिल रहा है।एक फैन ने कहा, आपने श्रीदेवी के गाने पर कमाल का डांस किया है।दूसरे फैन ने कहा, आपका डांस देखकर श्रीदेवी की याद आ गई।'' अन्य फैंस ने कमेंट्स के जरिए श्रीदेवी को श्रद्धांजलि दी।

वर्कफ्रंट की बात करें तो दिव्या खोसला जल्द ही नील नितिन मुकेश के साथ फिल्म 'एक चतुर नार' में नजर आएंगी। इस फिल्म का फर्स्ट पोस्टर जारी हो चुका है, जिसमें दोनों एक टेबल के पास खड़े दिख रहे हैं। टेबल पर कुछ सब्जियां रखी हुई हैं। दिव्या गाजर को चाकू से काटते हुए कैमरे की तरफ देख रही हैं।

राशि खन्ना ने अपनी वर्कआउट रूटीन की दिखाई झलक

क्या आपने कभी हवाई जहाज़ या काम के बाद अकड़न महसूस की है? राशि खन्ना ने अपने पसंदीदा स्ट्रेचिंग तरीके बता रही हैं। मैं अपनी पसंदीदा स्ट्रेचिंग रूटीन बता रही हूँ, खास कर उनके लिए जो हवाई जहाज़, डेस्क या ट्रैफ़िक में बहुत ज़्यादा समय बिताते हैं। राशि खन्ना का स्ट्रेचिंग रूटीन आपका इंतज़ार कर रहा है। शूटिंग, सफ़र और लंबे समय तक काम से भरे व्यस्त शेड्यूल को संभालना आसान नहीं होता, लेकिन पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना हमेशा अपनी फिटनेस को प्राथमिकता देती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने फैंस को अपनी वर्कआउट रूटीन की झलक दी, जिसमें उन्होंने कुछ आसान लेकिन असरदार स्ट्रेचेस दिखाए हैं जो लंबे समय तक बैठने से होने वाले तनाव और जकड़न को कम करने में मदद करते हैं - फिर चाहे वो हवाई जहाज़ में हो, ऑफिस डेस्क पर हो या ट्रैफिक में फंसे हों।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं अपने पसंदीदा स्ट्रेच उन लोगों के लिए साझा कर रही हूँ जो प्लेन में (मेरी तरह!) डेस्क पर या ट्रैफ़िक में बहुत ज़्यादा समय बिताते हैं। कृपया इसे घर पर आज़माएँ! इसके साथ ही उन्होंने अपने फॉलोअर्स को प्रेरित किया कि चाहे जीवन कितना भी व्यस्त क्यों न हो, सेहत को हमेशा प्राथमिकता दें।

स्टाइलिश वर्कआउट पोशाक में, राशि अपने ट्रेनर के देखरेख में फ़्लोर स्ट्रेच का अभ्यास करती नज़र आईं, उन्होंने यह याद दिलाया कि डेली लाइफ में गतिशीलता और लचीलापन कितना आवश्यक है। उनका संदेश स्पष्ट था कि फिटनेस जटिल नहीं है, यह बिना किसी बहाने के नियमितता और आत्म-देखभाल के बारे में है। जहाँ एक ओर वह अपने फॉलोअर्स को सेहत पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती हैं, वहीं राशि खुद अपने करियर के एक रोमांचक दौर से गुज़र रही हैं। '120 बहादुर' उनकी आगामी फिल्मों की लाइनअप की शुरुआत है, जो उनके स्पष्ट विजन और पैन-इंडिया अपील को दर्शाती है।

वह अगली बार पवन कल्याण के साथ तेलुगु एक्शन-ड्रामा उस्ताद भगत सिंह में नज़र आएंगी, और उसके बाद विक्रांत मैसी के साथ तलाखों में एक में नज़र आएंगी-एक ऐसी फ़िल्म जो सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों पर केंद्रित है। इसके अलावा राशी जल्द ही लोकप्रिय ओटीटी थ्रिलर 'फर्जी' के दूसरे सीज़न में भी वापसी करेंगी, जिसकी शूटिंग इस दिसंबर से शुरू होने जा रही है।

अक्षरा सिंह ने जिम में बहाया पसीना, कहा

अपनी सीमाएं तोड़ने का मजा ही अलग है

भो जपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस अक्षरा सिंह अपनी एक्टिंग और ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ अपनी जिंदगी से जुड़े अपडेट्स साझा करती हैं। हाल ही में अक्षरा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह जिम में मेहनत करती नजर आ रही हैं, ताकि फिट रह सके।

वीडियो में अक्षरा सिंह कार्डियो, वेट ट्रेनिंग और फ्लेक्सिबिलिटी एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। साथ ही, वे बैटल रोप, स्क्वैट्स, लंज, पुश-अप्स, बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट जैसे एक्सरसाइज भी करती दिख रही हैं। उन्होंने वीडियो के बैकग्राउंड म्यूजिक के लिए 'बवाल' गाना चुना है, जो एनर्जी से भरपूर सॉन्ग है।

इस वीडियो को पोस्ट करते हुए अक्षरा ने कैप्शन में लिखा, ''अपनी लिमिट्स तोड़ने का मजा ही अलग है।'' इसके आगे उन्होंने फायर इमोजी का इस्तेमाल किया।

इसके अलावा, अक्षरा ने गुरुवार की सुबह एक और पोस्ट साझा किया था, जिसमें वह शूट के लिए तैयार होती नजर आईं। इस पोस्ट में वह अलग-अलग पोज देती हुई दिख रही हैं और उन्होंने अपने बालों को लाइट कर्ली स्टाइल दिया हुआ है, जो उनके लुक को और भी सुंदर बना रहा है। इस पोस्ट में एक फोटो ऐसी भी थी, जिसमें उनके हाथ में ड्रिप लगी हुई दिख रही थी।

इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, थोड़ा दर्द, थोड़ा ग्लैम... और शूट के लिए फुल ऑन तैयार!

उनके जिम वर्कआउट वीडियो और शूट के लिए रेडी होने वाली तस्वीरों पर फैंस अपनी खूब प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

एक फैन ने वीडियो पोस्ट के कमेंट में लिखा, ''आपने यह दिखा दिया कि खूबसूरती के साथ-साथ फिटनेस भी बहुत जरूरी है।''वहीं एक और फैन ने तस्वीरों के पोस्ट के कमेंट में लिखा, हाथ में ड्रिप है, लेकिन फिर भी शूट कर रही हो... आपकी लगन और मेहनत को सलाम।

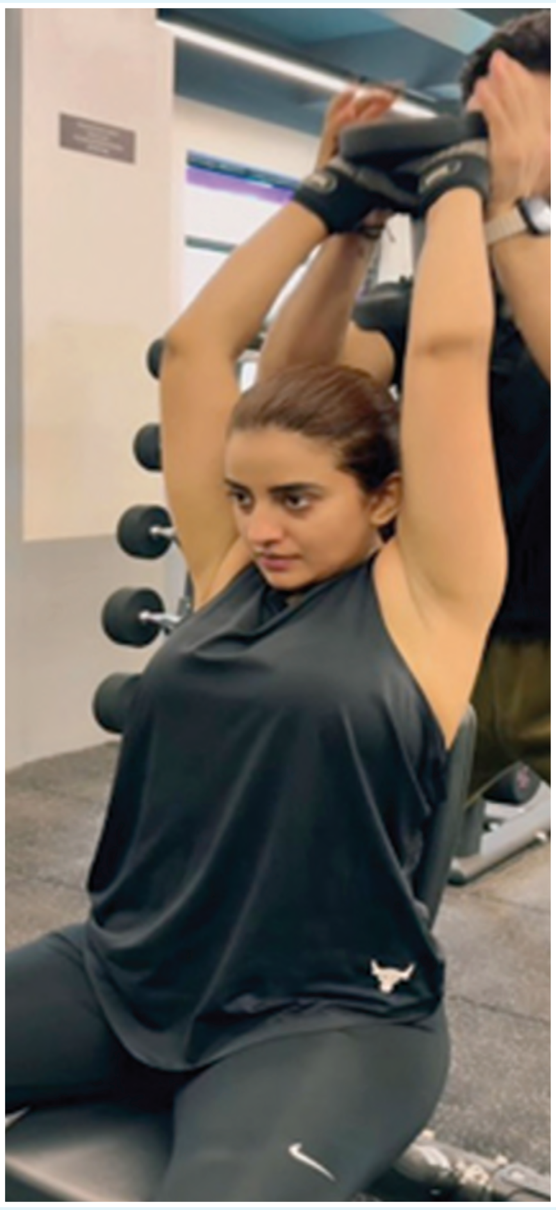

आज राधा अष्टमी

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को श्री राधा रानी का जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन को राधा अष्टमी के रूप में पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया जाता है। राधा अष्टमी का पर्व हिंदू धर्म में अत्यंत पावन और श्रद्धा से भरा हुआ दिन माना जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि राधा अष्टमी का पर्व इस वर्ष 31 अगस्त को मनाया जाएगा। तिथि की शुरुआत 30 अगस्त को रात 10:46 मिनट पर होगी और समापन 31 अगस्त को रात 12:57 मिनट पर होगा। राधा अष्टमी पर विशेषकर बरसाना और मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में भव्य आयोजन होते हैं। भक्तजन इस दिन राधा-कृष्ण की आराधना कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और सभी प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं। श्रद्धालु व्रत रखते हैं, कीर्तन-भजन करते हैं और राधा रानी की विधिपूर्वक पूजा कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन व्रत रखने से जीवन में प्रेम, सौहार्द और सुख-शांति का वास होता है।

राधा अष्टमी का पर्व न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि जीवन में खुशहाली और रिश्तों की मजबूती का मार्ग भी खोलता है। इस दिन राधा-कृष्ण की सच्चे मन से पूजा करने और दान-पुण्य करने से साधक को मनोवांछित फल प्राप्त होता है।

राधा अष्टमी तिथि

अष्टमी तिथि आरंभ: 30 अगस्त, रात्रि 10:46 बजे से

अष्टमी तिथि समाप्त: 31 अगस्त, देर रात 12:57 बजे तक

उदयातिथि के अनुसार राधा अष्टमी 31 अगस्त को मनाई जाएगी।

राधा अष्टमी शुभ मुहूर्त

पूजा का सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त: 31 अगस्त, प्रातः 11:05 बजे से दोपहर 1:38 बजे तक रहेगा

राधा अष्टमी पर करने योग्य उपाय

इस दिन सुबह स्नान करके राधा-कृष्ण की पूजा करें। कथा और मंत्रजप के साथ गरीबों और जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र तथा धन का दान करें। ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है और राधा रानी की कृपा प्राप्त होती है।

शीघ्र विवाह के लिए जपें ये मंत्र

अगर विवाह में बाधा आ रही हो, तो राधा अष्टमी के दिन 'ॐ ह्रीं श्री राधिकायै नमः' मंत्र का जप करना विशेष फलदायी माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इससे विवाह में आ रही रुकावटें समाप्त होती हैं और मनचाहा जीवनसाथी प्राप्त होता है। वैवाहिक जीवन को सुखमय बनाने के लिए इस दिन राधा-कृष्ण की उपासना कर प्रभु को गुलाब, मोरपंख और बांसुरी अर्पित करें। यह उपाय पति-पत्नी के रिश्तों में प्रेम और मधुरता बढ़ाने वाला माना जाता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

राधा अष्टमी के दिन क्या करें

राधा अष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर शुद्ध जल से स्नान करें। स्नान के बाद साफ और स्वच्छ कपड़े पहनें ताकि मन और शरीर दोनों पवित्र रहें। तभी व्रत और पूजा का संकल्प लें। पूरे दिन ब्रह्मचर्य नियम का पालन करना अनिवार्य माना जाता है। इसका मतलब है कि आप न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि मानसिक रूप से भी संयमित और शुद्ध रहें। इस दिन राधा रानी को केवल ताजी और पवित्र चीज़ें जैसे ताजे फल, दूध, दूध से बने प्रसाद, फूल, इत्यादि ही भोग के रूप में लगाएं। पुरानी या अर्धपकी हुई चीज़ें अर्पित न करें। पूजा के बाद राधा अष्टमी व्रत की कथा का पाठ या श्रवण करें। इससे व्रत की महिमा और धार्मिकता बढ़ती है और मन को आध्यात्मिक शांति मिलती है। व्रत खोलने का समय खास होता है। शुभ मुहूर्त में ही व्रत का पारण करना चाहिए ताकि पूजा का फल पूर्ण रूप से प्राप्त हो। जल्दबाजी न करें और समय का सम्मान करें। व्रत खोलते समय उसी प्रसाद को ग्रहण करें, जिसे पूजा में राधा रानी को भोग लगाया गया था। इससे पूजन की पूर्णता बनी रहती है। व्रत खोलने से पहले जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र, या धन दान करें। इसके अलावा गौ सेवा भी बहुत शुभ मानी जाती है। इससे पुण्य बढ़ता है और व्रत की सफलता सुनिश्चित होती है। पारण करने के बाद घर के बुजुर्गों या वरिष्ठों का आशीर्वाद लेना आवश्यक होता है। उनका आशीर्वाद आपके जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लाता है।

राधा अष्टमी व्रत के दिन क्या न करें

पूजा में जो भी भोग राधा रानी को अर्पित किया जाना है, वह पूरी तरह शुद्ध और बिना किसी स्पर्श के होना चाहिए। भोग बनाने के बाद उसे चखना या किसी भी तरह से झूठा करना वर्जित है। व्रत के दिन दिन में सोना धार्मिक दृष्टि से अनुचित माना गया है। इससे व्रत की तपस्या में बाधा आती है और इसका फल कम हो सकता है। इस शुभ दिन शरीर की कटिंग जैसे बाल, नाखून या दाढ़ी काटना वर्जित होता है। इसे अशुद्धता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इससे बचना चाहिए। इस दिन काले या बहुत गहरे रंग के कपड़े पहनने से परहेज़ करें। राधा रानी को लाल और पीले रंग अत्यंत प्रिय हैं, इसलिए इन्हीं रंगों के वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। पूजा करते समय महिलाओं को बाल बांधकर रखने चाहिए और सिर को चुनरी से ढकना चाहिए। यह श्रद्धा और शुद्धता का प्रतीक होता है। पुरुषों को भी सिर पर रुमाल या कपड़ा रखना चाहिए। राधा अष्टमी की तिथि के दौरान बाल धोना वर्जित माना जाता है। यदि बाल धोने की आवश्यकता हो तो यह कार्य अष्टमी शुरू होने से पहले कर लेना चाहिए।

पूजा सामग्री

पुष्प और फूलों की माला, रोली एवं अक्षत, सुगंध और चंदन, सिंदूर, फल, केसरयुक्त खीर, राधा रानी के वस्त्र और आभूषण, इत्र, देसी घी का दीपक, अभिषेक के लिए पंचामृत

राधा अष्टमी पूजा विधि

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थान पर एक साफ चौकी रखें और उस पर राधा रानी की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। उन्हें सुंदर वस्त्र पहनाकर श्रृंगार करें और षोडशोपचार विधि से पूजन आरंभ करें। राधा रानी के मंत्रों का जाप करें तथा उनकी कथा का पाठ या श्रवण करें। अंत में आरती करें और केसर वाली खीर सहित भोग अर्पित करें।

राधा रानी के 28 नामों का करें जाप

हर मनोकामना होगी पूर्ण, जीवन के दुख होंगे दूर

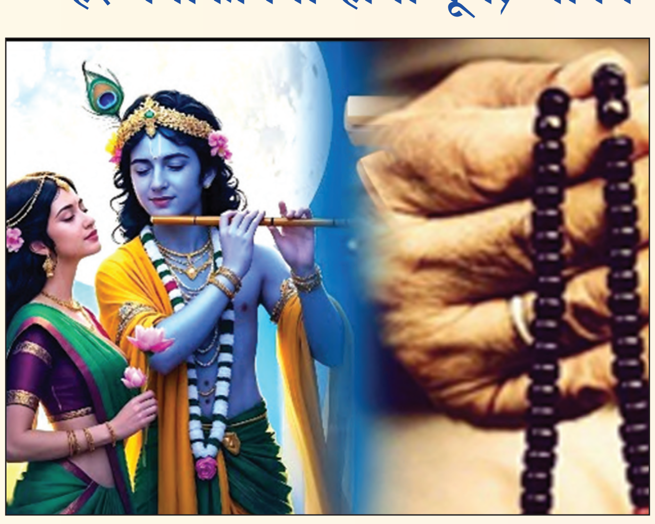

राधा रानी को कई नामों से जाना जाता है, जिन्हें भक्त प्रेम और भक्ति की देवी मानते हैं। राधा रानी को राधिका, केशवी, लाडली आदि कई नामों से जाना जाता है। इनकी विधि-पूर्वक पूजा करने से जातक को जीवन के कई दुखों से छुटकारा मिल सकता है। वहीं, राधा रानी के 28 नाम ों का जाप करने का भी बहुत खास महत्व होता है। ऐसा करने से भक्तों को मानसिक शांति प्राप्त होती है और उनकी हर मनोकामना पूरी हो सकती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें राधा रानी के 28 नाम और उनका जाप करने के लाभों के बारे में...

राधा रानी के 28 नाम इस प्रकार हैं

राधा, रासेश्वरी, रम्या, कृष्णमत्राधिदेवता, सर्वाद्या, सर्ववन्द्या, वृंदावनविहारिणी, वृन्दाराधा, रमा, अशेषगोपीमण्डलपूजिता, सत्या, सत्यपरा, सत्यभामा, श्रीकृष्णवल्लभा, वृषभानुसुता, गोपी, मूल प्रकृति, ईश्वरी, गान्धर्वा, राधिका, आरम्या, रुक्मिणी, परमेश्वरी, परात्-परतरा, पूर्णा, पूर्णचन्द्रविमानना, भुक्ति मुक्तिप्रदा, भवव्याधि विनाशिनी

राधा रानी के 28 नामों का जाप करने के लाभ

शांत स्थान पर श्रद्धापूर्वक इन मंत्रों का जाप करना बहुत फलदायी माना जाता है। पूर्ण विश्वास और प्रेम के साथ राधा रानी के 28 नामों का जाप करने से जीवन के दुख दूर होने लगते हैं और मानसिक शांति अनुभव होता है। इससे चारों ओर का वातावरण सुखमयी बनने लगता है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। इन नामों का जाप करने से सारी चिंता दूर होती है और मन को एक अलग प्रकार की शांति का अनुभव होता है। जो भक्त पूरी श्रद्धा के साथ इन 28 नामों का जाप करते है उन पर राधा रानी की विशेष कृपा बनी रहती है और जीवन की बाधाएं भी दूर होने लगती हैं।

मनोकामनाएं होंगी पूर्ण

मान्यता है कि राधा रानी के नामों का जाप प्रेम पूर्वक और शांत वातावरण में बैठकर करने से हर समस्या का समाधान मिल सकता है और जीवन में आने वाली मुश्किलें भी कम होने लगती हैं। इन 28 नामों को नियमित जाप करने से शारीरिक स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहता है और जातक की हर मनोकामना पूर्ण हो सकती है। मान्यता है कि राधा रानी के नामों का जाप करने का सबसे उत्तम समय ब्रह्म मुहूर्त में होता है। वहीं, सुबह और शाम के समय ऐसा करना अधिक लाभदायक सिद्ध हो सकता है। वहीं, जीवन में खुशहाली आने लगती है।

इस प्रकार करें राधा रानी के नामों का जाप

राधा रानी के 28 नामों का जाप करने के लिए आप एक आसन पर बैठकर 108 दाने वाली माला का प्रयोग कर सकते हैं। एक पूरा चक्र ऐसा करने से बेहद शुभ लाभ प्राप्त होता है। वहीं, इस दौरान हल्के रंग के कपड़े पहना उत्तम माना गया है। राधा रानी के नामों का जाप करते समय उनका ध्यान करना चाहिए और सभी नाम का जाप करने के बाद प्रार्थना भी जरूर करें। ऐसा करने से जीवन से नकारात्मकता दूर होने लगती है।

राधा अष्टमी पर आधे दिन का व्रत क्यों रखा जाता है? जानें उपवास का आध्यात्मिक महत्व

हिंदू धर्म में राधा अष्टमी व्रत का अत्यंत महत्व है। इस साल राधा अष्टमी 31 अगस्त 2025, रविवार के दिन मनाई जाएगी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के ठीक 15 दिन बाद राधा अष्टमी यानी राधा रानी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं, राधा अष्टमी के मौके पर आधे दिन का ही व्रत रखा जाता है।

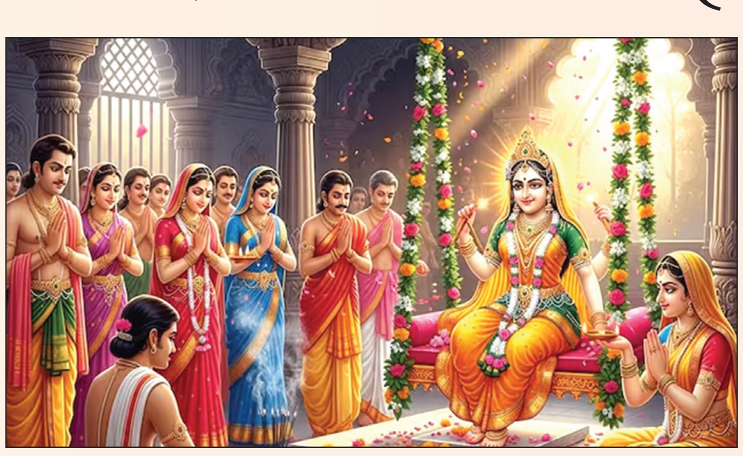

भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को राधा जी का जन्म हुआ था। शास्त्रों के मुताबिक राधा जी सुबह के समय प्रकट हुई थी, इसलिए राधा अष्टमी का व्रत आधे दिन तक ही रखा जाता है। यह व्रत भगवान श्रीकृष्ण और राधा जी की संयुक्त पूजा के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यताओं के मुताबिक इस दिन व्रत और पूजन करने से प्रेम, सौभाग्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

राधा अष्टमी व्रत आधे दिन का क्यों रखा जाता है?

पौराणिक कथाओं के मुताबिक राधा जी का जन्म अष्टमी तिथि के अर्धदिवस में हुआ था, इसलिए इस व्रत को अर्धदिवसीय व्रत के नाम से भी जाना जाता है। भक्त सूर्योदय से लेकर दोपहर तक इस दिन उपवास रखते हैं और दोपहर के बाद पूजा अर्चना कर व्रत का पारण करते हैं।

राधा रानी को सबसे भोली और करूणामयी कहा जाता है। राधा जी अपने भक्तों को किसी भी तरह का कष्ट नहीं देती है, इस वजह से राधा अष्टमी का व्रत ब्रह्म मुहूर्त में शुरू होकर दोपहर तक खत्म हो जाता है। इस दिन बच्चों से लेकर बड़ों तक को राधा अष्टमी का व्रत करना चाहिए।

राधा अष्टमी व्रत पूजा विधि

राधा अष्टमी वाले दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करने के बाद व्रत का संकल्प लेना चाहिए।

इस दिन कोशिश करें कि नीले रंग के कपड़े पहनें।

इसके साथ जिन घरों में लड्डू गोपाल और राधा रानी हैं, उन्हें भी नीले रंग के वस्त्र पहनाएं, क्योंकि नीला रंग राधा रानी को प्रिय है।

घर में अगर बाल राधा हैं, तो उन्हें पंचामृत से स्नान कराएं।

राधा रानी के 28 नामों का जाप करना चाहिए।

राधा अष्टमी का व्रत निर्जल और सजल रखना चाहिए।

12 बजे फिर से राधा रानी को पंचामृत से स्नान कराएं।

स्नान कराने के बाद राधा रानी को खीर, पान, हलवा और अरबी की सब्जी का भोग लगाएं।

इसके बाद स्नान कराएं गए पंचमृत को ग्रहण करने के बाद प्रसाद खाएं और व्रत का पारण करें।

राधा अष्टमी व्रत के लाभ

मान्यताओं के मुताबिक एक लाख निर्जला एकादशी व्रत रखने से भी ज्यादा फल एक राधा अष्टमी का व्रत करने से होता है। राधा रानी का नाम और व्रत करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है।

पद्म पुराण के ब्रह्मा खंड भाग में राधा अष्टमी व्रत का जिक्र किया गया है। इस खंड में ब्रह्मा जी अपने पुत्र नारद जी से कहते हैं कि, जो भी कृष्ण प्रेम की चाह रखते हैं, उन्हें राधा अष्टमी व्रत जरूर करना चाहिए।

राधा अष्टमी व्रत का महत्व आप इसी बात से लगा सकते हैं कि सुमेरु पर्वत जितना सोना दान करने से जितना फल प्राप्त होता है, उससे भी अधिक पुण्य राधा अष्टमी व्रत करने से होता है।

1000 कन्यादान पूरी विधि-विधान से करने पर जितना फल प्राप्त होता है, उससे अधिक फल राधा अष्टमी व्रत को करने पर मिलता है।

इसके साथ ही सभी पवित्र नदियों के स्नान से जितना फल मिलता है, उतना फल राधा अष्टमी व्रत को करने पर मिलता है।

राधा अष्टमी व्रत के बारे में एक मान्यता ये भी है कि जो कोई भी व्यक्ति गलती से भी इस व्रत को कर लेता है, तो वह अपने कुल समेत भगवत धाम जाने का अधिकारी होता है।

लड्डू गोपाल को इस तरह करें श्रृंगार

लड्डू गोपाल की पूजा में आज लगभग हर घर में की जाती है। उनकी सेवा एक बच्चे की तरह पूजा निष्ठा के साथ की जाती है। हालांकि, कई बार अनजाने में लड्डू गोपाल की पूजा के दौरान कुछ गलतियां हो जाती हैं। ऐसे में आपको शास्त्रों द्वारा बताई गई लड्डू गोपाल की सेवा के नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। वरना आपको उनकी सेवा का पूरा फल प्राप्त नहीं हो पाएगा।

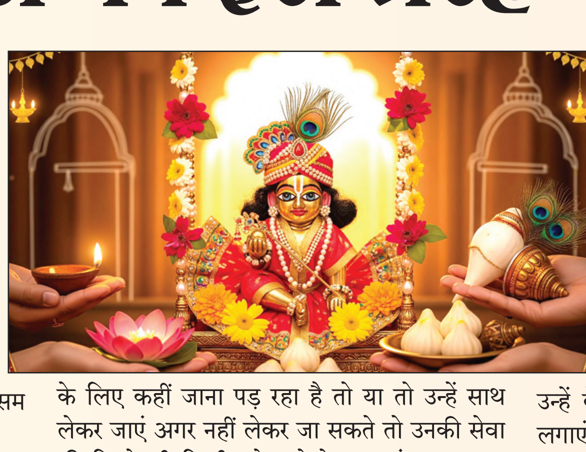

लड्डू गोपाल की सेवा में न करें ये गलती

लड्डू गोपाल की सेवा एक बच्चे की तरह की जाती है इसलिए उन्हें सुबह जल्दी न उठाएं। मौसम के अनुसार, लड्डू गोपाल की सेवा की जाती है।

जैसे सर्दियों के मौसम में उन्हें थोड़ा देर से उठाएं। गर्मियों के समय सोते समय उन्हें गर्मी न लगे इस बात का ख्याल रखें। उन्हें समय से सुलाना भी बेहद जरूरी है।

लड्डू गोपाल को हर जगह लेकर न जाएं। जहां जरूरी हो बस वहीं साथ लेकर जाएं अगर आपको लंबे समय के लिए कहीं जाना पड़ रहा है तो या तो उन्हें साथ लेकर जाएं अगर नहीं लेकर जा सकते तो उनकी सेवा की जिम्मेदारी किसी ओर को देकर जाएं।

रात में सुलाते समय उनके पास पानी जरुर रखें। कई लोग लड्डू गोपाल के पास रात में पानी नहीं रखते हैं। उन्हें सुलाकर उनके पास पानी रखें।

लड्डू गोपाल को सुबह के समय स्नान कराते वक्त पंचामृत का उपयोग करें और शंख में पानी डालकर उन्हें स्नान कराएं। उनके वस्त्र रोजाना बदलें और हो सके तो उन्हें हरे और पीले रंग के वस्त्र अधिक से अधिक पहनाएं।

लड्डू गोपाल को स्नान कराने से पहले उन्हें इत्र लगाएं और फिर वस्त्र पहनाएं, इसके बाद उन्हें आभूषण जैसे पायल, हाथ में कंगन और माला पहनाएं। श्रृंगार पूरा होने के बाद लड्डू दोपाल के हाथों में मुरली जरूर दें। पूरा श्रृंगार होने के बाद मोर पंख लगाएं।

लड्डू गोपाल की सेवा जो लोग करते हैं उन्हें बेहद जरुरी है कि आप तीन समय उन्हें भोग लगाएं। भोग लगाते समय तुलसी के पत्ते जरूर अर्पित करें।

रात में लड्डू गोपाल को शयन कराते समय पहले उनके कपड़े बदलें इसके बाद ही सुलाएं।

लड्डू गोपाल की सेवा करते समय इन नियमों का पालन करना बेहद जरुरी है। तभी आपको उनकी सेवा का पूरा फल मिलेगा।

राधा अष्टमी पर घर लाएं ये तीन पवित्र वस्तुएं

धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण की प्रेम संगिनी राधा रानी का जन्म भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को हुआ था, जोकि इस साल रविवार, 31 अगस्त 2025 को पड़ रही है। इस दिन राधा रानी की पूजा अर्चना की जाती है।

बता दें कि भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 30 अगस्त रात 10 बजकर 46 मिनट पर होगी और 1 सितंबर को सुबह 12।57 तक रहेगी। 31 अगस्त को सुबह 11:05 से 1:38 तक का समय पूजा के लिए शुभ रहेगा।

राधा रानी के जन्म दिन को हर साल राधा अष्टमी या राधा जयंती के रूप मे मनाया जाता है। इस दिन राधा जी की पूजा पाठ करने के साथ ही कुछ शुभ चीजों को घर पर लाना चाहिए। इन पवित्र चीजों को घर पर लाने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और धन की कमी दूर होती है।

बांसुरी– श्रीकृष्ण हमेशा बांसुरी बजाते थे, जिसकी धुन किशोरी जी को बहुत पसंद थी। इसलिए राधा अष्टमी के दिन घर पर बांसुरी लाना शुभ माना जाता है। श्रीकृष्ण के प्रतीक बांसुरी को घर पर रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है।

कंबद का पौधा– राधा अष्टमी के दिन घर पर कंबद का पौधा लाभा भी शुभ होता है। ऐसी मान्यता है कि, इसी वृक्ष की डालियों पर बैठकर कान्हा बंसी (बांसुरी) बजाया करते थे। इसलिए राधाष्टमी के दिन कंबद का पौधा लाकर घर पर इसका रोपण करें। इससे सुख-समृद्धि और शोभा में वृद्धि होती है। इसे आप घर के आंगन या बालकनी कहीं भी रख सकते हैं।

मोरपंख– भगवान कृष्ण ने मोरपंख को अपने माथे पर सुशोभित किया है। साथ यह राधा रानी को भी अतिप्रिय है। राधा अष्टमी पर श्रीकृष्ण से जुड़ी इन चीजों को लाने से राधा-कृष्ण की कृपा परिवार पर बरसती है।

क्या आप जानते हो

जापान ने बनाया सबसे तेज कंप्यूटर

टोक्यो। एक जापानी सुपर कंप्यूटर ने एक सेकंड में 10 हजार खरब कैलकुलेशन कर दुनिया की सबसे तेज मशीन का दर्जा पा लिया है। के कंप्यूटर ने अक्टूबर में बने अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। तब यह एक सेकंड में 8 हजार खरब की गणना एक सेकंड में करता था।

फूजित्सु की कंपनी रिकेन ने यह सुपर कंप्यूटर बनाया है। कंपनी के निदेशक योंजी नोयोरी ने बताया कि के कंप्यूटर में 88 हजार से ज्यादा प्रोसेसिंग यूनिट लगे हुए हैं। सामान्य कंप्यूटर में सिर्फ 4 प्रोसेसर लगते हैं। इस वजह से सुपर कंप्यूटर सामान्य कंप्यूटर से 10 हजार गुना तेजी से काम करता है। भूकंपीय तरंगों और सुनामी लहरों के इमारतों पर प्रभाव जांचने के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है।

पहले फोटो लें, बाद में करें फोकस

अब अगर आप फोटो लेने के बाद उसके किसी भी हिस्से को फोकस कर पाएंगे। यह संभव हो पाएगा आधुनिक तकनीक वाले लिट्रो कैमरे से।

यह कैमरा एक बार में व्यक्ति की हर संभावित फोटो खींच लेता है। इस कैमरे में सिर्फदो बटन है। ऑन ऑफऔर शटर बटन। इस कैमरे से फोकस रिंग और ऑटो फोकस के बिना ही इमेज को फोकस किया जा सकेगा। लिटो कैमरे से ली गई किसी भी फोटो को आप अपने कंप्यूटर और टेबलेट पर डालकर सिर्फ छूने भर से फोकस कर पाएंगे। यह आधुनिकतम कैमरा संभवत: इस साल के अंत तक बाजार में उपलब्ध होगा।

ऐसे करता है काम

कैमरे से फोटो लेते वक्त इसमें लगे कई लैंस रोशनी को अवशोषित कर लेते हैं। इसमें लगे सेंसर हर संभावित कोण से इमेज स्टोर कर लेते हैं। जिसमें कलर, लोकेशन यहां तक की कैमरे पर पड़ रही रोशनी की दिशा तक स्टोर हो जाती है। कैमरे में लगे सॉफ्टवेयर से इमेज को बिना कन्वर्जन के थ्री डी लुक भी दिया जा सकेगा। इस तकनीक के लिए सिलिकॉन वैली की कंपनी ने 245 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। कैमरे की कीमत 399 डॉलर (लगभग 19 हजार) होगी।

धीमे काम करेगा कैमरा

लिटो के निर्माता को संदेह है कि इतनी सारी सूचना स्टोर करने पर हो सकता है कि कैमरे का रिजोल्यूशन कम हो। हो सकता है कि यह थोड़ा धीरे काम करे। वहीं लिटो के प्रतिद्वंदियों का कहना है कि अगर फोटो लेते वक्त हाथ हिल जाता है तो फेटो धुंधली हो सकती है। फोटो को सही फ्रेम से लेना जरूरी है।

राजा तरबूज की कहानी

किसी नगर के राजा ने एक दिन यह निश्चय किया कि वह एक भव्य तोरण द्वार का निर्माण करवाएगा और उसके नीचे से अपनी सवारी निकालकर प्रजा के सम्मुख गर्व से अपने वैभव का प्रदर्शन करेगा। जब वह गौरवदायी क्षण आया तो सब यह देखकर भौंचक्के रह गए कि राजा का मुकुट द्वार की मेहराब से टकरा कर गिर गया। दरअसल द्वार बहुत नीचा बना था। राजा को क्रोध आना तो लाजिमी था! उसने आदेश दिया कि निर्माण कार्य करवाने वाले ठेकेदार को सजा-ए-मौत दे दी जाये। जब ठेकेदार को फांसी के लिए ले जाने लगे तो उसने सबको बताया कि असली गलती निर्माण में लगे कारीगरों की थी जिन्होंने द्वार बनाने का सारा काम किया था।

राजा को न्याय करने की उतावली थी और उसने कारीगरों को तलब किया। कारीगरों ने सारा दोष ईंटें बनानेवाले पर डाल दिया कि उसने गलत आकार की ईंटें बनाईं। ईंटसाज ने कहा कि उसने तो बस द्वार का नक्शा बनानेवाले के निर्देशों के अनुसार काम किया था। नक्शा बनानेवाले ने यह कह दिया कि उसने निर्माण के अंतिम दौर में राजा द्वारा दिए गए कुछ सुझावों को कार्यान्वित किया जिनके परिणामस्वरूप द्वार नीचा बन गया।

'राज्य के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति को बुलाओ!' राजा ने कहा 'यह निस्संदेह बड़ी जटिल समस्या है और हमें इसपर ज्ञानियों से परामर्श करना है!'

सैनिक राज्य के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति को पकड़ कर ले आये। वह इतना बूढ़ा था कि अपने पैरों पर खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। बूढ़ा होने के नाते ही वह सबसे अधिक बुद्धिमान भी था। अपनी कांपती आवाज

में उसने कहा 'इस समय की सबसे बड़ी मांग यह है कि दोषी को शीघ्र दंड दिया जाए और इस प्रकरण में मेरे अनुसार सबसे बड़ा दोषी और कोई नहीं बल्कि यह द्वार ही है।' बूढ़े के निर्णय की सराहना करते हुए राजा ने घोषणा की कि कसूरवार द्वार को ढहा कर नेस्तनाबूद कर दिया जाए। जब द्वार को गिराने की सारी तैयारियां पूरी हो गईं तो राजा के एक सलाहकार ने अपनी राय जाहिर करी कि द्वार को इस प्रकार अपमानपूर्वक नहीं गिराया जा सकता क्योंकि उसने राजा के पवित्र मस्तक को एक बार स्पर्श कर लिया है।

इस बीच द्वार को गिराने-न-गिराने की आपाधापी में बुद्धिमान बूढ़े ने अपनी आखिरी साँसें भर लीं। राजा के सलाहकार द्वारा दिए गए मत पर विमर्श करने के लिए राज्य में और कोई बुद्धिमान व्यक्ति नहीं बचा था। ऐसे में प्रमुख न्यायाधीश ने यह सुझाव दिया कि द्वार के निचले सिरे को सूली पर चढ़ा दिया जाए क्योंकि द्वार के केवल इसी हिस्से ने राजा के मस्तक को नहीं छुआ था। इस तरह द्वार का बाकी हिस्सा बच जाएगा। लेकिन जब जल्लादों ने द्वार के निचले हिस्से को फांसी के फंदे में लपेटने की कोशिश की तो यह पाया कि रस्सी छोटी पड़ गयी है। रस्सी बनानेवाले को बुलाया गया जिसने यह राय जाहिर करी कि फांसी का मचान ऊंचा बन गया था और सारी गलती बढ़ई की थी।

'लोग अपना सब्र खो रहे हैं!' राजा ने कहा 'हमें जल्द-से-जल्द किसी को ढूंढकर फांसी पर चढ़ाना होगा। अपराध और न्याय के मुद्दों की बारीकियों पर हम उचित समय आने पर विचार-विमर्श कर लेंग।' बहुत थोड़े से ही समय में राज्य के सभी लोगों का कद सावधानीपूर्वक माप लिया गया लेकिन केवल एक ही आदमी फांसी के फंदे पर इतना सटीक बैठा कि उसे फांसी पर चढ़ाया जा सके। वह आदमी और कोई नहीं खुद राजा ही था। फंदे के आकार में सटीक बैठनेवाले आदमी के मिल जाने का जनता में ऐसा उत्साह था कि राजा को जनता की उपेक्षा करने का साहस नहीं हुआ और वह फांसी चढ़ गया।

'भगवान का शुक्र है कि हमें फांसी चढ़ाने के लिए कोई मिल गया' प्रधानमंत्री ने राहत की सांस लेते हुए कहा 'यदि हम इस मसले पर जनता की भावनाओं की परवाह नहीं करते तो राज्य में चहुँओर द्रोह की स्थिति निर्मित हो जाती।' अब प्रधानमंत्री के सामने दूसरा संकट मुंह बाए खड़ा था। सभी को यह लगने लगा कि अब उनका देश राजाहीन हो गया है और अतिशीघ्र नए राजा का चुनाव करना बहुत जरूरी है. राजपुरोहित ने कहा कि परंपरा के अनुसार राज्य के सीमा द्वार से प्रवेश करने वाले पहले व्यक्ति को ही नगर का राजा बनाया जायेगा। राज्य

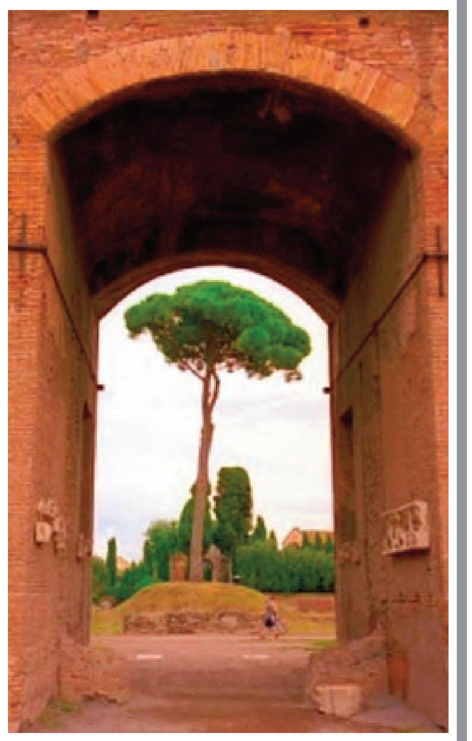

के भीतर दाखिल होने वाला पहला व्यक्ति वज्रमूर्ख था. वह ऐसा आदमी नहीं था जिससे हम अक्सर राह-बेराह मिलते रहते हैं. जब उससे लोगों ने पूछा कि किसे राजा बनाया जाये तो उसने कहा 'तरबूज'। उसने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह हर सवाल का जवाब 'तरबूज' ही देता था। उसे तरबूज इतने पसंद थे कि उनके सिवाय उसके दिमाग में और कोई बात नहीं आती थी।

इस प्रकार एक तरबूज को भव्य समारोह में राजमुकुट पहनाकर सिंहासन पर बिठा दिया गया। यह सब तो बहुत-बहुत पहले हुआ था। आज जब उस देश के नागरिकों से लोग यह सवाल करते हैं कि उनका राजा तरबूज क्यों है तो वे कहते हैं 'यह हमारी मान्यता है कि महाराजाधिराज स्वयं तरबूज ही होना चाहते हैं। हम नागरिक भी तब तक उनकी इस इच्छा का सम्मान करेंगे जब तक वह कुछ और होने का आनंद नहीं उठाना चाहें। हमारे देश में राजा को वह होने का अधिकार है जो वह होना चाहते हैं। जब तक वे हमारे जीवन में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करते तब तक हम उनके तरबूज होने से खुश हैं'।

जिज्ञासा

त्वचा क्यों होती है गोरी या काली ?

आपने अलग-अलग देशों में रहने वाले लोगों के रंग में अंतर देखा होगा। और तो और हमारे अपने देश में ही अलग-अलग रंगों के लोग रहते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि त्वचा का रंग आखिर भिन्न क्यों होता है ?

असल में मनुष्यों, प्राणियों व वनस्पती में विभिन्न प्रजातियों में अंतर उनके समय के साथ बदलते निवास के कारण पैदा हुआ है। वे स्थानीय वातावरण के अनुकूल रहन-सहन एवं भोजन आदि के कारण परिवर्तित होते गए। प्रमुख विभिन्ताओं में शारीरिक संरचना, बाल , त्वचा का रंग एवं चेहरे का आकार प्रमुख है। मानव जाति का विचरण पृथ्वी पर पर अन्य प्राणियों के मुकाबले ज्यादा विस्तृत है। किसी भी व्यक्ति की त्वचा का रंग उसके वातावरण के अनकूलन को प्रदर्शित करता है। गहरी भूरी अथवा काली त्वचा उन जगह के लिए उपयुक्त है, जहां सूर्य के किरणों की तीव्रता अधिक होती है, क्योंकि इस तरह की त्वचा नुकसानदायक परा बैंगनी किरणों द्वारा कैंसर के खतरे को रोकती हैं। कम चमकीले क्षेत्रों में यह उपाय आवश्यक नहीं है, बल्कि ऐसे स्थानों पर गहरी रंगत वाली त्वचा में विटामिन डी का निर्माण अवरुद्ध हो सकता है। इसलिय प्रारंभिक मनुष्यों के अफ्रीका से उत्तरी क्षेत्रों की और गमन के साथ ही उनके त्वचीय रंजक समाप्त होते गए एवं वे पीत वर्ण होते गए। ऊष्ण कटिबंधीय देशों में प्रकाश की अधिक्ता के बाद भी गहरी रंगत वाली त्वचा में विटामिन डी का निर्माण होता है। आज लोग जनसामान्य एक स्थान से दूसरे स्थान तक गमन करते रहते हैं एवं विभिन्न जातियों में विवाह के कारण यह विभेद अस्पष्ट होते जा रहे हैं।

शेर को मिली सजा

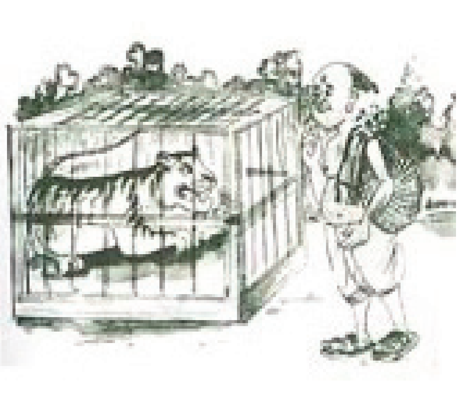

एक अय्यर ब्राह्मण घने वन से गुजर रहे थे। तभी उनकी नजर पिंजरे पर पड़ी। पिंजरे में एक शेर बंद था। शेर ने ब्राह्मण से विनती की-'आप मुझे पिंजरे से निकाल दें। भूख-प्यास से मेरी जान जा रही है। मैं कुछ खा-पीकर पुन: पिंजरे में लौट आऊँगा।' ब्राह्मण महाशय परेशान हो गए। यदि पिंजरा खोलते हैं तो शेर उन्हें खा सकता है। यदि नहीं खोलते हैं तो बेचारा पशु मारा जाएगा।

अंत में उनकी दयालुता की जीत हुई। उन्होंने पिंजरे का दरवाजा खोल दिया। शेर बाहर आते ही गरजकर बोला-'मूर्ख मनुष्य, तूने गलती की है। मैं तुझे ही खाऊँगा।' ब्राह्मण भय के कारण थर-थर काँपने लगा। परंतु मन-ही-मन वह बचने का उपाय भी सोच रहा था। जैसे ही शेर ने झपट्टा मारने की कोशिश की, ब्राह्मण ने हिम्मत बटोरकर काँपते स्वर में कहा- मुझे खाने से पहले चार लोगों से सलाह ले लो। यदि वे कहेंगे तो तुम मुझे खा लेना।

अब जंगल में चार लोग कहाँ से आते ? चार जंगली जीवों से राय लेने का निश्चय हुआ। एक बूढ़ा-सा ऊँट सामने से गुजरा तो उससे राय पूछी गई। वह मुँह बिचकाकर बोला-'अरे ये इंसान कहीं दया के योग्य होते हैं ? मेरे मालिक को ही देखो, मैं जवान था तो खूब काम करता था। अब शरीर में ताकत नहीं है तो वह मुझे डंडों से मारता है।' शेर की आँखें खुशी से चमकनें लगीं।

किंतु अभी तीन जजों की सलाह और लेनी थी। पास में ही बरगद का विशाल वृक्ष था। लंबी बाँहें फैलकर बोला-'मनुष्य बहुत लोभी होता है। सूरज की तपती धूप से मैं इसकी रक्षा करता हूँ। सारी दोपहर मेरी छाँव में बिताकर यह शाम को मेरी टहनियाँ काटकर ले जाता है। मेरी राय में तो सभी मनुष्यों को जान से मार देना चाहिए।' यह उत्तर सुनकर ब्राह्मण की आँखों के आगे अँधेरा छाने लगा। तभी ढेंचू-ढेंचू की आवाज सुनाई दी। ब्राह्मण को कुछ आशा बँधी। एक लँगड़ा गधा रेंकता हुआ उसी ओर आ रहा था। शेर ने उनसे भी प्रश्न किया। गधेराम तो पहले से ही जले-भुने बैठे थे। गुस्से से भरकर बोले-'देखो न, मैं दिन-भर मालिक का बोझा ढोता हूँ। मैं उफ तक नहीं करता। जो भी रूखा-मूखा मिल जाता है, वह खुशी से खा लेता हूँ पर आज....। कहकर वह रोने लगा।'

शेर को गधे से क्या लेना-देना था ? उसने अपना प्रश्न दुहराया, 'क्या ब्राह्मण को खा लूँ ?'

गधे ने आँसू पोंछकर कहा-'अवश्य मेरे मित्र, इसे बिलकुल मत छोड़ना। इन मनुष्यों ने हमारी नाक में दम कर रखा है।'

अब एक ही पशु की राय और लेनी थी। एक लोमड़ी वहीं खड़ी होकर सब कुछ देख रही थी। वह पास आई और बोली-'फैसला तो मैं कर दूँगी पर पहले अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जाओ। मुझे तो विश्वास ही नहीं होता कि इतना बड़ा शेर पिंजरे में कैसे समा गया ? शेर ने जोश में आकर छलाँग लगाई और पिंजरे में जा पहुँचा। लोमड़ी ने झट से दरवाजा बंद कर दिया और ब्राह्मण से बोली, 'आप अपने घर जाएँ और जंगली पशुओं से बचकर रहें। इस शेर की हरकतों से तंग आकर ही इसे बंद किया गया था। आगे से बिना सोचे कोई काम मत करना।' ऐसा कहकर लोमड़ी जंगल में लौट गई। दुष्ट शेर ने पिंजरे में ही भूख-प्यास से दम तोड़ दिया। उसे उसके किए की सजा मिल गई थी।

अब कीड़े जैसा होगा 'रोबोट' का डिजाइन

पर्यावरण से उत्पन्न चुनौतियों का सामूहिक ढंग से सामना कर रहे कीटों से प्रेरणा लेकर वैज्ञानिक कम्प्यूटर, कृत्रिम बुद्धि एवं बीमारियों के निदान एवं दवा देने के लिए छोटे से रोबोट के निर्माण पर विचार कर रहे हैं। ऐसे ही एक शोध छात्र एडी शक्लार्श और उनके निरीक्षक तेल अवीव विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एशेल बेन-जैकब ने विस्तार से बताया है कि कैसे कीड़े सूचनाएं ग्रहण कर वृद्धि का रास्ता तलाश करते हैं। शक्लार्श ने कहा कि बैक्टीरिया के अलावा भी कई जीव समूह में यात्रा करते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा जारी बयान में बताया गया कि अविकसित संवेदकों के साथ ये साधारण जीव मानव ऊत्तक जैसे जटिल वातावरण में गति करने के लिए सुसज्जित नहीं होते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि बैक्टीरिया में जीवित रहने की ज्यादा क्षमता है और वह समूह में गति करने वाले जीवों अमीबा या मछली की तुलना में ज्यादा सरलता से कठिन परिस्थितियों का सामना करते हैं। बैक्टीरिया परमाणुविक, रासायनिक एवं यांत्रिक ढंग से संचार स्थापित करते हैं और मार्ग में आने वाली कठिनाई से निपटते हैं।

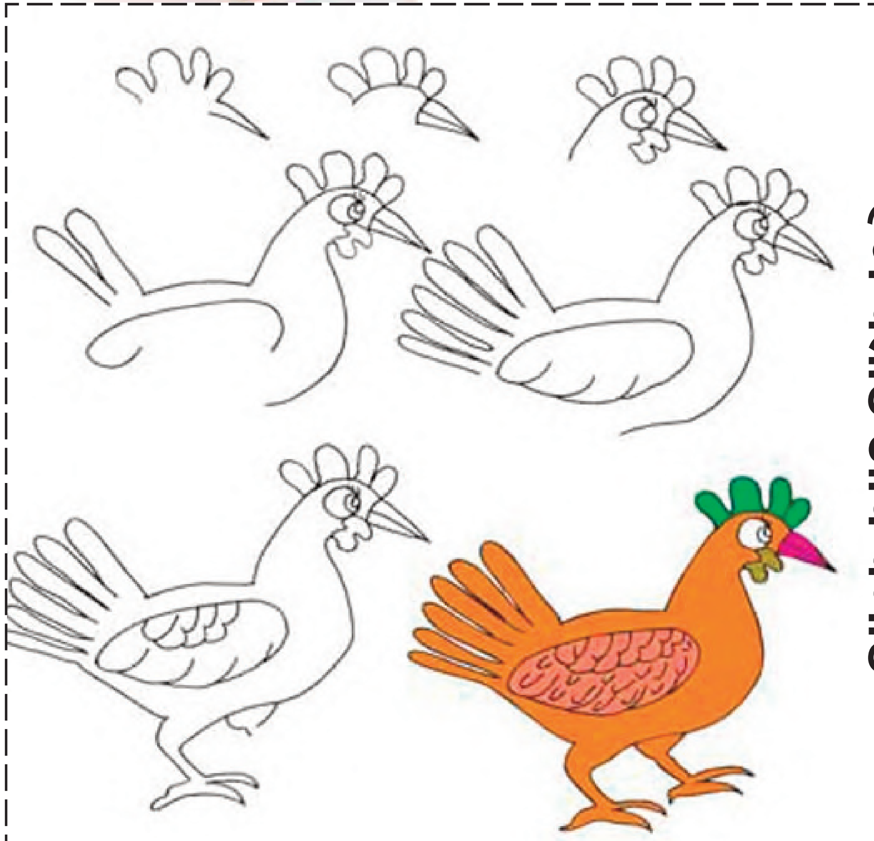

हमें बताएं आप बताएं

हंसी के हसगुल्ले

पप्पू संता से: आज क्लास में टीचर ने एक ऐसा सवाल पूछा जिसका जवाब सिर्फ मेरे पास था...

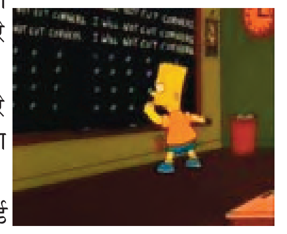

संता: शाबाश मेरे स्मार्ट पुत्तर... क्या सवाल था ?

पप्पू: ये ब्लैकबोर्ड किसने गीला किया ?

संता एक टॉकीज में जुरासिक पार्क फिल्म देख रहा था।

अचानक एक डायनासोर भागता हुआ दिखाई दिया।

संता उठा और टॉकीज के बाहर भाग आया।

बंता – क्या हुआ यार ये सिर्फ फिल्म ही तो है।

संता – यार तुझे पता है फिल्म है, मुझे पता है फिल्म है, डायनासोर को थोड़ी पता है फिल्म है।

एक पॉल्ट्री फार्म का मालिक अपनी मुर्गियों के द्वारा कम अंडे दिए जाने की वजह से परेशान था।

एक दिन उसने सभी मुर्गियों को हुक्म दिया कि वे कल से ज्यादा अंडे दें।

मालिक : अगर तुम लोगों ने कल से दो-दो अंडे नहीं दिए, तो तुम्हारा दाना-पानी बंद हो जाएगा।

मुर्गियां डर गईं। सब ने दो-दो अंडे दिए, मगर एक ने सिर्फएक अंडा ही दिया।

मालिक: तुम ने एक अंडा ही दिया है ? तुम्हें मेरा डर नहीं ?

जवाब मिला : मालिक ! ये आपके डर की वजह से दिया है। वरना मैं तो मुर्गा हूं।

कविता

छीनकर खिलौनो को

छीनकर खिलौनो को बाँट दिये गम ।
बचपन से दूर बहुत दूर हुए हम ।
अच्छी तरह से अभी पढ़ना न आया कपड़ों को अपने बदलना न आया लाद दिए बस्ते हैं भारी-भरकम बचपन से दूर बहुत दूर हुए हम । अँग्रेजी शब्दों का पढ़ना-पढ़ाना घर आके दिया हुआ काम निबटाना होमवर्क करने में निकल जाय दम बचपन से दूर बहुत दूर हुए हए । देकर के थपकी न माँ मुझे सुलाती दादी है अब नहीं कहानियाँ सुनाती बलख रही कैद बनी जीवन सरगम बचपन से दूर बहुत दूर हुए हए । इतने कठिन विषय कि छूटे पसीना रात भर किताबों को घोट-घोट पीना उस पर भी नम्बर आते हैं बहुत कम बचपन से दूर बहुत दूर हुए हए ।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
रविवार, 31 अगस्त, 2025
हैदराबाद

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप की नासमझी और बडो के प्रति गलत व्यवहार परिवारिक के माहौल को बिगाड़ सकता हैं . यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए संयमित रहने की जरुरत हैं वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है.कर्ज लेने से बचें। धार्मिक ग्रंथ का स्वाध्याय करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज काम बनता हुआ दिख रहा हैं। रुका हुआ सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा , छात्रों के लिए समय अच्छा हैं इस समय मे किया हुआ कार्य उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी , आप की जान–पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. शिवलिंग पर केशर मिश्रित दूध चढाए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप के रुके हुए काम मे परिवार का सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच–समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है.आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. दाम्पत्यजीवन सुखमय हैं स्वास्थ्य का देखभाल करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह कुछ ऐसा वाद विवाद होगा जिससे पारिवारिक सदस्यो का मन विचलित हो सकता है. आप को सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार–व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. छोटे बालक को दूध की सेवा करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप का भाग्य प्रबल हैं आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं मानसिक शांति के लिए आप को परिवार के साथ धर्म युक्त यात्रा करनी होगी ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

समय आज अनुकूल हैं आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. छात्रो का शिक्षकों के साथ करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आप–को पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शिवलिंग पर दूध चढाए एवं पंचाक्षर मंत्र का जप आप को कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरे रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन–जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं। कुछ नया और सकारात्मक काम आप को मान प्रतिष्ठा देगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज खर्च ज्यादा होगा घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा जिससे मन प्रसन्न होगा. आप–को परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है.यात्रा पर दही का प्राशन करके ही निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आय का स्त्रोत बढेगा आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. शार–रीरिक कष्ट बनेगा ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा सीनियर भी काम का अधिक प्रेशर देंगे पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच–विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी.बस हनुमानजी को सिन्दूर तेल चढाए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज समय नक्षत्र आप के लिए अनुकूल हैं बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से मुलाकात होगी कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं.भोजन पर नियंत्रण रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को परिवार के प्रति जिम्मेदारी पूर्ण रवैया अपनाना पडेगा परिवार के साथ रुखा व्यवहार करने से परेशानी मे आ सकते हैं . यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है.किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा–प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी , शिव मंत्र का जप करें ईष्ट का स्मरण करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 31 अगस्त 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद, शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 12:59 तक
नक्षत्र : अनुराधा सायं 05:28 तक
योग : वैधृति सायं 03:59 तक
करण : विष्टि प्रातः 11:56 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री राधाअष्टमी,दुर्गा अष्टमी , श्री दधिचि जयंती , श्री महा–लक्ष्मी व्रत आरंभ , गण्डमूल सायं 05:29 से, भद्रा प्रातः 11:55 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रदेश में बनाई जाएगी हरियाणा आपदा राहत बल की दो बटालियन: सैनी

चण्डीगढ़, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में हरियाणा आपदा राहत बल की दो बटालियन बनाई जाएगी, जो राज्य में किसी भी आपात स्थिति से निपटने और लोगों की सहायता के लिए काम करेगी। इसके अलावा, जिला जींद में बनने वाले फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टीटयूट का शिलान्यास जल्द किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यहां अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की रिन्यूअल के लिए एनओसी आवदेन करते ही ऑटोमैटिक मिल जाएगी। लेकिन रिन्यूअल होने के बाद विभाग के अधिकारी 15 दिन में रैन्डम चैक करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही और समय सीमा तय की जाए। साथ ही फायर एनओसी को सीएम डैशबोर्ड के साथ जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने फायर विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंडिंग एनओसी रखने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नई तकनीक से लैस 101 मीटर वाली अग्निशमन की दो गाडिया जल्द ही खरीदी जाए। साथ ही हाइड्रोलिक प्लेटफ़ॉर्म की 13 अग्निशमन वाहन, जो विभिन्न मीटर के होगें तथा 250 अग्निशमन वाहन भी खरीदे जाऐंगे, जो ब्लॉक लेवल तक होंगे। इसके अलावा, फायर गाडियों में लगे पानी के पाईप की क्षमता को एक हजार मीटर तक बढाया जाए ताकि भीड़भाड वाले क्षेत्रों में आपदा के दौरान यह काम आ सके।। नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला जींद में बनने वाले फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टिटयूट में एनडीआरएफ के मानदंडों के तहत कार्य होगे और भूकम्प, आग, बाढ़ आदि आपदा से सम्बंधित ट्रेनिंग करवाई जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रदेश में जितने भी तैराक है उनका डाटा तैयार कर एक पोर्टल बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुसार प्रदेश में फायर स्टेशन खोलने के लिए मैपिंग करवाई गई थी, जिसके तहत प्रदेश में 59 नए फायर स्टेशन खोले जाऐंगे। इसके अलावा अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि 10 आधुनिक फायर फाइट रोबोट भी जल्द खरीदे जाए। इनका पायलट के तौर उपयोग किया जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता, अग्निशमन सेवाएँ, हरियाणा के महानिदेशक श्री शेखर विद्यार्थी, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव श्री राहुल हुड्डा सहित विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र

चार दिन में 21 घंटे 8 मिनट चली कार्यवाही 120 फीसदी रही कार्य उत्पादकता

चंडीगढ़, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि मानसून सत्र हर दृष्टि से ऐतिहासिक रहा और इसने संसदीय परंपराओं को नई दिशा दी है। यह सत्र सकारात्मक माहौल में सम्पन्न हो गया। चार दिनों तक चले इस सत्र में 21 घंटे 8 मिनट की कार्यवाही हुई, जो 120.37 प्रतिशत उत्पादकता का प्रतीक रही। सत्र के दौरान कुल 7 विधेयक पारित किए गए और कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर विधायकगणों ने चर्चा में भाग लिया। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शनिवार को चंडीगढ़ के सेक्टर 3 स्थित हरियाणा निवास में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि सत्र 22 अगस्त से 27 अगस्त तक चला। पहले और दूसरे दिन 71, तीसरे दिन 72 और चौथे दिन 70 विधायक मौजूद रहे। इसमें मुख्यमंत्री, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मंत्रियों की संख्या शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुशासन और गंभीरता के साथ विधायकगणों ने बहस में हिस्सा लिया और सदन की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। सत्र के समापन पर पहली बार राज्यगीत का वादन हुआ। विस अध्यक्ष ने बताया कि शून्यकाल की कार्यवाही तीन दिन चली, जिसमें 78 सदस्यों ने हिस्सा लिया। भाजपा के 30 सदस्यों ने 99 मिनट, कांग्रेस के 34 सदस्यों ने 129 मिनट, इनेलो के 2 सदस्यों ने 7 मिनट और निर्दलीय 3 विधायकों ने 10 मिनट तक अपनी बात रखी।

प्रश्नकाल में भी विधायकों की सक्रियता देखने को मिली। इस दौरान 53 विधायकों से 307 तारांकित प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें से 194 स्वीकार किए गए और 56 प्रश्नों पर सदन में चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त 160 अतारांकित प्रश्नों में से 132 स्वीकृत किए गए।

ध्यानाकर्षण सूचनाओं के तहत कुल 40 नोटिस आए, जिनमें से 11 को स्वीकार किया गया। इनमें जलभराव, सीईटी परीक्षा की कार्यप्रणाली, धान में वायरस की समस्या, कलेक्टर रेट में वृद्धि और खिलाड़ियों की समस्याओं जैसे मुद्दे शामिल रहे। स्थगन प्रस्तावों में से एक को स्वीकार कर 26 अगस्त को तीन घंटे 35 मिनट लंबी चर्चा की गई, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी 67 मिनट तक जवाब दिया।

इस सत्र में तीन सरकारी प्रस्ताव भी पारित हुए। इनमें गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ पर प्रस्ताव, मीडिया से अपराध का महिमामंडन रोकने की अपील और एक आपराधिक विधेयक वापसी शामिल हैं। साथ ही सात महत्त्वपूर्ण विधेयक भी पारित किए गए, जिनमें सदस्य वेतन–भत्ता संशोधन, पिछड़ा वर्ग आयोग संशोधन और जीएसटी संशोधन प्रमुख रहे।सत्र के दौरान दर्शकों की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही। कुल 1585 लोग विधान सभा पहुंचे, जिनमें 842 विद्यार्थी, 281 स्पीकर गैलरी और 462 दर्शक दीर्घा से थे। सत्र में कई विशेष पहलें भी हुईं। पहली बार महामहिम राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष विधान भवन आए, जिनका भव्य स्वागत किया गया। टीवी चैनलों पर कार्यवाही का सीधा प्रसारण सुनिश्चित करने के लिए गाइडलाइन जारी की गई। वहीं 26 अगस्त को नशा मुक्ति का संदेश देने के लिए मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों की भागीदारी से साइक्लोथॉन आयोजित किया गया।

हरियाणा पुलिस ने अपनाया ड्रोन आधारित कॉन्टैक्टलेस लॉ एंड ऑर्डर मैनेजमेंट का आधुनिक मॉडल

करनाल, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के दूरदर्शी नेतृत्व में पुलिसिंग को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने के लिए एक महत्व–पूर्ण पहल की गई है। करनाल के मधुबन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में हरियाणा पुलिस ने ड्रोन–आधारित कॉन्टैक्टलेस लॉ एंड ऑर्डर मैनेजमेंट प्रणाली का डेमो दिया गया, जिसे भविष्य की पुलिसिंग की दिशा में क्रांतिकारी कदम माना जा सकता है। इस कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत एचपीए मधुबन के डायरेक्ट डॉ अर्शिंदर सिंह चावला ने किया।

पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि वर्तमान समय तकनीक का युग है, और इसके प्रयोग से कई जटिल कार्य अब सरल एवं प्रभावी तरीके से किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बड़े आंदोलनों और धरना–प्रदर्शनों से निपटने में तकनीक न केवल पुलिस की क्षमता बढ़ाती है, बल्कि कानून–व्यवस्था को बनाए रखने में भी मददगार साबित होती है।

उन्होंने पिछले वर्ष लगभग 13 महीनों तक चले किसान आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौरान पुलिस ने न्यूनतम बल प्रयोग कर कानून–व्यवस्था बनाए रखने का कार्य किया, चूंकि आंदोलन अथवा धरना देने वाले लोग भी हमारे देश के ही नागरिक हैं। अत: उन पर एक सीमा के अंदर है बल प्रयोग उचित है । ऐसे में ड्रोन तकनीक का प्रयोग विशेष रूप से सफल हो सकता है। उन्होंने बताया कि इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की गई है ताकि भविष्य में इसे व्यवस्थित ढंग से लागू किया जा सके। डीजीपी ने कहा कि आज मधुबन परेड ग्राउंड में हुआ यह डेमोंस्ट्रेशन पूरी तरह सफल रहा और इस अवसर पर उन्होंने इसमें शामिल सभी पुलिस की टीमों को अपनी शुभकामनाएँ और बधाई दी।

पुलिस आयुक्त पंचकूला शिवास कबिराज ने कहा कि आधुनिक दौर में भीड़ नियंत्रण, संवेदनशील इलाकों की निगरानी और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्मार्ट एवं कॉन्टैक्टलेस सिस्टम ही भविष्य का रास्ता है। इस प्रणाली के ज़रिये पुलिस बल को भीड़ में सीधे दखल दिए बिना कानून–व्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण की सुविधा मिलेगी।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कमांडो ट्रेनिंग सेंटर में जवानों का बढ़ाया हौसला

चंडीगढ़, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शनिवार को पंचकूला के चौंकी गांव स्थित हरियाणा पुलिस के कमांडो ट्रेनिंग सेंटर में वरिष्ठ अधिकारियों और जवानों का हौसला बढ़ाया। वे कमांडो ट्रेनिंग सेंटर द्वारा आयोजित स्वैट डिस्ट्रिक्ट कोर्स और स्वैट एचएपी कोर्स के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनको 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया था तथा यहां प्रशिक्षित जवानों ने सुरक्षा से जुड़े अनेक साहसिक प्रदर्शन किए। विस अध्यक्ष कल्याण ने एडीजीपी सौरभ सिंह और आईजी (सुरक्षा) पंकज नैन समेत अनेक वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एमपी–5 बंदूक से सटीक निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने एके–47, ग्लॉक पिस्तौल इत्यादि हथियारों पर भी हाथ आजमाया। वरिष्ठ अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि पुलिस जवानों पर राष्ट्र की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कमांडो ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण लेने वाले जवानों को वीआईपी सुरक्षा में तैनात किया जाता है। उन्हें अनेक बार आंतकवादी हमलों जैसी भारी चुनौतियों से भी निपटना होता है। वीआईपी सुरक्षा में तैनात जवानों का कर्तव्य निर्वहन चुनौतीपूर्ण होता है। एक तरफ उन्हें प्रशासनिक आदेशों का पालन करना है, वहीं इस दौरान उन्हें सामान्य लोगों की प्रतिक्रिया भी झेलनी पड़ती है। उन्हें आए दिन साहस और धैर्य की परीक्षा देनी होती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक फिल्म अपने कथानक व प्रस्तुति से दर्शकों को भावविभोर करती है, लेकिन उसके पीछे काफी लोगों की कई माह की सतत साधना होती है। कमांडों भी लंबी साधना से अपने आप को कर्तव्य निर्वहन के लिए तैयार करते हैं। आज इस कार्यक्रम में उनकी इस साधना को प्रत्यक्ष देखने का अवसर मिला है। कल्याण ने कहा कि आज यहां प्रशिक्षित जवानों के साहसिक और चुनौतीपूर्ण प्रदर्शन को देख उनके द्वारा की गई साधना की सहज झलक मिलती है। इस दृष्टि से इस कमांडो ट्रेनिंग सेंटर को तपोभूमि कहना न्यायोचित होगा। उन्होंने कहा कि अपने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

जिला कलेक्टर शीघ्र प्रस्तुत करें विद्यालय भवनों की सर्वे रिपोर्टः सचिव स्कूल शिक्षा

जयपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश के समस्त राजकीय विद्यालय भवनों के सर्वे को लेकर शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश के सभी जिलों में स्थित राजकीय विद्यालय भवनों की निरीक्षण/सर्वे रिपोर्ट के संबंध में चर्चा की गई, जो जिला कलेक्टर की ओर से तैयार की जानी हैं। शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने सभी जिला कलेक्टर्स को निरीक्षण कार्य शीघ्र पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा। गौरतलब है कि शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने राज्य सरकार के निर्देशानुसार राज्य के समस्त राजकीय विद्यालय भवनों का सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। यह रिपोर्ट 4 सितंबर को जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय में प्रस्तुत की जाएगी। बैठक में राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल, मिड डे मील आयुक्त विश्वमोहन शर्मा, निदेशक, अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बयान पर हनुमान बेनीवाल की प्रतिक्रिया

गहलोत के शासन के राजस्थान की जनता ने सबसे ज्यादा पीड़ा भुगती

जयपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। सांसद हनुमान बेनीवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा उनके खिलाफ दिए गए बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि गहलोत जी को यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि राजस्थान की जनता ने उनके शासनकाल में सबसे ज्यादा पीड़ा भुगती है। हनुमान बेनीवाल ने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद जब सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री बनने के लिए उनसे समर्थन मांगा था, तो उन्होंने बिना किसी शर्त के अपनी पार्टी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (ठडझ) के तीन विधायकों का समर्थन कांग्रेस को देने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि मानेसर प्रकरण कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई का नतीजा था, क्योंकि नेता जनता के हित भूलकर मुख्यमंत्री पद की दौड़ में लगे हुए थे।

बेनीवाल ने अशोक गहलोत के आर–ोपों का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें किसी प्रमाण की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनका रुख हमेशा जनता के सामने स्पष्ट रहा है। उन्होंने गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान के इतिहास में यह हमेशा याद रखा जाएगा कि उनके शासनकाल में लाखों मेहनतकश युवाओं के सपनों के साथ सबसे ज्यादा खिलवाड़ हुआ।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय (उचज) में बैठे अधिकारियों, गहलोत के करीबी नेताओं और उन लोगों की भूमिका पेपर लीक में थी, जिन्हें जनता आपका दलाल कहती थी। बेनीवाल ने कहा कि गहलोत ने उन लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, बल्कि अपने ही मंत्रियों और विधायकों को होटलों में नजरबंद करके रखा और होटलों से सरकार चलाई।

एक राष्ट्र एक चुनाव से देश में सामाजिक, आर्थिक और राजनीति में आएगा आमूलचूल परिवर्तनः सुनील बंसल

जयपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान के तहत राजधानी जयपुर में शनिवार को राज्य स्तरीय छात्रसंघ प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किया गया। वैशाली नगर स्थित खण्डेलवाल वैश्य गर्ल्स इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी कॉलेज में आयोजित छात्रसंघ प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं अभियान के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी सुनील बंसल ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान को जन आंदोलन बनाते हुए अधिक से अधिक संख्या में इसका समर्थन करना है और मुझे पूर्णतया विश्वास है कि देश की युवा शक्ति,छात्रशक्ति इसे प्रमुखता से करेगी। बंसल ने युवाओं से आह्वान किया कि एक चुनाव अभियान का प्रस्ताव जन जन से पास करवाना है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में सहयोग करना है।

एक राष्ट्र एक चुनाव के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी सुनील बंसल ने बताया कि एक राष्ट्र एक चुनाव से देश में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक बदलाव तो आएगा ही साथ में देश विकास की नई इबारत लिखेगा। उन्होंने बताया कि देश में 1951-52 से 1967 तक चार आम चुनाव एक साथ करवाए गए, इसके बाद राजनीतिक लाभ के लिए इंदिरा गांधी ने देश की राजनीति में अस्थिरता ला दी। 1995 से 2025 तक 30 साल में हर साल देश में कहीं ना कहीं चुनाव हो रहे है, कभी लोकसभा, तो कभी विधानसभा या फिर कभी पालिका, जिला परिषद या अन्य चुनाव हो रहे है। देश के प्रत्येक राज्य में हर साल करीबन 150 से 200 दिन आचार संहिता लगी होने के कारण जनता के विकास कार्य नहीं हो पाते, इतना ही नहीं, देश में कार्य दिवस भी कम हो जाते है। उन्होंने बताया कि देश में 5 सालों में लगभग 5 से 7 लाख करोड़ रुपए चुनाव करवाने में खर्च किए जा रहे है। ऐसे में अगर एक चुनाव से इसका आधा भी खर्च बचाया जाता है तो देश में विकास को गति मिलेगीं। उन्होंने बताया कि अकेले 2024 के आम चुनाव में लगभग 1 लाख 35 हजार करोड़ से अधिक का खर्चा आया और लगभग 10 लाख से अधिक बूथों पर चुनाव प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए 1 करोड़ से अधिक लोगों को चुनाव ड्यूटी में लगाया गया।

विधि और न्याय मंत्री का बड़ा बयान

एसआई भर्ती रद्द नहीं, जांच के आदेश दिए

जोधपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के विधि और न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को जोधपुर दौरे के दौरान बहुचर्चित एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। सर्किट हाउस में जनसुनवाई के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायालय ने एसआई भर्ती को रद्द नहीं किया है, बल्कि अपनी विशेष टिप्पणियों के साथ इसकी जांच के आदेश दिए हैं।

मंत्री पटेल ने बताया कि कोर्ट ने राज्य सरकार को इस मामले की जांच करने और उसकी रिपोर्ट आरपीएससी (राजस्थान लोक सेवा आयोग) को भेजने का निर्देश दिया है, ताकि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय ने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नियुक्त किए गए आरपीएससी के अध्यक्षों और सदस्यों पर भी सवाल उठाए हैं और इस संबंध में भी जांच के निर्देश दिए हैं। एसआई भर्ती मामले पर खुलकर बात करते हुए पटेल ने कहा, इस प्रकरण में मुख्यमंत्री के ओएसडी से लेकर सुरक्षाकर्मियों तक के नाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने यह आशंका भी जताई कि इस मामले में कई बड़ी मछलियां शामिल हो सकती हैं और सभी के खिलाफ नियमों के अनुसार जांच और कार्रवाई की जाएगी।

उनके इस बयान से यह साफ हो गया है कि सरकार इस भर्ती प्रक्रिया में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए गंभीर है।

उत्तर प्रदेश में खाद संकट : अब यूरिया की हर बोरी पर लगेगी गोदाम की मुहर

तस्करी रोकने के लिए बनाई गई ये विशेष रणनीति

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

यूपी में खाद संकट के बीच सरकार ने फैसला लिया है कि अब खाद की हर बोरी पर संबंधित गोदाम और समिति की मुहर लगाई जाएगी। इससे पता चल सकेगा कि संबंधित खाद किस समिति से उठाई गई है। प्रदेश में खाद की कालाबाजारी और तस्करी रोकने के लिए यह रणनीति अपनाई गई है।

प्रदेश में खरीफ सीजन में बॉर्डर के जिलों से खाद की तस्करी होने की शिकायत मिली। तमाम चौकसी के बाद भी यूरिया एवं अन्य खाद नेपाल पहुंच गई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के निरीक्षण में भी यह बात सामने आई। जिन किसानों के पास एक बिस्वा भी खेत नहीं है, उनके नाम पर 40 से 50 बोरी खाद की खरीद फरोख्त हुई। सिद्धार्थनगर और महराजगंज जिले में ऐसे मामलों में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है। सीमावर्ती अन्य जिलों में भी इस तरह के मामले सामने आए हैं। कई स्थानों पर पकड़ी गई खाद सहकारी गोदाम की है अथवा निजी दुकान की, इसे लेकर भी विवाद की नौबत आई। ऐसे में सहकारिता विभाग ने नई रणनीति तैयार की है। अब रबी सीजन शुरू होने से पहले ही सहकारिता विभाग ने अपनी समितियों की खाद को मुहरबंद करने का फैसला लिया है। इसके तहत यूपी कोआपरेटिव फेडरेशन की गोदाम में खाद के पहुंचते ही बोरियों पर संबंधित फेडरेशन की मुहर लगाई जाएगी। यहां से खाद की बोरियां जिस सहकारी समिति में भेजी जाएंगी। उस समिति की भी मुहर लगेगी। ऐसे में कोई भी किसान खाद की बोरी लेकर निकलेगा तो आसानी से पता चल सकेगा कि वह किस समिति से खाद लेकर जा रहा है। साथ ही संबंधित समिति को किस गोदाम से खाद उपलब्ध कराई गई है, इसके भी स्पष्ट प्रमाण रहेंगे। इससे खाद की कालाबाजारी होने, तस्करी होने अथवा खाद की गुणवत्ता प्रभावित होने की दशा में संबंधित गोदाम के प्रभारी और समिति के सचिव के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी। सहकारिता विभाग के आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार ने इस संबंध में पीसीएफ निदेशक और सभी जिलों के सहायक निबंधकों को निर्देश जारी किया है।

प्रदेश की 6861 सहकारी समितियों पर खाद का वितरण किया जा रहा है। प्रदेश में 28 अगस्त को समितियों पर 13942 मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किया गया है। 29 अगस्त को 2.67 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 3.16 लाख मीट्रिक टन फास्फेट मौजूद रही। कई रैक रास्ते में हैं, जो 31 को विभिन्न जिलों में पहुंच जाएंगी। ऐसे में 31 अगस्त को समितियों के पास 4.61 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 3.25 लाख मीट्रिक टन फास्फेट पहुंच जाएगी।

सहकारिता आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार ने कहा, खाद को लेकर हर स्तर पर निगरानी की जा रही है। सचिवों की जिम्मेदारी भी तय की गई है। समितियों के सदस्य किसानों को वरीयता के आधार पर खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। कई बार कालाबाजारी और तस्करी की स्थिति में समितियों पर भी आरोप लगता है। इन आरोपों को देखते हुए नई व्यवस्था अपनाई जा रही है ताकि हकीकत सामने आ सके। नई व्यवस्था से पारदर्शिता बढ़ेगी और जिम्मेदारी तय होगी।

निजी क्षेत्र के फुटकर दुकानदार खाद में हेराफेरी न करने पाए, इसके लिए भी तत्परता बरती जा रही है। कृषि विभाग की ओर से औचक निरीक्षण की प्रक्रिया निरंतर जारी रखी गई है। जिलों में खाद की कालाबाजारी की निगरानी में लगी टीम अब नए सिरे से जांच करेगी। इसके तहत तिथिवार थोक और फुटकर विक्रेताओं के रजिस्टर का मिलान किया जाएगा। मिलान के दौरान देखा जाएगा कि जिले के थोक विक्रेता के गोदाम से कितनी खाद निकली और फुटकर विक्रेता के गोदाम में संबंधित तिथि में कितनी खाद पहुंची। पिछले दिनों निदेशालय से जिलों में भेजी गई टीमों को यह इनपुट मिला कि थोक विक्रेता के यहां से चली खाद रास्ते में दूसरे स्थान पर चली जाती है। फुटकर विक्रेता एक से दो दिन में संबंधित खाद बिक्री की सूची तैयारी कर लेते हैं।

यूपी विधि विज्ञान प्रयोगशाला और ओड़ीशा के सेंचुरियन विवि में करार

फॉरेंसिक शोध और जांच को मिलेगी नई वैज्ञानिक शक्ति

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को आधुनिक तकनीक से युक्त प्रदेश के तौर पर रूपांतरित कर रहे सीएम योगी का विजन धरातल पर उतरने लगा है। इसी कड़ी में, प्रदेश में फॉरेंसिक संरचना को भी नई वैज्ञानिक शक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से एक बड़ी पहल हुई। पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में यूपी के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश विधि विज्ञान प्रयोगशाला एवं ओड़ीशा के सेंचुरियन विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। यह एमओयू कई मायनों में विशिष्ट होगा। यह सहयोग हाल ही में प्रदेश में शुरू की गई कई फॉरेंसिक पहलों को और गति देगा। उल्लेखनीय है कि नए आपराधिक कानूनों के अंतर्गत अब गंभीर अपराधों में फॉरेंसिक विशेषज्ञ का घटनास्थल पर पहुंचना अनिवार्य कर दिया गया है, जिससे सबूतों का वैज्ञानिक और सटीक संकलन सुनिश्चित हो रहा है। यूपी के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्णा ने इस एमओयू की सराहना करते हुए कहा कि यह ज्ञान–विनिमय, नवाचार और फॉरेंसिक क्षमता–वृद्धि की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह न केवल

शैक्षणिक शोध को मजबूत करेगा बल्कि प्रदेश की फॉरेंसिक संरचना को भी नई वैज्ञानिक शक्ति प्रदान करेगा। उनके अनुसार, यह पहल उत्तर प्रदेश को वैज्ञानिक अन्वेषण और फॉरेंसिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अपर पुलिस महानिदेशक नवीन अरोड़ा (तकनीकी सेवाएं) ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के कई लाभ हैं। यह संयुक्त शिक्षण/प्रशिक्षण और अनुसंधान पहल, शोध सामग्री प्रकाशनों और पुस्तकालय संसाधनों का आदान–प्रदान, वैज्ञानिक उपकरणों/सॉफ्टवेयर और प्रयोगशाला सुविधाओं का सदुपयोग, वैज्ञानिकों/शोधार्थियों के लिए सह–मार्गदर्शन के अवसर प्रदान करेगा। यह एमओयू छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे फॉरेंसिक विज्ञान क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करेगा, उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाएगा तथा अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देगा, जो देश भर में कानून प्रवर्तन और न्यायिक प्रणालियों का समर्थन करेगा। उल्लेखनीय है कि इसी महीने 75 अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेन्सिक वैन का शुभारम्भ सीएम योगी द्वारा किया गया है। ये वैन डीएनए सैंपलिंग, फिंगरप्रिंट विश्लेषण, टॉक्सिकोलॉजी परीक्षण और अन्य आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं। इससे प्रदेश में फॉरेंसिक–आधारित पुलिसिंग को नया आयाम मिला है। सेंचुरियन विश्वविद्यालय, व्यावसायिक शिक्षा व प्रशिक्षण स्कूल को हाल ही में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर फॉर एक्सिलेंस) के रूप में अधिसूचित किया गया है, जो अब तक यह मान्यता प्राप्त करने वाला भारत का एकमात्र विश्वविद्यालय है। सेंचुरियन विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट, प्रोफेसर मुक्तिकांत मिश्र ने कहा कि विधि विज्ञान प्रयोगशाला की फॉरेंसिक विशेषज्ञता के साथ हमारे शैक्षिक संसाधनों को संयोजित करके, हम छात्रों और शोधकर्ताओं को फॉरेंसिक विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में प्रगति में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाएंगे।

दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण में सहयोग करेगी यूपी सरकार : योगी

संपूर्णानंद संस्कृत विवि में राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन का हुआ निरीक्षण

पांडुलिपियों के संरक्षण को और तीव्रता से आगे बढ़ाने का निर्देश

वाराणसी, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में स्थित राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के अंतर्गत चल रहे संरक्षण कार्यों के निरीक्षण के लिए पहुंचे। यह उनका विश्वविद्यालय परिसर में तीसरा आगमन था। विश्वविद्यालय परिवार ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक स्वागत विद्यार्थियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और स्वस्तिवाचन के बीच किया। कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा, कुलसचिव राकेश कुमार और वित्त अधिकारी सहित आचार्यों ने उनका अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री योगी ने दुर्लभ पांडुलिपियों एवं उनके संरक्षण कार्यों की प्रगति का सूक्ष्मता से अवलोकन किया और कार्यों की गति और तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की धरोहर इन पांडुलिपियों का संरक्षण एक सराहनीय कार्य है और इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को संरक्षित करना आने वाली पीढ़ियों के लिए महत्वपूर्ण दायित्व है।

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के विस्तार भवन में भारत सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन द्वारा चल रहे संरक्षण कार्यों की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने ऐतिहासिक सरस्वती भवन पुस्तकालय और अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री का तीसरी बार विश्वविद्यालय आगमन होना संस्कृत भाषा, विश्वविद्यालय और देववाणी के लिए गौरव और हर्ष की बात है।

सीएम योगी ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को किया नमन

हर खिलाड़ी समाज का हीरो, राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी को नमन करते हुए कहा कि हर खिलाड़ी अपने आप में समाज के लिए एक हीरो होता है। हर नागरिक को एक खिलाड़ी की तरह अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से आगे बढ़ने, खेल जीवन के अनुशासन को बनाए रखने, समन्वय स्थापित करने और जीवन में उत्कृष्टता के लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयासों का हिस्सा होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता उत्तर प्रदेश के 88 खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि प्रदान की और सहायक खेल प्रशिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। समारोह में खेल मंत्री ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र पहनाकर और मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों सहित नेशनल गेम्स में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों का सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जनपदों में खेल अवस्थापना सुविधाओं के निर्माण का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मेजर ध्यानचंद जी की बात आती है तो हर भारतीय के मन में हॉकी की स्टिक नजर आने लगती है।

1928, 1932 और 1936 तीन ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिलाकर उन्होंने भारत की हॉकी को वैश्विक पहचान दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का सबसे प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार किसी नेता नहीं, बल्कि मेजर ध्यानचंद के नाम पर समर्पित किया गया।

उत्तर प्रदेश के लिए यह इसलिए भी गौरव की बात है क्योंकि यह उनकी जन्मभूमि है। उनकी स्मृति में मेरठ में प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का नामकरण मेजर ध्यानचंद जी के नाम पर किया गया है और इस सत्र से वहां पाठ्यक्रम प्रारंभ हो गया है।

मुख्यमंत्री ने विजयंत खंड स्थित मोहम्मद शाहिद हॉकी स्टेडियम में स्पोर्ट्स हॉस्टल बनाम स्पोर्ट्स कॉलेज का रोमांचक हॉकी मैच भी देखा। उन्होंने कहा कि यह खेल कितना फास्ट है, कितनी ऊर्जा और टीमवर्क मांगता है। यह मैच इसका जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में खेलो इंडिया से फिट इंडिया मूवमेंट तक, सांसद एवं विधायक स्तर की प्रतियोगिताओं तक, देश में खेलों की एक नई क्रांति आई है। प्रदेश सरकार ने नई खेल नीति लागू की है, जिससे खिलाड़ियों को मंच, कोच और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कमिश्नरी में एक स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना की जा रही है। विभिन्न खेलों के लिए इन कॉलेजों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जाएंगे। पूर्व ओलंपियन/कॉमनवेल्थ/एशियाड/नेशनल गेम्स मेडलिस्टों को कोच बनाकर नई प्रतिभाओं को तराशा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर ग्राम पंचायत में खेल का मैदान, हर विकासखंड पर मिनी स्टेडियम और हर जनपद में एक स्टेडियम निर्माण की कार्यवाही युद्धस्तर पर जारी है। ओपन जिम के निर्माण व युवा कल्याण विभाग के माध्यम से युवक मंगल दल और महिला मंगल दल को स्पोर्ट्स किट उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने हॉकी में अनेक दिग्गज दिए हैं। मेजर ध्यानचंद, के. डी. सिंह 'बाबू', मोहम्मद शाहिद, रवींद्र पाल, सैयद अली, डॉ. आर. पी. सिंह, सुजीत कुमार, रजनीश मिश्रा, मोहम्मद शकील, देवेश चौहान, एम. पी. सिंह, जगवीर सिंह, विवेक सिंह, राहुल सिंह, तुषार खांडेकर, दानिश मुर्तजा, ललित उपाध्याय, राजकुमार पाल, रंजना श्रीवास्तव, मंजू बिष्ट, पुष्पा श्रीवास्तव, रजनी जोशी, वंदना कटारिया, रितुषा कुमारी आर्या जैसे हॉकी खिलाड़ियों प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम को मेडल दिलाने वाले ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल उत्तर प्रदेश की ही देन हैं।

सीएम ने कहा कि खाली दिमाग शैतान का घर होता है। व्यक्ति यदि खेलकूद से जुड़ेगा तो राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव विकसित होगा।

शरीर के साथ मन भी तंदुरुस्त रहेगा और वह स्वस्थ शरीर–स्वस्थ मस्तिष्क के साथ सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस के उपरांत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच देशभर में सांसद खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इससे पूर्व विधायक खेलकूद प्रतियोगिताएं खेल एवं युवा कल्याण विभाग आयोजित कराएगा।

प्रतापगढ़ की जनसभा में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

डेमोग्राफी बदलने के लिए सपा-कांग्रेस ने रची साजिश

570 करोड़ की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास

प्रतापगढ़, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतापगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने संभल में 2024 की हिंसा पर आई न्यायिक आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के शासनकाल में चुन–चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया गया। उस वक्त हिन्दुओं की जनसांख्यिकी को कम करके डेमोग्राफी बदलने की साजिशें रची गईं। आज डबल इंजन की सरकार किसी भी कीमत पर ऐसी विभाजनकारी राजनीति नहीं होने देगी। जो भी प्रदेश की डेमोग्राफी बदलने का प्रयास करेगा, उसे स्वयं पलायन करना होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रतापगढ़ में 570 करोड़ रुपए की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास के अवसर पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को देखकर विपक्ष बौखला गया है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का इंडी गठबंधन वास्तव में एंटी इंडिया गठबंधन है। यह गठबंधन भारत की आन–बान–शान से खिलवाड़ करता है और देश को जाति–धर्म के आधार पर बांटने का काम करता है। सीएम योगी ने कहा कि जब–जब इन्हें सत्ता मिली, तब–तब इन्होंने माफिया को बढ़ावा दिया, गुंडागर्दी करवाई और गरीबों का हक छीना। अब जब जनता ने इन्हें नकार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और प्रदेश में विकास कार्यों को देखकर विपक्ष बौखला गया है। सीएम योगी ने हाल ही में बिहार में इंडी गठबंधन की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां पर की गई अभद्र टिप्पणियों को विपक्ष की हताशा का नतीजा बताते हुए कहा कि ऐसे लोग राजनीति में जगह के लायक नहीं हैं। इन लोगों को समझना चाहिए भारत के प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं और उनके प्रति अपशब्दों का प्रयोग करने का मतलब सूरज पर थूकने जैसा है। यह थूक इनके ऊपर आ रहा है। इन लोगों की भाषा से आज 140 करोड़ भारतवासी अपने आपको अपमानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तुष्टिकरण नहीं संतुष्टिकरण के माध्यम से सशक्तिकरण की तरफ हम लोग आगे बढ़ रहे हैं, इसलिए 8 वर्ष में 6 करोड लोगों को गरीबी रेखा से उभारने में मदद मिली।

सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने आज माफिया संस्कृति को खत्म कर प्रदेश को विकास की राह पर ला दिया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने हर जिले को एक माफिया दिया था, जो लूट–खसोट करता था, विकास योजनाओं में डकैती डालता था और गरीबों के हक छीनता था। लेकिन डबल इंजन की सरकार ने माफिया को खत्म कर वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज दिया है।

सीएम योगी ने कहा कि आज प्रतापगढ़ का आवला का उत्पादन अब दुनिया भर में पहुंच रहा है, सोनेलाल पटेल मेडिकल कॉलेज बन चुका है और गंगा एक्सप्रेसवे जैसी कनेक्टिविटी परियोजनाएं विकास को गति दे रही हैं। प्रतापगढ़ आज विकास के नए प्रतिमान गढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के किसानों ने आवला की खेती से प्रदेश को नई पहचान दी है, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश की आजादी में योगदान दिया और स्थानीय उत्पाद जैसे रसमलाई की मिठास घर–घर पहुंच रही है। मां बेल्हा देवी की कृपा से प्रतापगढ़ विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। सीएम योगी ने कहा कि 263 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और 306 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। उन्होंने कहा कि यह विकास का मूर्त रूप है, जो स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और उद्यमिता को मजबूत कर रहा है।

बेंगलुरु पहुंचे शुभमन गिल, एशिया कप 2025 से पहले होगा फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान और टी-20 उपकप्तान शुभमन गिल आगामी एशिया कप के लिए दुबई जाने से पहले फिटनेस आकलन और तैयारियों के लिए बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे। भारतीय टीम के सदस्य 9 सितंबर को मेज़बान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ टूर्नामेंट के अपने पहले मैच से पहले 4 सितंबर को दुबई में एकत्रित होंगे। फ्लू के कारण गिल को पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ चल रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में नहीं खेले थे, जहां उन्हें उत्तरी क्षेत्र का कप्तान बनाया गया था। बेंगलुरु रवाना होने से पहले गिल चंडीगढ़ स्थित अपने घर पर बीमारी से उबर रहे थे। यह संभव है कि गिल बेंगलुरु से दुबई के लिए उड़ान भरें क्योंकि इस बार खिलाड़ी अपने-अपने स्थानों से दुबई अलग-अलग चरणों में पहुंचेंगे, जबकि पहले टीमें मुंबई में इकट्ठा होकर एक साथ यात्रा करती थीं। गिल के अलावा, विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा भी टूर्नामेंट से पहले की तैयारियों के लिए बेंगलुरु पहुंच चुके हैं। शार्दुल ठाकुर दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में वेस्ट जोन की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं, जबकि जायसवाल और वाशिंगटन, जो एशिया कप के लिए स्टैंडबाय सूची में हैं, घरेलू सीज़न के पहले मैच के आखिरी चार मैचों में भी खेलेंगे।

एशिया कप जाने वाले कुछ अन्य खिलाड़ी जैसे अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा (नॉर्थ जोन) और कुलदीप यादव (सेंटर जोन) पहले ही दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल खेल रहे हैं।

इस बीच, साउथ जोन को दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल (4-7 सितंबर) के लिए नए कप्तान की घोषणा करनी होगी क्योंकि तिलक वर्मा को एशिया कप टीम में शामिल किया गया है।

केरल के मोहम्मद अजहरुद्दीन उप-कप्तान हैं और उन्हें नेतृत्व की भूमिका में पदोन्नत किया जा सकता है, या टीम आर. साई किशोर, देवदत्त पडिक्कल या एन. जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को चुन सकती है।

मुकेश की चोट का खतरा

ईस्ट जोन को झटका लगा है क्योंकि तेज गेंदबाज मुकेश कुमार दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए। बंगाल के इस तेज गेंदबाज ने पहली पारी में अपनी जांघ/कमर की चोट के कारण नौ ओवर बाहर बैठकर गेंदबाजी शुरू की। मुकेश पूर्वी क्षेत्र की पहली पारी में भी बल्लेबाजी करने आए थे। हालांकि, वह दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध नहीं थे।

न्यूज़ ब्रीफ

जाओ फेलिक्स ने किया शानदार डेब्यू हैट्रिक के साथ अल नास्र को दिलाई धमाकेदार जीत

नई दिल्ली। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नास्र ने सऊदी प्रो लीग के नए सीज़न की शुरुआत धमाकेदार अंदाज़ में की। शुक्रवार को बुरैदा के किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अल नास्र ने अल तावोन को 5-0 से मात दी। इस मैच में टीम के नए सितारे जाओ फेलिक्स छा गए और अपने लीग डेब्यू पर शानदार हैट्रिक दाग दी। अल नास्र ने नए मैनेजर जॉर्ज जीसस की देखरेख में बदली हुई आक्रमण पंक्ति के साथ मैदान संभाला। रोनाल्डो और सादियो माने के साथ नए साइन किए गए खिलाड़ी जाओ फेलिक्स और किंग्सले कोमन भी मैदान पर उतरे। शुरुआत से ही डेब्यू खिलाड़ियों ने खेल पर अपना रंग जमाया। मैच का पहला गोल सातवें मिनट में फेलिक्स ने अपने बाएँ पैर से खूबसूरत शॉट के जरिए किया। इसके बाद अल नास्र की बढ़त दोगुनी हो गई जब रोनाल्डो ने पेनल्टी स्पॉट से गोल दागा। यह पेनल्टी वलीद अल-अहमद के हैंडबॉल के चलते मिली थी। ठीक एक मिनट बाद कोमन ने शानदार हेडर से तीसरा गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया।फेलिक्स ने इसके बाद लंबी दूरी से शानदार शॉट मारकर अपना दूसरा गोल किया और अंत में किस्मत के सहारे तीसरा गोल भी उनके नाम हो गया। एक डिफेंडर को चकमा देते समय उनका शॉट कमजोर लगा, लेकिन गेंद गोल लाइन पार कर गई और रेफरी ने गोल दे दिया। इस बड़ी जीत के साथ अल नास्र अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गया और टीम ने यह संदेश दे दिया कि वह इस सीज़न की खिताबी दौड़ में बड़ा दावेदार होगी।

खालिद जमील के कोचिंग में भारत की विजयी शुरुआत, ताजिकिस्तान को 2-1 से हराया

हिसोर (ताजिकिस्तान)। भारत की पुरुष फुटबॉल टीम ने अपने नए मुख्य कोच खालिद जमील के कार्यकाल की शानदार शुरुआत करते हुए 2025 सीएएफए नेशंस कप में मेज़बान ताजिकिस्तान को 2-1 से हराया। भारत की ओर से अनवर अली और संदेश झिंगन ने गोल दागे, जबकि ताजिकिस्तान के लिए शाहरोम सामीव ने एकमात्र गोल किया। यह भारत की विदेशी ज़मीन पर लगभग दो साल बाद पहली जीत है। पिछली बार भारत ने नवंबर 2023 में विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत को हराया था। मैच की शुरुआत में ही भारत को बढ़त मिली। पाँचवें मिनट में अनवर अली का हेडर गोललाइन पार कर गया। हालांकि मेज़बान खिलाड़ियों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद पूरी तरह से रेखा पार कर चुकी थी। अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री को टीम से बाहर रखने और मोहन बागान सुपर जाइंट के खिलाड़ियों के उपलब्ध न होने के बावजूद, जमील की रणनीति कारगर साबित हुई। भारत के डिफेंडरों की आक्रामक भागीदारी ने दूसरा गोल दिलाया। अनवर के क्रॉस पर राहुल बेके का हेडर गोलकीपर ने रोका, लेकिन झिंगन ने रीबाउंड पर गेंद को जाल में डाल दिया। दस मिनट बाद सामीव ने गोल कर मेज़बान की उम्मीदें जगाईं। दूसरे हाफ में ताजिकिस्तान को बराबरी का मौका मिला, जब रुसतम सोइरोव को बॉक्स में गिरा दिया गया। हालांकि भारत के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू, जो नवंबर के बाद पहली बार शुरुआती एकादश में लौटे थे, ने शानदार बचाव करते हुए पेनल्टी को विफल किया। भारत अब 1 सितंबर को अपने दूसरे मुकाबले में एशियाई दिग्गज ईरान से भिड़ेगा। इसके बाद तीन सितंबर को टीम का सामना अफगानिस्तान से होगा।

औकिब ने दलीप ट्रॉफी में डबल हैट्रिक लगाकर बनाया रिकार्ड

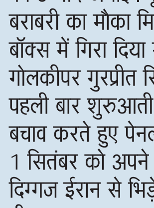

बेंगलुरु। यहां खेली जा रही दलीप ट्रॉफी में औकिब नबी ने नॉर्थ जोन की ओर से खेलते हुए सेंट्रल जोन के खिलाफ 4 गेंदों पर चार विकेट लेकर डबल हैट्रिक लगायी है। डबल हैट्रिक तब होती है जब कोई गेंदबाज लगातार चार गेंदों पर चार विकेट गिरा दे। औकिब नबी ने 53वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर लगातार तीन विकेट लेकर हैट्रिक लगायी। इसी के साथ औकिब नबी दलीप ट्रॉफी में हैट्रिक लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने है। उनसे पहले साल 1978-79 में कपिल देव ने और 2001 में साईराज बहुतुले ने भी हैट्रिक ली थी। वहीं डबल हैट्रिक लेने वाले वह पहले गेंदबाज बने हैं। इस गेंदबाज ने 10.1 ओवर में कुल 28 रन देकर 5 विकेट लिए। औकिब ने 2019-20 में अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। झारखंड के खिलाफ वह अपने डेब्यू मैच में पांच विकेट लेने में सफल रहे थे। इसके बाद से ही वह आगे बढ़ते रहे हैं। अपने डेब्यू सीजन में इस गेंदबाज ने 7 मैचों में 18.50 की शानदार औसत से 24 विकेट लिए।

श्रीसंत की पत्नी ने थप्पड़ कांड का वीडियो जारी करने के लिए ललित मोदी और क्लार्क को जमकर फटकारा

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां) ।

पूर्व क्रिकेट एस श्रीसंत की पत्नी भुनेश्वरी ने थप्पड़ कांड का वीडियो सोशल मीडिया पर रिलीज करने के लिए पूर्व आईपीएल अध्यक्ष ललित मोदी और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क की कड़ी आलोचना की है। हरभजन सिंह के एक मैच में श्रीसंत को थप्पड़ मारने का ये वीडियों आईपीएल में थप्पड़ कांड के कारण काफी विवादों में रहे। इसी कारण हरभजन को उस सत्र से भी बाहर कर दिया गया था। ये वीडियो 17 साल बाद जारी किये जाने को लेकर भुनेश्वरी भड़की हुई हैं। उनका कहना है कि अब इस वीडियो को जारी करना सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के सिवा कुछ भी नहीं है और इसके लिए ललित मोदी और क्लार्क को शर्म आनी चाहिये। श्रीसंत की पत्नी भुनेश्वरी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ललित मोदी और माइकल क्लार्क शर्म करो। आप लोग इंसान भी नहीं हैं कि केवल अपनी सस्ती लोकप्रियता और विचारों के लिए साल 2008 की किसी घटना को घसीट रहे हैं। श्रीसंत और हरभजन दोनों इससे बहुत पहले ही आगे बढ़ चुके हैं। वे अब स्कूल जाने वाले बच्चों के पिता हैं, फिर भी आप उन्हें पुराने मामले याद दिला कर परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं। ये बेहद घिनौना, निर्दयी और अमानवीय काम है। ये विवाद तब फिर से शुरू हुआ जब ललित मोदी ने एक कार्यक्रम में क्लार्क के साथा खुलासा किया कि उन्होंने 2008 के विवाद का एक अनदेखा फुटेज अपने पास रखा है। कथित तौर पर स्टेडियम के सुरक्षा कैमरों से ली गई यह क्लिप शो के दौरान चलाई गई थी और कुछ ही देर में इस वीडियो ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। वीडियो में देखने को मिल रहा है जब मैच खत्म होने के बाद मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ी एक दूसरे से हाथ मिला रहे हैं तभी हरभजन सिंह श्रीसंत को उल्टे हाथ से थप्पण मारते हैं। घटना के तुरंत बाद, श्रीसंत मैदान पर फूट-फूट कर रोने लगे, यह दृश्य प्रसारण कैमरों में कैद हो गया। श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान सहित टीम के साथी और विपक्षी खिलाड़ी उन्हें शांत करने दौड़े। इस मामले में हालांकि हरभजन को भी पछताव हुआ और उन्होंने कई बार अपनी गलती के लिए श्रीसंत से माफी मांगी और कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह जीवन की इस घटना को बदलना चाहते।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिपः सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में, पदक पक्का

नई दिल्ली। पेरिस में चल रही बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत की पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने शुक्रवार रात क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की जोड़ी आरोन चिया और वूई यिक सोह को 21-12, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है। यह सात्विक-चिराग का विश्व चैंपियनशिप में दूसरा पदक होगा। उन्होंने 2022 में टोक्यो में कांस्य पदक जीता था, जहां सेमीफाइनल में इन्हें इसी मलेशियाई जोड़ी ने हराया था। इस बार उन्होंने उसी हार का बदला चुकता कर दिया। इस जीत के साथ भारत की 2011 से हर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने की परंपरा भी बरकरार रही।मैच में भारतीय जोड़ी ने शानदार शुरुआत की और पहले गेम में लंबे रैलियों का फायदा उठाते हुए 11-6 की बढ़त बनाई। इसके बाद उन्होंने पहला गेम 21-12 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया। हालांकि मध्यांतर के बाद मलेशियाई जोड़ी ने वापसी की और स्कोर 19-19 पर बराबर कर दिया। लेकिन सात्विक और चिराग ने धैर्य रखते हुए अंतिम दो अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। यह भारतीय जोड़ी की चिया-सोह पर 15 मुकाबलों में चौथी जीत है। अब सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग का सामना चीन की जोड़ी ली यू और बो यांग चेन से शनिवार को होगा।

डीपीएल : आचार संहिता के उल्लंघन के लिए 5 क्रिकेटरों पर लगाया भारी जुर्माना

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय खिलाड़ी नितीश राणा सहित पांच क्रिकेटरों पर शनिवार को साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स और वेस्ट दिल्ली लायंस के बीच दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) मैच में आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 30 से 100 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया गया है।

शुक्रवार को वेस्ट दिल्ली लायंस के कप्तान नितीश राणा के धमाकेदार शतक की बदौलत टीम ने डीपीएल के दूसरे क्वालीफायर में जगह बना ली। उन्होंने अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए एलिमिनेटर में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को सात विकेट से हरा दिया। मैच के दौरान ही नितीश राणा और दिग्वेश राठी के बीच विवाद हुआ, जिसमें कई और खिलाड़ियों ने हस्तक्षेप किया। वेस्ट दिल्ली लायंस के कृष यादव को सबसे ज़्यादा सजा मिली है। उन पर मैच के दौरान अश्लील भाषा का प्रयोग करने और आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 100 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। डीपीएल के एक बयान में कहा गया है, कृष यादव पर मैच के दौरान विरोधी टीम के खिलाड़ी द्वारा अपशब्दों और खिलाड़ी की ओर बल्ला तानने के बाद अश्लील भाषा का प्रयोग करने के लिए आचार संहिता की धारा 2.3 (स्तर 2) के तहत मैच फीस का 100 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। वहीं, नितीश राणा को धारा 2.6 (लेवल-1) के तहत मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने मैच के दौरान अशोभनीय इशारा किया था। इसके अलावा अमन भारती को धारा 2.3 (लेवल-1) का दोषी पाया गया और उन पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन पर मैच के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप है। सुमित माथुर पर धारा 2.5 (लेवल-1) के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ और उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने ऐसे शब्दों और इशारों का प्रयोग किया जो भड़काऊ माने गए। इन चारों के अलावा दिग्वेश राठी (साउथ दिल्ली सुपरस्टार) पर खेल की भावना के विपरीत आचरण के लिए अनुच्छेद 2.2 (स्तर 2) के तहत आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 80 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

सीएएफए नेशंस कप में भारत ने ताजिकिस्तान को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम ने सीएएफए नेशंस कप 2025 फुटबॉल में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत से शुरुआत की है। नये कोच खालिद जमील के मार्गदर्शन में उतरी भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में ताजिकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। भारत की ओर से अनवर अली और संदेश झिंगन ने दूसरा और विजयी गोल किया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने अपनी घरेलू धरती पर दो साल में पहली जीत हासिल की है। भारतीय टीम ने इससे पहले नवंबर 2023 में विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत को हराया था। वहीं ताजिकिस्तान की ओर से शाहरोम सामीव ने एकमात्र गोल किया। ताजिकिस्तान फीफा रैंकिंग में भारत से ऊपर है। ऐसे में भारतीय टीम का इस जीत से मनोबल बढ़ा है। इस मैच में भारतीय डिफेंडरों ने अच्छा प्रदर्शन किया। झिंगन, अनवर, भेके और उवैस ने कई बार ताजिकिस्तान के हमलों को विफल किया। गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अच्छा बचाव किया। अब ग्रुप स्तर पर भारतीय टीम का मुकाबला ईरान से होगा। दोनों टीमें 1 सितंबर को हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेलेंगी।

आरसीबी ने भगदड़ पीड़ितों के परिवारों को दी 25-25 लाख की राहत राशि

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां) ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शनिवार को घोषणा की कि वह 4 जून को हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले 11 लोगों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की सहायता राशि देगी।

फ्रेंचाइज़ी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 4 जून 2025 को हमारे दिल टूट गए। हमने अपने आरसीबी परिवार के 11 सदस्यों को खो दिया। वे हमारे समुदाय, हमारे शहर और हमारी टीम का हिस्सा थे। उनकी कमी हमेशा महसूस होगी। कोई भी मदद उस जगह को भर नहीं सकती, लेकिन शुरुआती कदम के तौर पर आरसीबी ने प्रत्येक परिवार को 25 लाख दिए हैं। यह केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि करुणा, एकजुटता और देखभाल का वादा है। आरसीबी ने साथ ही 'आरसीबी केयर्स' पहल की शुरुआत की घोषणा की, जिसके तहत पीड़ितों की स्मृति को सम्मानित करते हुए लंबे समय तक सार्थक कार्य किए जाएंगे।

गौरतलब है कि पंजाब किंग्स को हराकर आरसीबी ने 18 साल बाद आईपीएल खिताब जीता था। इसके अगले दिन एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम और ओपन बस परेड में लाखों प्रशंसक उमड़ पड़े। हालांकि, करीब दो लाख लोगों की भारी भीड़ स्टेडियम की 32,000 की क्षमता पर हावी हो गई, जिससे गेट पर अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। इस दुखद हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। सभी मृतक 40 वर्ष से कम आयु के थे।

इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मृतकों के परिवारों के लिए 10 लाख की सरकारी सहायता की घोषणा की थी। वहीं, आरसीबी ने भी शुरुआती तौर पर 11 परिवारों को 10 लाख की आर्थिक मदद देने का वादा किया था।

रैना ने सीएसके की अपनी पसंदीदा टीम बनायी, मुरलीधरन को इम्पैक्ट प्लेयर रखा

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां) ।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की अपनी पसंदीदा आईपीएल टीम चुनी है। रैना की इस टीम में चार चार विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं 12वें और इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में दिग्गज श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन को शामिल किया है। आईपीएल में रैना लंबे समय तक सीएसके की टीम में रहे थे। रैना ने सीएसके की अपनी अंतिम ग्यारह को लेकर कहा, सोचना पड़ेगा। मेरी टीम में मुरली विजय होगा। मैथ्यू हेडन, माइकल हसी, सुरेश रैना और बद्रीनाथ, बोलिंजर होंगे। उसके बाद शादाब जकाती, रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा रहेंगे। फिर धोनी भाई, बालाजी और मोहित शर्मा हैं। वहीं, रैना ने लेफ्ट आर्म स्पिनर शादाब जकाती को टीम का एक्स फैक्टर बताया इस क्रिकेटर ने कहा, मुझे लगता है कि शादाब को जितनी अहमियत मिलनी थी नहीं मिली। उन्होंने साल 2010, 2011 और 2012 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हमने जो क्वालिफाई किया, उसमें जकाती ने अच्छा प्रदर्शन किया। बता दें कि जकाती 2009 से 2012 तक सीएसके का हिस्सा रहे। उन्होंने 50 मैचों में 7.75 के इकॉनमी रेट से 45 विकेट लिए। वह सीएसके के अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात लायंस में रहे पर उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले। साल 2017 में इस क्रिकेटर ने अंतिम बार आईपीएल मैच खेला था। रैना की पसंदीदा अंतिम ग्यारहः मुरली विजय, मैथ्यू हेडन, माइकल हसी, सुरेश रैना, सुब्रमण्यम बद्रीनाथ, एल्बी मोर्कल, डग बोलिंजर, शादाब जकाती, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी, लक्ष्मीपति बालाजी, मोहित शर्मा।

मदुशंका की हैट्रिक से श्रीलंका ने पहले ही एकदिवसीय में जिम्बाब्वे को हराया

कोलंबो। दिलशान मदुशंका की शानदार हैट्रिक से श्रीलंका ने पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को सात रनों से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका को दो मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त मिल गयी है। श्रीलंका ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पथुम निसंका के 76, जनित लियानगे ने नाबाद 70 और कामिंडु मेंडिस के 57 रनों की सहायता से 50 ओवर में 6 विकेट पर 298 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे ने अंतिम ओवर तक संघर्ष किया पर वह 8 विकेट पर 291 रन ही बना पायी। अंतिम ओवर में मदुशंका ने लगातार तीन विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलायी। 299 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट और और ब्रेंडन टेलर को शुरुआत में ही खो दिया। उस समय टीम का खाता भी नहीं खुला था। इसके बाद बेन करन और कप्तान शॉन विलियम्स ने तीसरे विकेट के लिए 118 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम को संभाला। विलियम्स ने 54 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 57 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये सिकंदर रजा ने पारी को संभाला। करन ने 90 गेंदों आठ चौकों की मदद से 70 रन बनाये। वेस्ली मधेवेरे आठ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टोनी मुनयोंगा ने सिकंदर रजा के साथ टीम को जीत के करीब पहुंचाया। जिम्बाब्वे को अंतिम ओवर में जीत के लिए 10 रन बनाने थे ऐसे में मदुशंका ने हैट्रिक लगाकर श्रीलंका को जीत दिला दी। उन्होंने पहली गेंद पर सिकंदर रजा को का विकेट लिया। रजा ने 87 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 92 रनों की पारी खेली।

तेल एवं गैस के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं : हरदीप पुरी

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां) ।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि भारत ने खेलों के लिए अपनी नीतिगत प्राथमिकता और सार्वजनिक निवेश बढ़ाया है। उन्होंने कहा, इस संबंध में भारत के तेल एवं गैस क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों ने अग्रणी भूमिका निभाई है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि हरदीप सिंह पुरी ने राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) द्वारा दिल्ली सॉकर एसोसिएशन और सुदेवा अकादमी के सहयोग से यहां आयोजित एक कार्यक्रम में ये बात कही।

भारत के खेल क्षेत्र में आए बदलाव पर प्रकाश डालते हुए पुरी ने कहा, 2014 के बाद, भारत को एक खेल राष्ट्र बनाने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं। अब होनहार युवाओं को न केवल वित्त पोषण के मामले में, बल्कि पोषण, खेल विज्ञान और कोचिंग सहित संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में भी, उच्च स्तरीय सफलता प्राप्त करने के लिए भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि संसद के पिछले सत्र में जो केवल एक हफ्ते पहले ही संपन्न हुआ है, ऐतिहासिक राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 पारित किया गया है, जिसका उद्देश्य खेल महासंघों और निकायों के प्रशासनिक ढांचे में सुधार करना है – जिससे जवाबदेही बढ़ेगी। पीएसपीबी के योगदान को स्वीकार करते हुए पुरी ने कहा, इस परिवर्तन को सुनिश्चित करने में मदद करने वाले कई हितधारकों में, पीएसपीबी का विशेष उल्लेख किया जाना चाहिए, जो देश में सबसे बड़े खेल संवर्धन निकायों में से एक है, जिसमें 16 सदस्य संगठन शामिल हैं तथा यह 19 खेल विधाओं में प्रतियोगिताओं का समर्थन और आयोजन करता है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, परिणाम इन परिवर्तनकारी नीतियों की सफलता को दर्शाते हैं। पिछले दस वर्षों ने यह साबित कर दिया है: 2023 एशियाई खेलों और 2024 पैरा एशियाई खेलों में, हमने क्रमश: 107 और 29 पदक (7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य) के रिकॉर्ड हासिल किए।

न्यूज ब्रीफ

रिजर्व बैंक ने बंधन बैंक पर लगाया 44.70 लाख का जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वैधानिक और नियामकीय निर्देशों के उल्लंघन पर बंधन बैंक पर 44.7 लाख का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई 31 मार्च, 2024 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर किए गए निरीक्षण के बाद की गई। आरबीआई ने बताया कि बैंक ने कुछ कर्मचारियों को अनुचित रूप से कमीशन के रूप में पारिश्रमिक दिया। इसके अलावा बैंक ने खातों के डेटा में 'बैक-एंड' के माध्यम से हस्तक्षेप किया और सिस्टम में उपयोगकर्ताओं के ऑडिट ट्रेल्स/लॉग्स दर्ज नहीं किए, जिससे पारदर्शिता में कमी आई। इन उल्लंघनों के आधार पर बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। जांच और उत्तरों की समीक्षा के बाद जुर्माना लगाया गया।

एफएसएसएआई मानकों पर खरी नहीं उतरने वाली चाय नीलामी से हटेगी : टी बोर्ड

कोलकाता। भारतीय चाय बोर्ड (टी बोर्ड) ने निर्देश जारी किया है कि जो चाय भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मानकों के अनुरूप नहीं है, उसे नीलामी से पहले बाजार से हटा दिया जाएगा। एक परिपत्र के माध्यम से बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 2003 के तहत कोई भी निर्माता अमानक चाय का उत्पादन नहीं कर सकता। टी बोर्ड ने यह भी निर्देश दिया है कि अमानक चाय की खेप को नष्ट करने के लिए विक्रेता को बोर्ड से संपर्क करना अनिवार्य होगा। इससे पहले, बोर्ड ने निर्देश दिया था कि एक वर्ष में तैयार होने वाली सभी डस्ट-ग्रेड चाय की बिक्री केवल नीलामी के माध्यम से ही की जाए। यह कदम गुणवत्ता, पारदर्शिता और बेहतर मूल्य निर्धारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इंडियन टी एसोसिएशन (आईटीए) और टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएआई) जैसे व्यापार संगठनों ने इस निर्णय का स्वागत किया है। टीएआई के अनुसार, उत्तर भारत में कुल चाय उत्पादन का लगभग 20 फीसदी हिस्सा डस्ट ग्रेड चाय का होता है।

जापान भारत में 10 लाख करोड़ येन करेगा निवेश, मोदी ने 'मेक इन इंडिया मेक फॉर द वर्ल्ड' का किया आग्रह

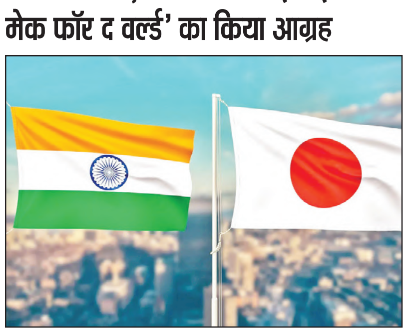

मुंबई। टोक्यो में आयोजित 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। जापान ने अगले 10 वर्षों में भारत में 10 लाख करोड़ येन (67 अरब डॉलर) के निवेश का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापानी कंपनियों से 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' की अपील की है। दोनों पक्षों ने 13 महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया, जिनमें रक्षा सहयोग को मजबूत करना, भारत में खनन क्षेत्र में जापानी निवेश, सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग, और हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के विस्तार के लिए जापानी सहायता शामिल हैं। इसके अलावा, जापान में 50,000 भारतीयों को कुशल और अर्ध-कुशल प्रशिक्षण देने का भी समझौता हुआ है। मोदी ने बताया कि भारत-जापान संबंध केवल केंद्र सरकार तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राज्य और प्रांत स्तर पर भी गहरा सहयोग होगा। हाल ही में आंध्र प्रदेश-तोयामा, तमिलनाडु-एहिमे, उत्तर प्रदेश-यामानाशी और गुजरात-शिजुओका के बीच साझेदारी स्थापित की गई है। दोनों देश छोटे और मध्यम उद्यमों और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग को बढ़ावा देंगे। यह पहल व्यापार और तकनीकी नवाचार के लिए नए अवसर पैदा करेगी। जापान का यह निवेश और सेमीकंडक्टर सहयोग ऐसे समय में महत्वपूर्ण है जब भारत अमेरिकी शुल्कों की चुनौतियों से जूझ रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के अनुसार, पिछले दो वर्षों में भारत-जापान ने 150 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका संचयी मूल्य 13 अरब डॉलर है। इस साझेदारी से भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति को मजबूती मिलेगी और दोनों देशों के बीच व्यापारिक तथा सामरिक संबंध और गहरे होंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सीमावर्ती इलाकों में ...

यह सिर्फ मुस्लिम आबादी बढ़ने की बात नहीं है, बल्कि उस विदेशी तत्व की बात है जो इस बढ़ोतरी में शामिल है और जो चिकन-नेक का गला घोंट रहे हैं। 1951 में पश्चिम बंगाल में मुस्लिम आबादी 20 प्रतिशत थी। 2011 में यह 27 प्रतिशत पहुंच गई। इसके बाद कोई जनगणना नहीं हुई, लेकिन आकलन है कि आज मुस्लिम आबादी का आंकड़ा 30 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, बांग्लादेश से आए 10 लाख से ज्यादा रोहिंग्या शरणार्थी भी हैं और इन्हें राजनीतिक वजहों से भारतीयों के साथ घुला-मिला दिया गया हैं। इनके पास आधार कार्ड हैं, वोटर आईडी है, यानि अब ये लोग परोक्ष रूप से भारत के नागरिक बन चुके हैं।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वर्ष 1951 में मुसलमान 55 प्रतिशत थे और हिंदू 45 प्रतिशत थे। 2011 आते-आते यहां मुसलमान 66 प्रतिशत हो गए और हिंदू घटकर 33 प्रतिशत रह गए। मालदा जिले में 1951 में मुस्लिम आबादी 37 प्रतिशत थी और हिंदू 62 प्रतिशत थे। लेकिन 2011 में मुस्लिम 51.27 प्रतिशत हो गए और हिंदू 48 प्रतिशत रह गए। इसी तरह उत्तर दिनाजपुर में 1951 में मुस्लिम आबादी 39 प्रतिशत और हिंदू आबादी 60 प्रतिशत थी। लेकिन 2011 में मुस्लिम आबादी 49.92 प्रतिशत पर पहुंच गई और हिंदू भी लगभग 49 प्रतिशत के साथ बराबरी पर रहे। उत्तर 24 परगना में 1951 में मुस्लिम आबादी 19 प्रतिशत और हिंदू 80 प्रतिशत थी। लेकिन 2011 आते-आते मुसलमान 25.82 प्रतिशत और हिंदू 73.46 प्रतिशत रह गए। दक्षिण 24 परगना में 1951 में मुस्लिम आबादी करीब 20 प्रतिशत थी, जो 2011 आते-आते ये बढ़कर 35.57 प्रतिशत हो गई। बीरभूम में 1951 में मुसलमान 22 प्रतिशत और हिंदू 77 प्रतिशत थे। वर्ष 2011 में मुस्लिम 37.06 प्रतिशत हो गए और हिंदू घटकर 62.29 प्रतिशत रह गए। आबादी का यह असंतुलन घुसपैठ से नहीं बढ़ा, तो फिर कैसे बढ़ा?

असम में जनसंख्या के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है, जिसे लेकर राज्य और केंद्र सरकार दोनों ही चिंतित हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक, उस समय असम के 9 जिले मुस्लिम बहुल थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर कम से कम 11 हो गई है। इस बदलाव के पीछे क्या कारण हैं, इसे लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने साफ तौर पर बांग्लादेशी घुसपैठ, मुस्लिम समुदाय की ऊंची जन्म दर और जमीन पर अवैध कब्जों को जिम्मेदार ठहराया है। असम के मुख्यमंत्री सरमा का मानना है कि अगर यही प्रवृत्ति बनी रही तो 2041 तक राज्य में हिंदू और मुस्लिम आबादी का अनुपात बराबरी पर आ सकता है। उन्होंने इस बदलाव को केवल जनसंख्या का मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक संतुलन से जुड़ा एक गंभीर विषय बताया है। असम जैसे सीमावर्ती और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील राज्य के लिए यह बदलाव कई तरह की चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

जांच में सामने आया है कि सीमावर्ती इलाकों में हो रहे जनसांख्यिकीय और धार्मिक बदलावों के पीछे विदेशी फंडिंग की बड़ी भूमिका है। खासकर यूपी के बलरामपुर में अवैध धर्मांतरण के आरोपी छांगुर पीर का मामला इस साजिश की गहराई को उजागर करता है। छांगुर पीर ने नेपाल के बैंक खातों के जरिए विदेश से बड़ी मात्रा में पैसा मंगवाया और उसका इस्तेमाल सुनियोजित तरीके से धर्मांतरण के लिए किया। जांच में यह भी पाया गया कि क्षेत्र में ईसाई मिशनरियां सक्रिय रूप से दलित और गरीब परिवारों को निशाना बनाकर उनका धर्मांतरण करा रही थीं। इन घटनाओं के बीच एक और गंभीर मामला तब सामने आया जब पाकिस्तान को 100 करोड़ की टेरर फंडिंग का सुराग मिला।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीमावर्ती इलाकों में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव और अवैध धार्मिक गतिविधियों के मामलों को बेहद गंभीरता से लिया है। अक्टूबर 2024 में ही नेपाल सीमा से सटे इलाकों में अवैध मदरसों के निर्माण, घुसपैठ की साजिश और मजहबी शिक्षा की आड़ में देशविरोधी गतिविधियों का आधिकारिक खुलासा हुआ था। गृह मंत्रालय ने इस आधार पर उत्तर प्रदेश के सभी सीमावर्ती जिलों के डीएम और एसपी को सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए। बलरामपुर के तत्कालीन जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने भी 2024 में इस पूरे नेटवर्क और विदेशी फंडिंग के संबंध में शासन को एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट भेजी थी। इस रिपोर्ट में उन्होंने कुछ स्थानीय पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए थे। लेकिन अफसोस की बात यह है कि उस वक्त उनकी रिपोर्ट दबा दी गई और उन्हें जिले से हटा दिया गया। अब जबकि केंद्र सरकार इस मामले को प्राथमिकता दे रही है, उसी रिपोर्ट को फिर से खंगालकर नए सिरे से जांच शुरू कर दी गई है।

इस पूरे मुद्दे की गंभीरता सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। नेपाल में भी 2021 की जनगणना में हिंदू आबादी में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि मुस्लिम और ईसाई आबादी में बढ़ोतरी देखी गई है। चूंकि इन दोनों देशों की सीमाएं खुली हैं और सामाजिक व धार्मिक गतिविधियां आपस में जुड़ी हुई हैं, इसलिए भारत सरकार ने नेपाल से भी सहयोग मांगा है ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिरता बनाए रखी जा सके और अवैध गतिविधियों पर कड़ा अंकुश लगाया जा सके।

दुनिया बाखबर...

काम करना जरूरी है। जापान के अखबार योमिउरी शिंबुन को दिए एक साक्षात्कार में पीएम मोदी ने कहा कि भारत और चीन के बीच स्थिर पूर्वानुमानित और सौहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

पीएम मोदी ने कहा, विश्व अर्थव्यवस्था में मौजूदा अस्थिरता को देखते हुए दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और चीन के लिए विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए मिलकर काम करना भी जरूरी है। पीएम मोदी की चीन यात्रा चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के एक पखवाड़े से भी कम समय बाद हो रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ वांग की व्यापक वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने दोनों पक्षों के बीच स्थिर, सहयोगात्मक और दूरदर्शी संबंधों के लिए कई उपायों की घोषणा की थी।

पिछले कुछ महीनों में भारत और चीन ने अपने संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जो जून 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई घातक झड़पों के बाद गंभीर तनाव में आ गए थे। प्रधानमंत्री ने आखिरी बार जून 2018 में एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन का दौरा किया था। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अक्टूबर 2019 में दूसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत का दौरा किया था। पिछले साल 21 अक्टूबर को हुए एक समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग के अंतिम दो टकराव बिंदुओं से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पूर्वी लद्दाख में गतिरोध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया था।

देश को घुसपैठियों ...

उन्होंने दावा किया कि बिहार में कांग्रेस की घुसपैठिया बचाओ यात्रा के साथ राहुल की राजनीति निम्नतम स्तर पर पहुंच गई है। राजभवन की नवनिर्मित इकाई ब्रह्मपुत्र का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा कि अगर राहुल गांधी में थोड़ी भी शर्म बची है तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए। देश उन्हें और उनकी पार्टी को घृणा से देख रहा है। अमित शाह ने डेरगांव स्थित लचित बरफुकन पुलिस अकादमी में स्थापित राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला-उत्तर पूर्व का भी वर्चुअल उद्घाटन किया। उन्होंने आईटीबीपी, एसएसबी और असम राइफल्स की विभिन्न विकास परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें आवास परिसर, बैरक और अस्पताल शामिल हैं। इससे पहले वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने राजभवन के अंदर एक मंदिर में पूजा-अर्चना की, गौ पूजन किया और सिंदूर का पौधा लगाया।

अपने दौरे के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों की रैली को संबोधित करते हुए शाह ने अगले साल मार्च-अप्रैल में होने वाले असम विधानसभा चुनाव के प्रचार का बिगुल फूंका। विपक्षी कांग्रेस की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि असम का प्रतिनिधित्व घुसपैठियों के प्रति सहानुभूति रखने वाले और अतिक्रमण को बढ़ावा देने वाले लोग नहीं कर सकते। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि असम का नेतृत्व ऐसे लोग नहीं कर सकते जो बार-बार पाकिस्तान जाते हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा गोगोई पर उनकी पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से कथित संबंधों को लेकर हमला बोलते रहे हैं। सरमा ने दावा किया था कि गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न ने भारत और पाकिस्तान के बीच 19 बार यात्रा की थी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर में न सिर्फ शांति स्थापित की है, बल्कि पूरे देश को भी सुरक्षित करने का काम किया है। असम की सबसे बड़ी समस्या घुसपैठियों की थी, जो नाबालिग बच्चियों से शादी कर सामाजिक संतुलन को बिगाड़ रहे थे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इस पर सख्त अभियान चलाया और ऐसे लोगों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम किया। अब तक 3500 एकड़ चारागाह भूमि, 87,000 एकड़ वन्यजीव अभयारण्य की भूमि, 26,000 एकड़ सरकारी भूमि, और 4500 एकड़ अन्य भूमि घुसपैठियों से मुक्त कराई गई है। इसके अतिरिक्त 1548 एकड़ भूमि को भी मुक्त कराया गया है।

गृह मंत्री ने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने लाखों एकड़ भूमि को घुसपैठियों से मुक्त कराया है। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई इस मुहिम का विरोध कर रहे हैं, लेकिन भाजपा सरकार संकल्पबद्ध है कि असम की एक-एक इंच भूमि को घुसपैठियों से मुक्त कराकर असम के युवाओं को उसका अधिकार दिलाया जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कांग्रेस शासनकाल में शंकरदेव और माधवदेव की भूमि पर भी घुसपैठियों ने कब्जा जमा लिया था। भाजपा सरकार ने उस भूमि को भी मुक्त कराकर इन महापुरुषों का सम्मान और पवित्रता को पुनः स्थापित करने का कार्य किया है। अमित शाह ने असम के हजारों जनप्रतिनिधियों से प्रश्न करते हुए कहा कि जब पहलगाम में हमारे यात्रियों पर हमला हुआ था, तो क्या आपको दुख हुआ था या नहीं? जब निर्दोष यात्री मारे गए, तो क्या आपको गुस्सा आया था या नहीं? पहले के जमाने में ऐसे आतंकी हमले होते थे, हमलावर भाग जाते थे और कुछ नहीं होता था। मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मार गिराने का काम किया और उनके अड्डों को पूरी तरह समाप्त कर दिया। अनेक उतार-चढ़ाव और हिंसक संघर्षों को झेलते हुए आज उत्तर-पूर्व शांति, विकास और समग्र प्रगति की ओर आगे बढ़ रहा है।

हिंदू मंदिरों का...

कि मंदिर का धन केवल धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए ही इस्तेमाल हो सकता है। इसका इस्तेमाल किसी व्यावसायिक काम के लिए नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत पांच हिंदू मंदिरों के धन का इस्तेमाल विवाह के लिए हॉल बनाने में किया जाना था। हाईकोर्ट ने सरकार को चेतावनी दी कि मंदिर की निधि भक्तों और दानदाताओं की आस्था से जुड़ी है, इसे किसी अन्य उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करना उनके अधिकारों का उल्लंघन है।

जस्टिस एसएम सुब्रमण्यम और जस्टिस जी अरुल मुरुगन की पीठ ने यह निर्णय सुनाते हुए कहा कि राज्य सरकार का यह आदेश हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम 1959 और उसके नियमों के खिलाफ है। हाईकोर्ट ने साफ किया कि अधिनियम की धारा 66 के अनुसार मंदिर की बची हुई धनराशि को न तो किसी व्यावसायिक गतिविधि में और न ही लाभ कमाने वाली योजनाओं में लगाया जा सकता है। इसका इस्तेमाल केवल धार्मिक कार्यक्रमों, मंदिरों के रखरखाव और भक्तों की सुविधाओं के लिए ही होना चाहिए। याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि मंदिर के धन का उपयोग इस तरह से करना कानून का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी बताया कि विवाह हॉल बनाने के लिए न तो कोई भवन योजना ली गई थी और न ही नियमों के तहत आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई थी, इसके बावजूद धनराशि जारी कर दी गई।

दूसरी ओर सरकार की ओर से यह तर्क दिया गया कि हिंदू विवाह धार्मिक गतिविधि है और इस तरह के विवाह हॉल गरीब परिवारों को कम खर्च में विवाह करने की सुविधा देंगे। हाईकोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया। कोर्ट ने सरकारी आदेश की समीक्षा करते हुए पाया कि बनाए जा रहे विवाह हॉल मुफ्त में उपलब्ध नहीं थे बल्कि किराए पर दिए जा रहे थे। यानि, यह एक व्यावसायिक गतिविधि थी, न कि कोई दान या धार्मिक सेवा। हाईकोर्ट ने कहा कि मंदिर निधि का उद्देश्य केवल मंदिर और उससे जुड़े धार्मिक कार्यों तक सीमित है। इस धन का उपयोग भक्तों की आस्था से खिलवाड़ किए बिना होना चाहिए। फैसले में हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि मंदिरों में जमा धन, आभूषण और अचल सम्पत्तियां भक्तों और दानदाताओं की ओर से भगवान को अर्पित की जाती हैं। यह सार्वजनिक या सरकारी धन नहीं है, जिसे राज्य अपनी सुविधा से कहीं भी खर्च कर दे।

सरकार की भूमिका केवल मंदिर निधि और सम्पत्तियों के दुरुपयोग को रोकने की है, न कि उन्हें किसी नए काम में लगाने की। अंत में हाईकोर्ट ने यह कहते हुए आदेश को रद्द कर दिया कि राज्य ने न तो नियमों का पालन किया और न ही भवन निर्माण की अनुमति ली। यदि मंदिर निधि का इस तरह इस्तेमाल किया गया तो यह भक्तों के धार्मिक अधिकारों का हनन होगा और मंदिर की पवित्रता पर आघात करेगा। हाईकोर्ट के इस फैसले ने साफ कर दिया है कि मंदिर का धन सिर्फ मंदिर और धार्मिक गतिविधियों के लिए ही है, किसी और उद्देश्य के लिए नहीं।

फिर वोटर लिस्ट...

और सुपौल जिलों में भेजे गए हैं। ये इलाके सीमांचल क्षेत्र में आते हैं, जिनकी सीमाएं खुली हैं। भाजपा जैसे राजनीतिक दलों ने इस इलाके में बांग्लादेशी और रोहिंग्या लोगों के अवैध रूप से बसने का आरोप लगाया है। हालांकि, कुछ पार्टियां इसे शिक्षा की कमी और बाढ़ की वजह से दस्तावेज खोने का मामला बता रही हैं। चुनाव आयोग ने साफ किया है कि बिना सुनवाई के किसी भी वोटर का नाम लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। सभी संदिग्ध लोगों को अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि इन 3 लाख लोगों में से ज्यादातर का नाम 2003 की वोटर लिस्ट में नहीं था। उनके आधार कार्ड और बाकी दस्तावेजों में भी नाम और पता मेल नहीं खा रहा था।

बिहार में कुल 7.89 करोड़ वोटर थे, जिनमें से पहले चरण की जांच में ही 65 लाख नाम हटा दिए गए। हटाए गए नामों में या तो मर चुके थे, या कहीं और चले गए थे, या फिर एक से ज्यादा जगह पर नाम रजिस्टर्ड थे। चुनाव आयोग ने कहा है कि अब तक 1.98 लाख लोगों ने खुद ही अपना नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए आवेदन किया है। मात्र 29879 लोगों ने सूची में नाम जोड़ने की मांग की है। मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशित होने के 30 दिन बाद दो राजनीतिक दल को छोड़कर किसी भी राजनीतिक दल की ओर से दावा या आपत्ति नहीं की गई है। चुनाव आयोग ने शनिवार को मतदाता पुनरीक्षण कार्य का डेली बुलेटिन जारी किया। चुनाव आयोग के अनुसार, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, मार्क्ससिस्ट-लेनिनिस्ट (लिबरेशन) की ओर से 10 आपत्ति दर्ज करवाई गई है। इनके बीएलए की संख्या 1496 है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद की ओर से 10 आपत्तियां दर्ज करवाई गई है। इनके बीएलए की संख्या 47,506 है।

आयोग के अनुसार, बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) ने अब तक 25 नाम जोड़ने और 103 नाम हटाने के लिए आवेदन किए हैं। फिलहाल 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.11 फीसदी लोगों ने अपने दस्तावेज सत्यापन के लिए जमा कर दिए हैं।बिहार की अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को निर्देश दिया है कि नाम जुड़वाने के लिए आधार कार्ड के अलावा 11 अन्य दस्तावेजों को भी मान्य किया जाए। वहीं, चुनाव आयोग ने शीर्ष अदालत से भरोसा जताने की अपील करते हुए कहा है कि बिहार में विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से कराई जा रही है।

भाकपा-माले के राज्य सचिव कुणाल कुणाल ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग बहुत बड़ी साजिश रच रहा है। हमलोगों ने अब तक 100 से अधिक आपत्तियां दर्ज करवाई है। लेकिन, रिकॉर्ड में केवल 10 ही दिखाया गया है। पहले दिन ही भोजपुर में 13 आपत्ति किए थे। इसमें 10 नए नाम जोड़ने और 3 कटे हुए नाम पर थे। इसको चुनाव आयोग ने दो ही गिना। अब तक हमने 100 से अधिक दावे आपत्तियां दर्ज कराए। इसमें से महज 10 ही गिना गया।

भूस्खलन में...

भूस्खलन में एक मकान धराशाई हो गया और इसकी चपेट में पूरा परिवार समाप्त हो गया। मरने वालों में पति नजीर अहमद, पत्नी वजीरा बेगम और उनके पांच बच्चे शामिल हैं।

जम्मू कश्मीर पर कुदरती कहर का बरपना जारी है। यहां भी कई लोग मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है।

भारी बारिश की वजह से रियासी जिले में भूस्खलन की घटनाएं भी सामने आई हैं। कई घर पूरी तरह तबाह हो गए हैं और गांवों में अफरा-तफरी का माहौल है। लोग अपने परिवार और बच्चों को लेकर सुरक्षित स्थानों पर शरण ले रहे हैं। अचानक आई इस आपदा से सैकड़ों परिवार बेघर हो गए हैं। प्रशासन की टीमें लगातार हालात का जायजा ले रही हैं और प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया गया है।

एनडीआरएफ, पुलिस और सेना की टीमों को राहत और बचाव कार्य में लगाया गया है। भारी बारिश और टूटे पुलों की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें जरूर आ रही हैं, लेकिन राहतकर्मी लगातार मलबे में दबे लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। कई जगहों पर सड़कें भी ध्वस्त हो गई हैं, जिससे संपर्क व्यवस्था ठप्प हो गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदियों और भूस्खलन प्रभावित इलाकों के पास न जाएं और सतर्क रहें। जम्मू-कश्मीर के इन दोनों जिलों में फिलहाल आपदा जैसी स्थिति बनी हुई है।

ये ताजा घटनाएं रियासी के कटरा इलाके में वैष्णो देवी मंदिर के पास हुई एक बड़ी त्रासदी के कुछ दिनों बाद हुई हैं, जहां 26 अगस्त को भूस्खलन के बाद कम से कम 35 श्रद्धालुओं की जान चली गई थी और दर्जनों घायल हो गए थे। उसी दिन, जम्मू कश्मीर के एक अन्य जिले डोडा में भी इसी तरह की अचानक आई बाढ़ में चार लोगों की मौत हो गई थी।

महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ प्रारंभ हुआ अग्रसेन जयंती महोत्सव

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर पहला कार्यक्रम बंजारा हिल्स स्थित अग्रसेन चौक में महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर पूर्व और पश्चिम क्षेत्र की शाखाओं को पूजा का दायित्व सौंपा गया।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक और पश्चिमांचल क्षेत्र के जिला कोऑर्डिनेटर मुकुंद लाल अग्रवाल ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मुख्य अतिथि अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध जी गुप्ता, विशेष अतिथि सह मंत्री श्रीमती सीमा जैन, परामर्शदाता बद्रीविशाल बंसल और चंद्रकांत अग्रवाल उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का शॉल, पुष्प गुच्छ, और गौ माता का स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। मुकुंद लाल अग्रवाल का सम्मान उनकी महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में पश्चिमांचल क्षेत्र के कोऑर्डिनेटर मुकुंद लाल अग्रवाल और सतीश कुमार अग्रवाल तथा पूर्वांचल क्षेत्र के जिला कोऑर्डिनेटर महेंद्र कुमार अग्रवाल और सतीश गोयल की देखरेख में महत्वपूर्ण आयोजन संपन्न हुआ। संचालन मुकुंद लाल अग्रवाल ने किया। महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा, बंजारा हिल्स सेंट्रल, और श्रीनगर कॉलोनी शाखा का उक्त आयोजन में सराहनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दोनों क्षेत्रों की शाखाओं के सदस्यों ने भाग लिया। प्रमुख उपस्थित लोगों में-

अग्रवाल समाज के पदाधिकारी: अनिरुद्ध गुप्ता, सीमा जैन, बद्री विशाल बंसल, चंद्रकांत अग्रवाल।

महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा से : मुन्ना लाल अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, सुभाष कुमार अग्रवाल, अजय कुमार दोचानिया, ताराचंद बंसल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, मनसा राम अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, अरुण गुप्ता, माया अग्रवाल।

बंजारा हिल सेंट्रल शाखा से: सुभाष कुमार केडिया, मनीष कुमार अग्रवाल, नवल किशोर अग्रवाल, गोपाल दास अग्रवाल, सुशील कुमार अग्रवाल।

श्रीनगर शाखा से: डॉ. रामनिवास गुप्ता, डॉ. अजय कुमार अग्रवाल, उमाशंकर गोयनका, श्याम सुंदर अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, राहुल सिंघल, विभा अग्रवाल।

अन्य शाखाओं (एस. आर. नगर, गच्चीबावली, सोमाजीगुड़ा बेगमपेट आदि) से: सोनू अग्रवाल, हेमचंद गुप्ता, के. पी. अग्रवाल, प्रवीण गुप्ता, प्रकाश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, संतोष टानटिया, सुनील गुप्ता, सुमन गुप्ता, गीता अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, आशा अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, शालू अग्रवाल शामिल हुए।

उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए 22 सितंबर 2025 को क्लासिक कन्वेंशन, शमशाबाद में आयोजित होने वाली महाराजा अग्रसेन जयंती को सफल बनाने का आग्रह किया। संयोजकों मुकुंद लाल अग्रवाल, सतीश कुमार अग्रवाल और महेंद्र कुमार अग्रवाल ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, केंद्रीय समिति सदस्यों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सफल रहा।

भारतीय रेलवे स्वास्थ्य सेवा के महानिदेशक ने किया लालगुड़ा के केंद्रीय अस्पताल का निरीक्षण

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेलवे स्वास्थ्य सेवा (आईआरएचएस) के महानिदेशक, डॉ. जगदीश चंद्र ने आज सिकंदराबाद के लालगुडा स्थित केंद्रीय रेलवे अस्पताल का दौरा किया और वहाँ कई नई सुविधाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे की प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. निर्मला राजाराम, केंद्रीय अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. आई. शिव नाग प्रसाद और अन्य वरिष्ठ डॉक्टर भी उपस्थित थे।

डॉ. जगदीश चंद्र ने अत्याधुनिक 2डी इको मशीन, ऑक्सीजन मैनिफोल्ड रूम, नवीनीकृत फिजियोथेरेपी कक्ष और एक समर्पित कॉर्पोरेट बिलिंग अनुभाग का उद्घाटन किया। इन नई सुविधाओं से सेवारत और सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों तथा उनके परिवारों को बहुत लाभ होगा।

नए ओपीडी ब्लॉक के भूतल पर स्थित नवीनीकृत फिजियोथेरेपी केंद्र विभिन्न बीमारियों से पीड़ित रेल लाभार्थियों को आधुनिक और बेहतर फिजियोथेरेपी सत्रों का अनुभव प्रदान करेगा।

इस अवसर पर, डॉ. जगदीश चंद्र ने डॉक्टरों को संबोधित करते हुए चिकित्सा विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्नत सुविधाओं से सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा कि ये उन्नत नैदानिक सुविधाएँ और सेवाएँ अत्यधिक उपयोगी और सुविधाजनक साबित होंगी। उन्होंने अस्पताल परिसर में एक ऑक्सीजन प्लांट विकसित करने की पहल के लिए भी चिकित्सा टीम की सराहना की, क्योंकि यह जीवन रक्षक चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करता है।

प्रसिद्ध कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय से शिष्टाचार भेंट करते हुए विजय कुमार तोतला, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, आचार्य सत्यप्रकाश तिवारी और राम डालिया। अवसर पर उनका शॉल, श्रीफल और पुष्पमाला से भव्य स्वागत किया।

केबीआर पार्क में गणेश चतुर्थी का उत्सव

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में आयोजित गणेशजी की पूजा और आरती में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। इस पावन अवसर पर उपस्थित प्रमुख भक्तों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, माया अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, दीया अग्रवाल, विजया रेड्डी, विजय शांति, अशोक लाखोटिया, विनोद टिकमानी, वेंकटेश रेड्डी, अशोक अग्रवाल, विट्ठलदास अग्रवाल, भगवान अग्रवाल, किशन दास डागा और सुदर्शन रेड्डी शामिल थे। सभी भक्तों ने मिलकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया।

अग्रवाल समाज मैरेज डाटा कमेटी की चौथी बैठक का आज

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मैरेज डाटा कमेटी की चौथी बैठक का आयोजन रविवार, दि. 31 अगस्त को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक राघव रत्ना टॉवर, चिराग अली लेन, आबिड्स में किया जा रहा है। यह बैठक समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित होगी ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अग्रबंधुओं से निवेदन किया गया है कि विवाह योग्य युवकों-युवतियों के बायोडाटा अग्रवाल समाज की एक मात्र मैरेज डाटा कमेटी में जमा करायें। बायोडाटा की सारी जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। विज्ञप्ति में सूचना दी गई कि अग्रवाल समाज तेलंगाना कार्यालय के बाहर किसी भी प्रकार का बायोडाटा एकत्र नहीं किया जाता है। इसलिए समाज कार्यालय में ही अपने योग्य युवक-युवतियों का बायोडाटा जमा कराएं। सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया है कि वे उक्त बैठक में भाग लें और समाज के विकास में अपना योगदान दें।

आर्य नगर के हनुमान मंदिर में श्री राम गणेश समिति द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा का पूजन किया गया। यह पूजन समारोह पारंपरिक उत्साह और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर, कई श्रद्धालु और समिति के सदस्य उपस्थित थे, जिनमें उमा गोपीनाथ जोशी, प्रशांति, स्वर्णा, नमिता, सोहन, श्रेयस, श्रीशांत और अन्य भक्त शामिल थे। सभी ने मिलकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया ।

समाज सेवी और अग्रवाल समाज, श्रीनगर कॉलोनी शाखा के अध्यक्ष उमाशंकर गोयनका के बंजारा हिल्स स्थित निवास पर गणेश चतुर्थी के अवसर पर एक भव्य पंडाल और भगवान गणेश का सुंदर श्रृंगार किया गया। इस खूबसूरत सजावट और पंडाल का निर्माण उनके पुत्र हर्ष गोयनका ने स्वयं किया था।हर्ष की इस कलात्मक रचना के लिए उन्हें गणपति टीवी, मुंबई द्वारा एक विशेष प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह उनके समर्पण और रचनात्मकता का सम्मान है।

बंजारा समाज ने 31 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाने की मांग की, किनवट में सौंपा ज्ञापन

किनवट,30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र सरकार द्वारा 31 अगस्त को विमुक्त दिवस के रूप में मनाने के निर्णय के विरोध में बंजारा समाज आरक्षण समिति ने किनवट के सहायक जिला जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है। समिति ने मांग की है कि इस दिन को विमुक्त दिवस के बजाय स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाए।

ज्ञापन में कहा गया है कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, घुमंतु और अर्ध-घुमंतु जनजातियों ने क्रांतिकारियों को रसद (खाने-पीने का सामान) और हथियार मुहैया कराकर ब्रिटिश सरकार को चुनौती दी थी। इसके बदले में, ब्रिटिश सरकार ने 1871 के आपराधिक जनजाति अधिनियम के तहत 193 जनजातियों को आपराधिक जनजाति घोषित कर दिया था।

ज्ञापन के अनुसार, 15 अगस्त 1947 को भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद भी, इन जनजातियों को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र में अपनी आज़ादी के लिए 5 साल और 16 दिन और इंतज़ार करना पड़ा। जब पूरा देश आज़ादी का जश्न मना रहा था, तब ये जनजातियाँ 'आपराधिक' का ठप्पा लिए भारतीय सरकारी बस्तियों में कैद थीं।

भारत सरकार ने 31 अगस्त 1952 को इस काले कानून को रद्द करके इन जनजातियों को 'विमुक्त' किया। बंजारा समाज का तर्क है कि यह दिन उनके लिए वास्तविक स्वतंत्रता का प्रतीक है। इसलिए, वे चाहते हैं कि सरकार इसे 'विमुक्त दिवस' के बजाय 'स्वतंत्रता दिवस' घोषित करे।ज्ञापन सौंपने वालों में एड. उदय वघूसिंह चव्हाण, घनश्याम राठोड, मोहन जाधव, विनोद पवार, नवीन जाधव, लक्ष्मण जाधव, लता जाधव, नंदा राठोड और रेणुका पवार सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

भाग्यलक्ष्मी माताजी के दर्शन में शामिल हुए भक्तगण

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर में माताजी के दर्शन के अवसर पर भक्तों का जमावड़ा देखने को मिला। इस पावन आयोजन में भाग़वताचार्य डॉ. श्री श्याम सुंदर पाराशर जी ने माताजी का दर्शन किया।

उनके साथ मंदिर की प्रमुख शशिकला, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, आचार्य विशेष शर्मा, आचार्य सत्यप्रकाश तिवारी और रीतेश अग्रवाल सहित अन्य भक्तगण भी मौजूद रहे। इस अवसर पर भक्तों ने पूजा-अर्चना कर माताजी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

किनवट तहसील राज्य में तीसरे स्थान पर

कर्मचारियों के सराहनीय कार्य की सराहना

किनवट, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नीति आयोग भारत सरकार के आकांक्षित तहसील कार्यक्रम के अंतर्गत किनवट तहसील ने राज्य में तीसरा स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के ज़मीनी स्तर पर किए गए सराहनीय कार्यों का परिणाम है। विधायक भीमराव केराम ने कहा कि यह किनवट के लिए गर्व का क्षण है और भविष्य में भी इस सुदूर क्षेत्र के विकास के लिए सभी को कड़ी मेहनत और लगन से काम करना चाहिए।

किनवट के एन.के. गार्डन में आयोजित सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह और आकांक्षित हाट उद्घाटन कार्यक्रम में विधायक भीमराव केराम ने यह बात कही। इस अवसर पर तहसीलदार डॉ. शारदा चौंडेकर, गटशिक्षा अधिकारी अनिल कुमार महामुने, तहसील कृषि अधिकारी चंद्रकांत निमोद, प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी शिवाजी जामोडे, और सामाजिक कार्यकर्ता दयानंद दराडे मंच पर उपस्थित थे। गटविकास अधिकारी ज्ञानेश्वर टकरास ने प्रस्तावना और आभार व्यक्त किया, जबकि केंद्र प्रमुख उत्तम कानिदे ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद उपस्थित अतिथियों का शॉल, पुष्पगुच्छ और पुस्तक देकर स्वागत

किया गया। सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और पुस्तकें देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित व्यक्तियों में – तत्कालीन समूह विकास अधिकारी पुरुषोत्तम वैष्णव, सेवानिवृत्त जिला मृदा सर्वेक्षण एवं परीक्षण अधिकारी प्रकाश पल्लेवाड़, तत्कालीन कृषि अधिकारी बालाजी मुंडे और उनके 24 कृषि सहायक, तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.पी. गायकवाड़ और उनके 8 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, 9 एएनएम, 1 बीसीएम, 9 आशा कार्यकर्ता, तत्कालीन बाल विकास परियोजना अधिकारी अश्विनी ठाकरोड़ और उनकी 15 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, विस्तार अधिकारी (पंचायत) निवृत्ति मुकनार,आकांक्षित तहसील के पांडुरंग मामिडवार, पोषण पारसबाग निर्माण टीम लीडर गंगाधर घ्यार शामिल थे।वोकल फॉर लोकल उपक्रम के तहत, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विधायक भीमराव केराम ने आकांक्षित हाट का उद्घाटन किया। इस हाट में उमेद अभियान के तहत महिला स्वयं सहायता समूह, किनवट की अत्यधिक प्रभावित मेगा कैचमेंट परियोजना टीम, और बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय ने भाग लिया। प्रदर्शनी में स्थानीय व्यंजन, हस्तनिर्मित कपड़े, जंगली सब्जियां, जैविक दवाइयां, और अन्य स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की गई।कार्यक्रम की सफलता के लिए कार्यालय अधीक्षक अमोल टोम्पे, कृषि अधिकारी सिकंदर पठान, सुनील नेम्मानिवार, राजेश म्याकलवार, विस्तार अधिकारी कैलाश गायकवाड़, जीवन कांबले, श्रीमती एस.एल. चव्हाण, आकांक्षित तहसील समन्वयक पांडुरंग मामिडवार, अंकुश राठौड़, सभी ग्राम पंचायत अधिकारी, कर्मचारी, कृषि सहायक, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, केंद्र प्रमुख, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, और आईसीआरपी ने अथक परिश्रम किया।

जिला कलेक्टर ने यदागिरिगुट्टा अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर जोर

यदाद्री भुवनगिरी, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। यदाद्री भुवनगिरी जिला कलेक्टर हनुमंत राव ने गाँवों में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से शनिवार को यदागिरिगुट्टा मंडल के गौरयापल्ली गाँव में स्थित अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गाँवों में डॉक्टर और कर्मचारी हमेशा उपलब्ध रहें ताकि मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।कलेक्टर ने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं और रिकॉर्ड की जाँच की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी और टीकाकरण हो रहा है या नहीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से गाँवों में साफ-सफाई की स्थिति और मौसमी बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में भी पूछा।इसके बाद, कलेक्टर ने गौरयापल्ली में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पूछा कि केंद्र में कितनी गर्भवती महिलाएँ, धात्री माताएँ और बच्चे नामांकित हैं।

उन्होंने सभी को पौष्टिक भोजन मिलने की पुष्टि की। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी, खासकर मौसम में बदलाव के कारण होने वाली बीमारियों जैसे बुखार और सर्दी-जुकाम के लिए तुरंत डॉक्टर से सलाह लेने को कहा।इस निरीक्षण के दौरान, कई संबंधित अधिकारी भी कलेक्टर के साथ मौजूद थे।

मदनूर मंडल के कृषि बाजार समिति कार्यालय में कांग्रेस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सलाबतपुर के दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर के अध्यक्ष राम पटेल का जन्मदिन धूमधाम से मनाया।इस अवसर पर केक काटा गया और सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। जहीराबाद के सांसद सुरेश शेटकार ने राम पटेल को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं।

मंचेरियाल में वंदे भारत ट्रेन का ठहराव, जिले में खुशी की लहर

मंचेरियाल, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले के लोगों का लंबे समय से चला आ रहा सपना अब हकीकत में बदल गया है। सिकंदराबाद से नागपुर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन अब मंचेरियाल में भी रुकेगी। केंद्र सरकार ने हाल ही में डेढ़ साल से चली आ रही इस मांग को मंजूरी दे दी है, जिससे जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है।पेद्दापल्ली के सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा की डेढ़ साल की अथक मेहनत आखिरकार रंग लाई। वामसी कृष्णा ने रेल मंत्री और अन्य अधिकारियों से लगातार मंचेरियाल में वंदे भारत ट्रेन के ठहराव की अपील की थी। उनकी मेहनत का नतीजा है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी।

मंचेरियाल वासियों ने इस खुशी को सेलिब्रेट करने के लिए मंचेरियाल रेलवे स्टेशन पर एकत्रित होकर केक काटा और उत्साह के साथ इस उपलब्धि का जश्न मनाया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता, और राजस्थानी समुदाय के पुखराज गहलोत, रतनलाल राठौड़, वागाराम सोलंकी, शांतिलाल गहलोत, कृष्णा सोलंकी, और अशोक परमार सहित कई लोग उपस्थित रहे।मंचेरियाल में वंदे भारत के ठहराव से न केवल स्थानीय लोगों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी, बल्कि यह क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

भारी बारिश से लिम्बुर में मुख्य सड़क बह गई, यातायात ठप

मदनूर, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पिछले दो-तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण लेडी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिसका असर तटीय क्षेत्रों गोजेगांव, सोनाला, थडी हिपरगा, लिम्बुर, हसन टाकली, और बड़ा टाकली में देखने को मिला है। लिम्बुर से सिरपुर जाने वाली मुख्य सड़क पर बाढ़ के तेज बहाव के कारण लगभग 20 मीटर से अधिक हिस्सा कटकर बह गया है। इसके अलावा, एक अन्य स्थान पर लगभग 25 फीट सड़क भी पानी के तेज बहाव से क्षतिग्रस्त हो गई है।क्षतिग्रस्त सड़क के बावजूद, स्थानीय लोग अपनी मजबूरी के कारण इस खतरनाक मार्ग से आवागमन कर रहे हैं। मोटरसाइकिल और पैदल चलना भी मुश्किल होने के बावजूद, लोग खेतों में फसलों की देखभाल के लिए इस मार्ग का उपयोग करने को मजबूर हैं। इस सड़क के कटाव से डोंगली मंडल के लिम्बुर, छोटा टाकली, बड़ा टाकली, और सिरपुर गांवों का मंडल केंद्र से संपर्क टूट गया है, जिसके कारण यातायात पूरी तरह ठप हो गया है।स्थानीय जनता ने प्रशासन से सड़क की तत्काल मरम्मत की मांग की है। यह सड़क हसन टाकली, बड़ा टाकली, और सिरपुर होते हुए बोधन-निजामाबाद क्षेत्र को जोड़ती है। सड़क के कटाव से यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर सड़क को पुनर्जनन करने की अपील की है ताकि यातायात सुचारू हो सके और लोगों की परेशानियां कम हो सकें।

यदागिरिगुट्टा मंदिर के भूमिहीन निवासियों ने न्याय की मांग की

हमारी आजीविका और पूर्वजों की सेवा को सम्मान दें

यदागिरिगुट्टा, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

यदागिरिगुट्टा नगर पालिका के अंतर्गत यदागिरिपल्ली के भूदिदा वंशथुल समुदाय ने अपनी आजीविका, रोजगार और सम्मान की बहाली के लिए सरकार और मंदिर प्राधिकरण से गुहार लगाई है। समुदाय के सदस्यों का कहना है कि मंदिर के पुनर्विकास के लिए उनकी पुश्तैनी कृषि भूमि का अधिग्रहण किया गया, लेकिन उन्हें उचित मुआवजा या वैकल्पिक आजीविका के साधन नहीं दिए गए।

भूदिदा वंशथुल समुदाय सदियों से यदागिरिगुट्टा मंदिर और यदागिरिपल्ली गाँव की सेवा कर रहा है। लगभग सौ साल पहले, तत्कालीन राज्य सरकार ने उनकी सेवाओं के सम्मान में उन्हें खेती के लिए करीब 30 एकड़ ज़मीन आवंटित की थी (सर्वे संख्या 63, 75, 76, 114, 115, 116, 117)। समुदाय के सदस्यों का कहना है कि वे इस भूमि पर खेती करके अपनी आजीविका चलाते थे।जब मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू हुआ, तो पिछली सरकार ने इस ज़मीन का अधिग्रहण कर लिया। प्रभावित 32 पट्टादारों, यानी लगभग 350 लोगों ने मंदिर के विकास

के लिए बिना किसी आपत्ति के अपनी जमीनें दे दीं। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकार ने उन्हें पर्याप्त मुआ-वजा नहीं दिया, जिसके कारण वे अपनी मुख्य आजीविका से वंचित हो गए हैं।समुदाय के सदस्यों का कहना है कि उनकी भूमि और आजीविका छिन जाने के बाद, उन्हें पहाड़ी के ऊपर आउटसोर्सिंग के माध्यम से कुछ दुकानें आवंटित की गईं। हालांकि, वे इस बात से निराश हैं कि जिन लोगों ने मंदिर के लिए कोई संपत्ति नहीं खोई, वे पहाड़ी पर आकर बड़े व्यापारी बन गए हैं और एक व्यापार संघ के नाम पर दुकानें स्थापित कर ली हैं। ये दुकानें कथित तौर पर उप-किराए पर भी दी जा रही हैं।समुदाय ने मंदिर की हालिया निविदाओं पर भी सवाल उठाया है, जिससे नारियल की दुकानों के लिए 56 लाख, फूलों और फलों के लिए 80 लाख, और मोबाइल फोन रखने के लिए 2,22,22,222 की आय हुई है। उनका कहना है कि यदि प्रत्येक दुकान के लिए स्थायी आधार के बजाय निविदाएं आयोजित की जाएं, तो प्रति दुकान 2 करोड़ तक की आय संभव है।समुदाय ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार और मंदिर प्राधिकरण से कई मांगें की हैं। उनकी प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं:

-चप्पल की देखभाल का काम: व्यापार संघ के बजाय समुदाय के भूमिहीन सदस्यों को बिना किसी निविदा के चप्पल की सुरक्षा और रखरखाव की ज़िम्मेदारी दी जाए।

-पारंपरिक सेवा को सम्मान: नित्य कल्याणम के दौरान ढोल बजाने का पारंपरिक अवसर उन्हें प्रदान किया जाए।

-रोजगार में प्राथमिकता: मंदिर के सभी विभागों में आउटसोर्सिंग के माध्यम से समुदाय के लोगों को रोजगार दिया जाए।

-पुनर्वास के लिए भूमि: मंदिर के विकास के लिए भूमि खोने वाले भूमिहीनों को ज़मीन आवंटित की जाए।

-शवों को ले जाने की सेवा: मंदिर की राजस्व सीमा के भीतर दिवंगत हुए श्रद्धालुओं के शवों को ले जाने का काम उन्हें सौंपा जाए, जो कि उनकी एक पारंपरिक सेवा रही है।

-योग्य युवाओं को नौकरी: समुदाय के शिक्षित और योग्य युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं।

समुदाय के सदस्यों ने सरकार से अपने पूर्वजों द्वारा की गई सेवाओं को ध्यान में रखते हुए इन मांगों को लागू करने का आग्रह किया है, ताकि उनकी आजीविका सुरक्षित हो सके और वे मंदिर में स्वामी की सेवा जारी रख सकें।

यदागिरिगुट्टा में ट्रैफिक डायवर्जन: अधूरे फ्लाईओवर के काम के चलते पुलिस ने जारी किए नए निर्देश

यदागिरिगुट्टा, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। यदागिरिगुट्टा शहर में पहाड़ी की ओर जाने वाले मार्ग पर अधूरे फ्लाईओवर के निर्माण कार्य को देखते हुए रचकोंडा ट्रैफिक पुलिस ने यातायात डायवर्जन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह डायवर्जन यदागिरिगुट्टा आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए किया गया है, ताकि यातायात सुचारु रूप से चलता रहे और दुर्घटनाओं से बचा जा सके।तुर्कापल्ली और मल्लापुर जाने वाले वाहन: जो लोग तुर्कापल्ली और मल्लापुर गाँवों की ओर जा रहे हैं, वे पुराने वासावी सत्र से देवस्थान तुलसी सत्र होते हुए रेड्डी सत्र के पास तुर्कापल्ली मुख्य मार्ग पर जा सकते हैं।तुर्कापल्ली और मल्लापुर से आने वाले वाहन: इन गाँवों से आने वाले वाहन यादव ऋषि सर्कल से गरुड़ सर्कल होते हुए पडाला की ओर आ सकते हैं।भारी वाहनों के लिए विशेष निर्देश: भारी वाहनों, जिनमें स्कूल बसें, लॉरी और आरटीसी बसें शामिल हैं, को पडाला से यादव ऋषि सर्कल की ओर जाने की अनुमति नहीं है। इन वाहनों को सलाह दी जाती है कि वे मल्लापुर और तुर्कापल्ली पहुँचने के लिए पडाला से गरुड़ सर्कल होते हुए यादव ऋषि सर्कल तक इसी मार्ग का उपयोग करें।

सांसद सुरेश शेटकार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

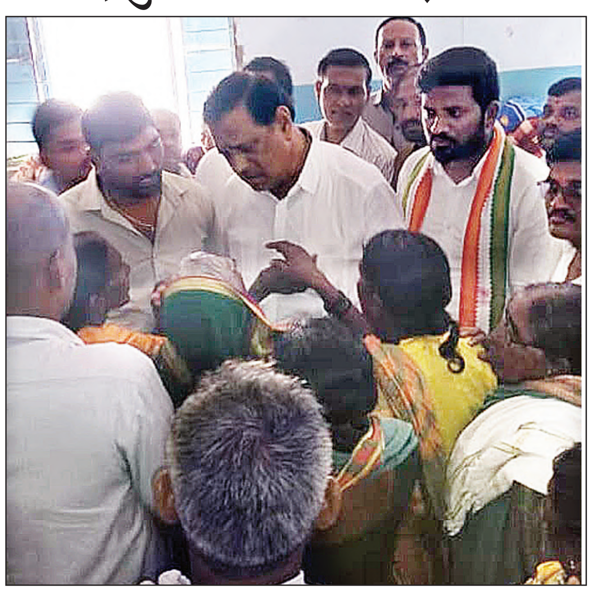

पीड़ितों को शीघ्र मदद का आश्वासन

मदनूर, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जहीराबाद के सांसद, माननीय सुरेश शेटकार ने शनिवार को बाढ़ प्रभावित डोंगली और मदनूर मंडलों का दौरा किया। उन्होंने सिरपुर, टाकली, हिप्पारागा और लिम्बूर गाँवों में जाकर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं।

इस दौरान उन्होंने मदनूर पाठशाला में बाढ़ पीड़ितों से बातचीत की और उनकी स्थिति का जायजा लिया।

इसके बाद, सांसद ने बाढ़ से प्रभावित फसलों का भी निरीक्षण किया। पीड़ितों से बात करते हुए उन्होंने कहा, आप चिंता न करें, कांग्रेस सरकार गरीबों और किसानों की सरकार है।

उन्होंने ग्रामीणों को सलाह दी कि वे अपने मकानों और फसलों को हुए नुकसान का पूरा ब्यौरा संबंधित अधिकारियों को दें। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कृषि मंत्री से बात करेंगे ताकि प्रभावितों कोझ शीघ्र सहायता प्रदान की जा सके।

मदनूर में जलमग्न फसलों का कृषि अधिकारी ने किया निरीक्षण

मदनूर, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के कृषि अधिकारी ने शनिवार को पिछले दो-तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण जलमग्न फसलों का निरीक्षण किया। थडी हिप्पारगा, गोजेगांव, और सोनाला गांवों में प्रभावित फसलों का सर्वेक्षण करते हुए, अधिकारियों ने किसानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंडल कृषि अधिकारी ने एक प्रेस मीट में बताया कि बारिश के कारण मंडल में लगभग 2600 एकड़ सोयाबीन, कपास, पेसरा, और चने की फसलें क्षतिग्रस्त हुई हैं। गांव-गांव में फसलों के नुकसान का सर्वेक्षण किया जा रहा है, और इसकी विस्तृत रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपी जाएगी। किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपने नजदीकी कृषि विस्तार अधिकारी (एईओ) के पास क्षतिग्रस्त फसलों का विवरण दर्ज कराएं। एईओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे सर्वेक्षण पूरा कर शीघ्र रिपोर्ट तैयार करें।कृषि अधिकारी ने किसानों को जलमग्न फसलों की सुरक्षा के लिए निम्नलिखित उपाय सुझाए:-कंडी फसल में पाउडरी फफूंद की रोकथाम: 1 लीटर पानी में 2 ग्राम मेटालैक्सिल मिलाकर पौधे के मॉडल के पास डालें।-कपास में जड़ सड़न की रोकथाम: 3 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 1 लीटर पानी में घोलकर पौधों के चारों ओर डालें।-पोषक तत्वों की पूर्ति: मल्टी के (13-0-45) जल में घुलनशील उर्वरक को 5-10 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर फसलों पर छिड़काव करें।कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 31 अगस्त, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

साक्षात भगवान का दर्शन करने के बाद भी भजन जरूरी : इंद्रेश जी उपाध्याय

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। साक्षात भगवान का दर्शन करने के बाद भी भजन जरूरी है, क्योंकि प्रत्यक्ष दर्शन रावण को भी हुआ था। दर्शन से मति नहीं बदलती, मति तो जप से ही बदलती है, नाम से ही बदलती है। ये उद्गार शमशाबाद स्थित एस.एस. कन्वेंशन में शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज एवं ओम शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल द्वारा खाटू श्यामीजी के महाराज प्रताप सिंहजी चौहान एवं महाराज श्याम सिंहजी चौहान के सान्निध्य में आयोजित श्री गिरध-रलाल जी कृपा उत्सव गौ सेवार्थ पूर्णतया समर्पित दिव्य श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कथा वाचक इंद्रेश जी उपाध्याय ने व्यक्त किए।

इंद्रेश जी उपाध्याय ने कहा कि भाग्यनगर (हैदराबाद) में भागवत कथा एक अद्भुत संयोग से हुई है। हमारी सतनानी वैदिक परंपरा का प्रारंभ गणेश पूजन से होता है। स्वाभाविक रूप से प्रथम दिन यह पूर्व योजना नहीं थी कि हम गणेश चतुर्थी से शुरू करें, लेकिन यह अपने आप ही योजना बन गई कि गणेश चतुर्थी से कथा का प्रारंभ हुआ। सर्वप्रथम पूजन में गणेश जी का ही पूजन किया जाता है, तो भागवत जी कथा वैसे ही हर जगह शुभ होती है और यहां प्रारंभ में ही गणेश पूजन हो गया। फिर गणेश पूजन के बाद प्रारंभ होता है शुभ कार्य, तो उसके बाद गुरु पूजन होना चाहिए। तो गुरु पूजन के रूप में ऋषि पंचमी आ गई, उस दिन ऋषियों का पूजन हो गया। रविवार को राधाष्टमी है। राधाष्टमी से अगले सात दिन तक जो तिथि है, उसे श्रीमद् भागवत जयंती मनाई जाती है। तो कथा का विश्राम भागवत जी की जयंती पर हो रहा है। महाराज ने कहा कि कथा के प्रारंभ में गणेश चतुर्थी, मध्याह्न में राधाष्टमी और अंत में भागवत जयंती-यह बहुत बड़ा संयोग है और यह भाग्यनगर में ही हुआ है तथा पहली बार हुआ है। महाराज ने कहा कि कथा तो खाटू श्याम में होनी थी और दो महीने पहले तक तो वहीं व्यवस्था चल रही थी, लेकिन खाटू श्याम जी बोले कि हमारा मन कर रहा है कि कथा हैदराबाद में हो, ताकि हैदराबाद के युवा और यहां के वैष्णवों को थोड़ी जागृति हो जाए। जागृति अपने धर्म के प्रति, अपनी संस्कृति के प्रति, अपने नियमों के प्रति।

महाराज ने प्रसंग की शुरुआत कपिल भगवान के प्रसंग से की। उन्होंने कहा कि साक्षात भगवान का दर्शन करने के बाद भी भजन जरूरी है, क्योंकि प्रत्यक्ष दर्शन रावण को भी हुआ था। दर्शन से मति नहीं बदलती, मति तो जप से ही बदलती है, राम नाम से ही बदलती है। इंद्रेश जी उपाध्याय ने आगे प्रह्लाद का प्रसंग सुनाया तथा नन्दोत्सव का महत्व बताया।

नन्दोत्सव भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के अगले दिन मनाया जाने वाला उत्सव है, जो नंद बाबा द्वारा अपने पुत्र कृष्ण के जन्म की खुशी में आयोजित किया जाता है। यह उत्सव भाद्रपद कृष्ण नवमी को मनाया जाता है और यह नंद बाबा को सम्मानित करने का पर्व है, जो कृष्ण के पालक पिता थे। किंवदंती के अनुसार, वसुदेव ने नवजात कृष्ण को गोकुल में नंद के घर पहुंचाया, जहां नंद और यशोदा ने उन्हें अपनाया। नन्दोत्सव में भक्तजन कृष्ण की जन्म की खुशी में नाच-गान करते हैं, दान देते हैं और उत्सव मनाते हैं।

इस उत्सव का महत्व यह है कि यह कृतज्ञता, साझेदारी, समुदाय की एकता, भावनात्मक खुशी और सांस्कृतिक निरंतरता के जीवन सबक सिखाता है। नन्दोत्सव परिवारिक मूल्यों और समुदाय की खुशी को मजबूत करता है, जो दिव्य आशीर्वाद को एक साथ मनाने के महत्व को रेखांकित करता है। यह उत्सव भगवान कृष्ण के जन्म को केवल एक घटना नहीं, बल्कि समुदाय की खुशी और सेवा का प्रतीक बनाता है। इंद्रेश जी ने बताया कि नन्दोत्सव से हमें सीख मिलती है कि जीवन में खुशियां साझा करने से बढ़ती हैं और भक्ति के माध्यम से हम अपनी संस्कृति को जीवंत रख सकते हैं।

इससे पूर्व कथा वाचक इंद्रेश जी उपाध्याय ने विधायक टी. राजा सिंह एवं अन्य का सम्मान किया एवं आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर संकट मोचन धाम पीठाधीश्वर, बुंदेलखंड से पधारे ऋषि जी सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायिका श्रीमती रेशमी शर्मा एवं भजन गायक श्री शुभम रुपम ने भजन प्रस्तुत कर भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अवसर पर कथा यजमान रोशनलाल राजेश कुमार अग्रवाल, श्याम सुन्दर रामेश्वर डालिया, माणकचंद नरेश कुमार नालपुरिया, घीसाराम जगदीश प्रसाद अग्रवाल, ताराचंद शैलेश सोनी, भंडारा सहयोगी प्रभुदयाल पंच परिवार (टीबा बसई वाले), मोहनलाल सुशील कुमार अग्रवाल, प्रमुख यजमान भरत भूषण राहुल अग्रवाल, गुलाबचंद बैजनाथ सिग्नोड़िया, गजानंद सुरेश कुमार नालपुरिया, गुलाबचंद वासुदेव पोद्दार, जयनारायण शीतल पांडेय, रमेशचंद अग्रवाल मिल्लुराम रमेशचंद पोद्दार, राजेश अग्रवाल बनवारीलाल विजय कुमार, परसराम सिंघानिया हनुमान प्रसाद बाबूलाल सिंघानिया, शिवप्रकाशा बंसल, जतिन बंसल, नितिन बंसल, श्री भवानी ज्वेलर्स, पुरुषोत्तम भगेरिया, मुख्य यजमान विकास अग्रवाल, संतोष नरेड़ी, रतन केड़िया रोहित केड़िया, मनोहरलाल राकेश अग्रवाल नालपुरिया, विष्णु दयाल हितेश गुप्ता, रितेश संघीष गोपाल अग्रवाल, बद्रीप्रसाद ज्योति प्रसाद नाथूलाल सत्यनारायण, रविन्द्र कुमार अग्रवाल, जय जैन, ब्रिजमोहन संतोष कुमार चौखानी, महेश अग्रवाल मातादीन सुरेश कुमार गोयल, प्रभातीलाल

मुसद्दीलाल, मुन्नालाल अग्रवाल, अमित अग्रवाल, घीसालाल गोवर्धनदास तापड़िया, डालचंद लक्ष्मीप्रसाद सूरज प्रसाद डोकानिया, नागनाथ राजेश माशेट्टे, चन्द्रमोहन पंकज अग्रवाल महावीर प्रसाद सतीश अग्रवाल, आर. नानकराम परिवार ने सहयोग प्रदान किया।

पर्युषण पर्व का हृदय है क्षमापना : साध्वी गवेषणाश्री

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजा राजेश्वरी गार्डन में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा आयोजित क्षमापना (माफी मांगने) के कार्यक्रम में, साध्वी डॉ. गवेषणाश्री ने कहा कि पर्युषण पर्व का हृदय क्षमापना है। उन्होंने कहा कि अपने अपराधों के लिए माफी मांगना और दूसरों के अपराधों को भूलकर उन्हें माफ कर देना ही सच्ची क्षमा है।साध्वी गवेषणाश्री ने कहा कि क्षमा मांगने से कोई छोटा नहीं होता, बल्कि वह महान बन जाता है। क्षमा एक स्वस्थ मन की उर्वरता में पनपने वाले कल्पवृक्ष के समान है, जिसके फल, फूल और पत्ते सभी जीवों के लिए आवश्यक होते हैं। उन्होंने कहा कि जिसके पास क्षमा का हथियार और प्रेम का कवच होता है, उसे कोई पराजित नहीं कर सकता। यह आत्म-शुद्धि का एक आंतरिक तप है।

साध्वी मेरुप्रभा ने क्षमा को एक दिव्य दृष्टि बताया, जिससे हर कण प्रेममय और स्वागत करता हुआ प्रतीत होता है।

साध्वी मयंकप्रभा ने कहा कि यह जैन धर्म का अनुपम मैत्री पर्व है। क्षमा की शक्ति अपार है, और यह अपनी भलाई के लिए की जाती है। क्षमा सत्य जैसे गुणों की जननी और अवगुणों की विनाशिनी है।

साध्वी दक्षप्रभाजी ने मैत्री से संबंधित एक गीतिका प्रस्तुत करते हुए अपने विचार साझा किए।

इस कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भी क्षमापना पर्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इनमें श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष सुशील जी संचेती, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष राहुल गोलछा, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष वीरेंद्र घोसल, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बोथरा, जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष महेंद्र जी भंडारी, और तेरापंथ युवक परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष मनीष पटवारी शामिल थे।

इसके अतिरिक्त, श्री जैन सेवा संघ के उपाध्यक्ष विनोद संचेती, महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नमिता जी सिंघी, पूर्व मंत्री श्रीमती सुशीला जी मोदी, वरिष्ठ श्रावक प्रेमसुख बेंगानी, पूर्व अध्यक्ष सुरेश सुराणा, कशीद भेराराम और किशोर मंडल की ओर से जय पिंचा ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मीपत बैद ने किया।

नव भारत संगम द्वारा कुमारस्वामी के रूप में गणेश जी की मूर्ति की स्थापना

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । नव भारत संगम ने 18 फुट ऊंचे मंडप में कुमारस्वामी के रूप में भगवान गणेश की भव्य मूर्ति स्थापित की। मूर्ति की स्थापना के बाद, नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण ने प्रथम पूजा और महाआरती की।इस शुभ अवसर पर, इमामपुरा संगम के सदस्य बी. शिव कुमार के परिवार ने भगवान गणेश को 25 किलो का लड्डू भेंट किया।

इस कार्यक्रम में नव भारत संगम के कई प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, उपाध्यक्ष जी. विनय कुमार, महासचिव वाई. जसवंत कुमार, कोषाध्यक्ष एम. महेश बाबू, और संगम प्रतिनिधि डी. संतोष कुमार, डी. लक्ष्मीनारायण, बी. शिवकुमार, सी. आनंद, ए. गौतम, एम. नरेश, एस. अर्जुन, सी. नरसिंग राव, वी. अरुण, एस. राजा और अन्य महिला सदस्य शामिल थीं।

राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 का भव्य आयोजन

एनआईआईएमएच ने छात्रों को फिटनेस के प्रति किया जागरूक

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आयुष मंत्रालय और युवा मामले और खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार, महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त 2025) के अवसर पर, सीसीआरएएस-राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। ये कार्यक्रम डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी, सीसीअ-रएएस के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए।

29 अगस्त को इस आयोजन की शुरुआत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा फिटनेस की शपथ लेने के साथ हुई, जिसके बाद पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया।इसी क्रम में, संस्थान ने 30 अगस्त को गवर्नमेंट नेहरू मेमोरियल हाई स्कूल, मलकापेट में छात्रों के लिए एक विशेष जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। इसका उद्देश्य छात्रों को स्वस्थ रहने के महत्व के बारे में शिक्षित करना था।

डॉ. बिस्वो रंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (होम्योपैथी), के नेतृत्व में एक टीम ने दैनिक जीवन में फिट कैसे रहें विषय पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया। इस टीम में डॉ. दीपिका, एसआरएफ (आयुर्वेद), श्री श्रीनिवास राव, एलआईए, सुश्री प्रियंका, जेआरएफ (मेडिकल रिकॉर्ड), और सुश्री सोना, जेआरएफ (मेडिकल रिकॉर्ड) शामिल थीं।

व्याख्यान के दौरान, छात्रों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के सरल और प्रभावी तरीकों के बारे में बताया गया। छात्रों ने इस कार्यक्रम में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और सक्रिय रूप से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा प्रकट की।

एनआईआईएमएच का यह प्रयास युवा पीढ़ी में स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्थान भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखेगा ताकि एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण हो सके।

आराम घर चौरस्ता स्थित श्री दुर्गा ऑटो स्टैंड में गणपति नवरात्रि के उपलक्ष्य में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। इस दौरान, पंडित गणेश जोशी ने पूजा-अर्चना संपन्न कराई।पूजा में राजेश मोदी और ऑटो स्टैंड के सभी सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और सुख-समृद्धि की कामना की।

हिमायतनगर स्थित घरौंदा मैत्री अपार्टमेंट के फ्लैट मालिकों के संघ (एसोसिएशन) द्वारा भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। इस दौरान, अपार्टमेंट के कई निवासियों ने भगवान गणेश के दर्शन किए और पूजा-अर्चना में भाग लिया।

हब्सीगुड़ा में नौरतन सेठिया का तपस्या अभिनंदन समारोह

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हब्सीगुड़ा में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, हैदराबाद के पूर्व अध्यक्ष नौरतन सेठिया के 9 उपवास की तपस्या पूर्ण होने पर एक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर, हैदराबाद सभा के सदस्यों ने उनकी तपस्या का अनुमोदन और अभिनंदन किया।

इस कार्यक्रम में सुरेंद्र सिंगी, करणी सिंग बर्डिया, संदीप लूनिया, विजय गेलडा, प्रकाश बैद, विमल पुगलिया, खेतूलाल और संघ गायक दिलीप डागा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभी ने मिलकर नौरतन सेठिया जी की तपस्या की सराहना की और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

मूसारामबाग में तमन्ना गणेश एसोसिएशन द्वारा आयोजित गणेशोत्सव में कई भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर शिवनेश जायसवाल, संतोष अंचल जायसवाल, तमन्नाह, सुष्मिता, दीपराज और अन्य सदस्यों ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की।

परोपकार उत्सव में आहार दान और शिक्षा दान का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। परोपकार उत्सव के तहत पहले दिन आहार दान और दूसरे दिन शिक्षा दान का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।आहार दान के दौरान समाज की अनेक मातृशक्तियों ने एकजुट होकर विभिन्न स्थलों पर 108, 51, 25 या उससे अधिक लोगों को प्रसाद स्वरूप भोग वितरित किया। गणपति बप्पा की भांति माँ के हाथों का बना भोजन कर तृप्त होने की भावना से प्रेरित होकर माताओं ने प्रेम और समर्पण के साथ आहार दान किया, जिससे लोगों के हृदय जीत लिए।दूसरे दिन शिक्षा दान के तहत अनेक पंडालों में बच्चों ने स्लोक, भजन, नाटक, और स्किट प्रस्तुत कर समाज को संदेश दिया कि गणेश चतुर्थी केवल उत्सव नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति, और

परंपरा का पर्व है। गुजराती प्रगति स्कूल के लगभग 550 छात्रों ने वेद मंत्रों का उच्चारण, भजन गायन, और वेदिक ज्ञान के साथ शिक्षा और संस्कृति का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। अपार्टमेंट्स और समुदायों में भी बच्चों ने इतिहास और परंपराओं को जीवंत किया।इस पावन अवसर पर संस्कार फ्यूजन के अध्यक्ष भरत चांडा जी गगनभेदी स्वर में कहा, आज भाग्यनगर (हैदराबाद) ने सिद्ध कर दिया है कि कोई इसे वैदिक और सांस्कृतिक धारा से अलग नहीं कर सकता। परोपकार उत्सव की यह पहल समाज को नई दिशा दे रही है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा प्रदान कर रही है।परोपकार उत्सव की ये कोशिशें आज के उत्सवों को मात्र मनोरंजन से निकालकर सेवा, ज्ञान, और संस्कृति के प्रकाश में बदल रही हैं।

गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर अग्रवाल समाज, मलकपेट शाखा ने मलकपेट गंज स्थित अग्रसेन हॉल में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर समाज के कई प्रमुख सदस्य और पदाधिकारी मौजूद थे। इस धार्मिक आयोजन में अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सह-मंत्री शैलेश अग्रवाल, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, निश्चित अग्रवाल, सदस्य पंकज पटवारी, पीयूष अग्रवाल और अन्य सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर गणेशजी का आशीर्वाद लिया और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

डॉ. खुशबू बल्दवा ने कॉनससिया 2025 में दोनों बेस्ट स्माइल डिज़ाइनर पुरस्कार जीतकर रचा इतिहास

चेन्नई, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। चिकित्सा के वैश्विक मंच पर भारत ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। चेन्नई में 28 से 31 अगस्त 2025 तक आयोजित प्रतिष्ठित कॉनससिया 2025 सम्मेलन में भारतीय डेंटल सर्जन डॉ. खुशबू बल्दवा ने एशिया के सर्वश्रेष्ठ स्माइल डिज़ाइनर श्रेणी के दोनों सर्वोच्च पुरस्कार जीतकर देश का मान बढ़ाया है। यह पहली बार है कि किसी एक विशेषज्ञ ने इस श्रेणी के दोनों पुरस्कार अपने नाम किए हैं, जो इस उपलब्धि को अभूतपूर्व बनाता है।

एशियन ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन्स (एओएफसीडी) द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य थीम डिजिटल डेंटिस्ट्री और भविष्य के इनोवेशन रहा। इसमें एशिया भर के दिग्गज विशेषज्ञों ने नवीनतम तकनीकों और शोध पर चर्चा की। ऐसे में डॉ. खुशबू की इस शानदार उपलब्धि ने भारतीय चिकित्सा पद्धति और कौशल की वैश्विक उत्कृष्टता को रेखांकित किया है।पुरस्कार ग्रहण करने के बाद डॉ. खुशबू बल्दवा ने अपनी जीत को भारत के नवाचार और दृढ़ संकल्प को समर्पित करते हुए कहा, यह पुरस्कार मेरा नहीं, बल्कि न्यू इंडिया के हर उस इनोवेटर का है जो चुपचाप भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए काम कर रहा है। यह उस भारत की जीत है जो अब अनुसरण नहीं, बल्कि आविष्कार करता है। उन्होंने भारत में हो रहे नवाचारों पर प्रकाश डालते हुए बताया, हम 3डी प्रिंटिंग से कस्टम इम्प्लांट बनाने, एआई पावर्ड सिमुलेशन से मरीजों को इलाज से पहले परिणाम दिखाने और मेक इन इंडिया के तहत विश्वस्तरीय बायो-मटेरियल विकसित करने जैसे क्रांतिकारी काम कर रहे हैं। यह तकनीक हमें मरीजों के लिए सटीक और प्राकृतिक मुस्कान डिज़ाइन करने में मदद करती है।

डॉ. खुशबू ने भारत के भविष्य पर अपनी दृष्टि साझा करते हुए कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि अगला दशक डेंटल साइंस में भारत का होगा। हम न केवल दुनिया के लिए सर्वश्रेष्ठ स्माइल डिज़ाइनर तैयार करेंगे, बल्कि इस क्षेत्र में वैश्विक नवाचार और अनुसंधान का नेतृत्व भी करेंगे। भारत गुणवत्तापूर्ण और किफायती डेंटल टूरिज्म का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा।

श्री कार्तिकेय ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज की सीएमडी और समाजसेवी भगवती बल्दवा ने कहा, यह केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि डॉ. खुशबू की अटूट इच्छाशक्ति, समर्पण, कड़ी मेहनत और असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। वह हर उस बेटी और बहू के लिए प्रेरणास्रोत हैं जो अपने सपनों को पंख देना चाहती हैं।

प्रसिद्ध उद्योगपति और दानदाता महेश बल्दवा ने कहा, खुशबू हमारे परिवार का गौरव, अभिमान और शक्ति हैं। यह उपलब्धि पूरे बल्दवा परिवार के लिए उत्सव का अवसर है। वहीं, खुशबू के पति और इग्जोरियल बायोमैड के सीईओ कार्तिकेय बल्दवा ने कहा, यह सिर्फ खुशबू की नहीं, बल्कि पूरे डेंटल समुदाय की उपलब्धि है। उनकी यह जीत उनके अथक समर्पण, इनोवेटिव दृष्टिकोण और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है।हैदराबाद के बल्दवा परिवार की बहू डॉ. खुशबू ने अपने काम, जो कला और विज्ञान का अनूठा संगम है, से यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय चिकित्सक न केवल ज्ञान और कौशल में, बल्कि नवाचार और कलात्मक उत्कृष्टता में भी विश्व में सर्वश्रेष्ठ हैं। उनकी यह उपलब्धि देश की उन लाखों युवतियों और चिकित्सा पेशेवरों के लिए प्रेरणा है जो अपने क्षेत्र में शिखर पर पहुंचने का सपना देखते हैं। इस ऐतिहासिक जीत ने न केवल बल्दवा परिवार, बल्कि पूरे भारत को उत्सव का अवसर प्रदान किया है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगे की शान को और बुलंद किया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी उमा भारती का धमाकेदार बयान

पीओके वापस लेंगे, तभी भारत का मकसद पूरा होगा

मालेगांव विस्फोट मामले की दोबारा जांच होनी चाहिए

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा की फायरब्रांड नेता उमा भारती ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को वापस लेना हर भारतीय के मन में है। जब यह हो जाएगा तभी हमारा उद्देश्य पूरा होगा। साध्वी ने पाकिस्तान द्वारा आतंकियों को संरक्षण देने पर भी तीखी प्रतिक्रिया जताई और कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देकर खुद ही अपने पतन की ओर बढ़ रहा है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की और उन लोगों को करारा जवाब दिया, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़े किए। उमा भारती ने कहा, ऐसे लोग देश की बदनामी करते हैं, राष्ट्रीय गर्व को नहीं समझते और राजनीति करने के योग्य नहीं हैं। हमारा अंतिम लक्ष्य पीओके वापस लेना है। पीओके वापस लेने के बाद ही हमारा उद्देश्य पूरा होगा। मैं उन लोगों को जवाब नहीं देना चाहती जो भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता पर सवाल उठा रहे हैं। वे भारतीय सशस्त्र बलों का सम्मान करना नहीं जानते, और वे राजनीति करने के भी काबिल नहीं हैं। उमा भारती ने 1994 में संसद द्वारा पारित उस सर्वसम्मत प्रस्ताव का भी उल्लेख किया जिसमें पीओके को भारत का अभिन्न हिस्सा घोषित किया गया था। साध्वी ने यह भी कहा कि भारत ने हमेशा पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी है और हम ही इसे समाप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि इस समस्या का समाधान प्राकृतिक न्याय है। पाकिस्तान जब आतंकवाद के कारण खुद नष्ट होगा, तभी उसे होश आएगा।साध्वी उमा भारती ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले पर कहा कि यह हिंदुओं को बदनाम करने और तुष्टिकरण की राजनीति करने की साजिश थी। इस साजिश में शामिल लोगों को देश की प्रतिष्ठा की कोई परवाह नहीं थी। उन्हें केवल सत्ता की परवाह थी। लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित, साध्वी प्रज्ञा सिंह और अन्य को निशाना बनाया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित को बहुत प्रताड़ित किया गया। कर्नल पुरोहित के नाखून उखाड़ दिए गए थे। साध्वी प्रज्ञा सिंह को इतनी बेरहमी से प्रताड़ित किया गया कि अब वह चलने में भी असमर्थ हैं। साध्वी प्रज्ञा को गंभीर यातनाएं सहनी पड़ीं।

उमा भारती ने अपने सुरक्षा दल में शामिल एक अधिकारी के साथ हुई बातचीत को याद करते हुए कहा, मेरे सुरक्षा निरीक्षक, जिन्होंने विदेश में प्रशिक्षण लिया था, वहां महाराष्ट्र एटीएस के सदस्यों से मिले। एक अधिकारी ने उन्हें बताया कि साध्वी प्रज्ञा को बड़ी बेरहमी से प्रताड़ित किया गया, उन्हें 100 से ज्यादा थप्पड़ मारे गए, जिससे उनके गाल काले पड़ गए थे। उनकी रीढ़ की हड्डी लगभग टूट गई थी। उस अधिकारी ने उन्हें बताया कि उस यातना के दौरान भी वह ओम का जाप करती रहीं। साध्वी ने मालेगांव मामले की नए सिरे से जांच कराने की मांग की। उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा कि 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित, साध्वी प्रज्ञा सिंह के नाम क्यों जोड़े गए और असली दोषियों को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? यह जांच का विषय है और असली दोषियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

हर परिवार की एक महिला को रोजगार के लिए धन देगी नीतीश सरकार

पटना, 30 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महिलाओं ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना शुरू की है। योजना के तहत हर परिवार की एक महिला को अपनी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी। सरकार की ओर से महिलाओं को 10 हजार रुपए दिए जाएंगे। कैबिनेट की बैठक में सीएम नीतीश कुमार ने योजना को मंजूरी दी। इसकी जानकारी देते हुए सीएम ने बताया कि योजना की पहली किस्त सितंबर 2025 में महिलाओं के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर की जाएगी।इसके साथ रोजगार शुरू करने के 6 महीने बाद काम का आकलन करने के बाद 2 लाख तक की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की जाएगी। सरकार महिलाओं के रोजगार को बढ़ावा देने और उनके बनाए उत्पादों की बिक्री के लिए गांवों से लेकर शहर तक हाट बाजार भी बनाएगी। यह कदम महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उठाया गया है। सीएम ने कहा, अब महिलाएं अपनी मेहनत से न केवल प्रगति में अपना योगदान दे रही हैं बल्कि वे अपने परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रही हैं।

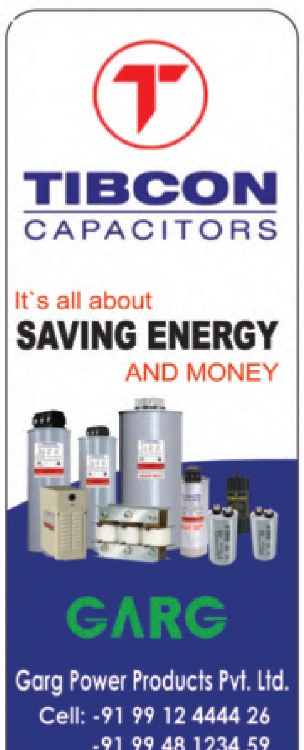

कार्टून कॉर्नर

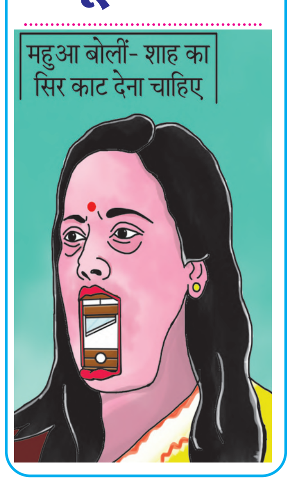

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 23^0

रिलायंस समूह के प्रमुख मुकेश अंबानी ने की कई घोषणाएं

अब गूगल का साझेदार बना रिलायंस

नई एआई कंपनी रिलायंस इंटेलिजेंस का ऐलान

मुंबई, 30 अगस्त (एजेंसियां)। रिलायंस उद्योग की 48वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने अपनी नई एआई कंपनी रिलायंस इंटेलिजेंस की लॉन्चिंग का ऐलान किया। उन्होंने कई बड़ी घोषणाएं कीं। इनमें 2026 में जियो का आईपीओ लाने और एआई आधारित नए उत्पादों की शुरुआत जैसी कई अहम बातें शामिल रहीं। इस बैठक में 44 लाख से अधिक शेयरधारकों ने भाग लिया। मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो का आईपीओ 2026 की पहली छमाही में लॉन्च किया जाएगा। यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है, जिससे वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने की उम्मीद है। जियो के पास वर्तमान में 500 मिलियन (50 करोड़) से अधिक ग्राहक हैं और आईपीओ के जरिए कंपनी को वैश्विक स्तर पर विस्तार का अवसर मिलेगा।

जियो ने अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं। और इस दौरान कंपनी ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। कंपनी ने 500 मिलियन (50 करोड़) ग्राहकों का आंकड़ा पार कर लिया। यह संख्या अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस की कुल जनसंख्या से भी ज्यादा है। मुकेश अंबानी ने इसे ग्राहकों के अटूट विश्वास और समर्थन का प्रतीक बताया। उन्होंने एजीएम में कहा, जियो परिवार ने 500 मिलियन ग्राहकों का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि हर उस व्यक्ति की है जिसने जियो पर भरोसा किया और इसे अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाया।

बैठक में अंबानी ने बताया कि रिलायंस कंपनी ने 2024-25 में 10.71 लाख करोड़ रुपए का रेवेन्यू दर्ज किया है। उन्होंने कहा, हम पहली भारतीय कंपनी हैं जिसने 125 बिलियन का रेवेन्यू दर्ज किया है, 2.84 लाख करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट किया। कंपनी ने 3 साल में 5.6 लाख करोड़ रुपए का निवेश भी किया एजीएम में रिलायंस की एआई रणनीति भी सामने आई। अंबानी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे युग की कामधेनु है। रिलायंस इंडस्ट्रीज रिटेल, पॉवर, टेलीकॉम और एंटरटेनमेंट सेक्टर में एआई को शामिल करने की ओर काम कर रहा है।

अंबानी ने कहा कि जिस तरह अब तक जियो ने भारत को जिडिटल सेवाएं दी थीं, उसी तरह अब रिलायंस इंटेलिजेंस में हर भारतीय को एआई की सुविधा देगा। एक दशक पहले, डिजिटल सेवाएं रिलायंस के लिए एक नया विकास इंजन बनी थीं। अब हमारे सामने एआई के साथ जो अवसर है, वह उतना ही बड़ा है, अगर उससे भी बड़ा नहीं। जियो ने हर भारतीय के लिए हर जगह डिजिटल सेवाएं देने का वादा किया था और उसे पूरा किया। उसी तरह, रिलायंस इंटेलिजेंस हर भारतीय के लिए हर जगह एआई देने का वादा करती है।

बताते चलें कि कंपनी ने जियोब्रेन नाम का एक नया एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। मुकेश अंबानी ने नई एआई कंपनी रिलायंस इंटेलिजेंस की भी घोषणा की है। इसके 4 पहलू बताए गए हैं। इनमें एआई इंफ्रा, ग्लोबल पार्टनरशिप, एआई सर्विसेज और एआई टैलेंट को शामिल किया गया है। इस कंपनी के जरिए रिलायंस स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और छोटे उद्योगों के लिए सेवा उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा जियो एआई क्लाउड की भी घोषणा की गई, जो भारतीय भाषाओं में वॉयस कमांड के जरिए काम करेगा। रिलायंस इंटेलिजेंस के तहत वृहद स्तर पर डेटा सेंटर्स बनाए जाएंगे जो एआई के लिए तैयार होंगे। ये डेटा सेंटर्स हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) से चलेंगे, यानि, पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। साथ ही इनका इस्तेमाल पूरे देश में एआई को ट्रेन करने और चलाने के लिए किया जाएगा।कंपनी ने दो नए एआई-सक्षम डिवाइस भी पेश किए जियोफ्रेम्स और जियोपीसी। असल में जियोफ्रेम्स एक स्मार्ट चश्मा है जो एचडी वीडियो रिकॉर्डिंग, लाइव स्ट्रीमिंग और वॉयस असिस्टेंट जैसी सुविधाएं देगा। वहीं जियोपीसी एक ऐसा डिवाइस है जो किसी भी टीवी को एआई- रेडी कंप्यूटर में बदल सकता है। अंबानी ने कहा, रिलायंस इंटेलिजेंस विश्वस्तरीय शोधकर्ताओं, इंजीनियरों, डिजाइनरों और उत्पाद निर्माताओं के लिए एक केंद्र बनाएगी, जहां अनुसंधान की गति और इंजीनियरिंग की दृढ़ता को मिलाकर विचारों को नवाचारों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों में बदला जाएगा, जिससे भारत और दुनिया को समाधान मिलेंगे।

इन घोषणाओं से साफ जाहिर है कि रिलायंस अब पारंपरिक ऊर्जा और रिटेल के साथ साथ डिजिटल और एआई क्षेत्र में तेजी से कदम बढ़ा रही है। जियो का आईपीओ और एआई उत्पादों की श्रृंखला भारत को तकनीकी रूप से एक नई ऊंचाई पर ले जाने की क्षमता रखते हैं। इसके साथ ही मुकेश अंबानी ने यह भी घोषणा की कि रिलायंस अब गूगल के साथ साझेदारी कर रही है ताकि ऊर्जा, रिटेल, टेलीकॉम और वित्तीय सेवाओं जैसे अपने व्यवसायों को एआई के माध्यम से रूपांतरित किया जा सके। इस एआई पर काम करने के लिए दोनों कंपनियां मिलकर जामनगर क्लाउड रीजन की स्थापना कर रही हैं, जो गूगल क्लाउड की विश्वस्तरीय एआई और कंप्यूटिंग क्षमताओं को रिलायंस की स्वच्छ ऊर्जा से संचालित करेगी और जियो के नेटवर्क से जुड़ी होगी।

शुभ लाभ Classifieds

FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, VIJAYAMMA S w/o. Mohan, dependent of RAJU. M R/o. Kottakkattu, Chirayil, Kumarapuram, Po. Pothapplly, Haripad, Allappey, Kerala has changed my name VIJAYAMMA S to VIJAYAMMA through Affidavit no. 34AA 487754. Henceforth call me as VIJAYAMMA

CHANGE OF NAME

I, JIGYASHA VERMAN S/o. SANJEEV KUMAR VERMAN, R/o. Piprithan, Churli, Kishanganj, Bihar-855116 has changed my name JIGYASHA VERMAN to JIGYASA VERMAN through Affidavit no. 34AA 487850. Henceforth call my name as JIGYASA VERMAN.

CHANGE OF DOB

I, GUTHIKOBDA MANASA spouse of Service No. 14665143F NK/AUTO TECH B VECH GUTHIKONDA PRASHANTH Resident of H.No.20/87, Himmat Nagar, RK-6 Huts, Singapur, Dist:Adilabad, Andhra Pradesh-504302 have changed my Date of Birth from 29-10-1990 to 29-10-1989 vide affidavit Sl.No.BM 751671 dt:30-8-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME AND DOB

I, KISAN Father of Service No. 14683930L Hav AGHAV KIRAN KISAN, Resident of Vill:Mahegaon, PO:Padhegaon, Teh:Rahuri, Dist:Ahilyanagar, Maharashtra-413721 have changed my name and DOB from KISAN, DOB: 01-07-1958 to KISAN DADA AGHAV, DOB: 01-01-1950 vide affidavit Sl.No.BM 751672 dt:30-8-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम का शपथ ग्रहण समारोह और संबोध कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी के सान्निध्य में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (ढझ्रऋ) का शपथ ग्रहण समारोह और 'एक कदम अध्यात्म की ओर' विषय पर संबोध कार्यशाला का आयोजन किया गया।

साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी ने नवगठित टीपीएफ टीम को संबोधित करते हुए कहा कि सभी सदस्यों को संघ के प्रति सेवा भाव रखते हुए निर्धारित संकल्पों के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने धर्मसंघ के महत्व पर जोर देते हुए इसके अनुसरण का संदेश दिया और नई टीम के लिए आध्यात्मिक मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।निवर्तमान अध्यक्ष पंकज संचेती ने नवमनोनीत अध्यक्ष वीरेंद्र घोषल को शपथ दिलाई और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके बाद, वीरेंद्र घोषल ने अपनी टीम के पदाधिकारियों और कार्यसमिति सदस्यों को शपथ दिलाई।

अध्यक्ष का विज़न: नवगठित टीम के अध्यक्ष वीरेंद्र घोषल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य टीपीएफ को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। उन्होंने 'हमारा संघ हमारा दायित्व' के नारे को सार्थक करने की बात कही और सभी पूर्व अध्यक्षों से सहयोग की अपील की। उन्होंने गुरुदेव आचार्य महाश्रमणजी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु के आशीर्वाद से सब सफल हो जाता है।

राष्ट्रीय सहमंत्री का आह्वान: टीपीएफ के राष्ट्रीय सहमंत्री मोहित बैद ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए ढझ्रऋ की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने सदस्यों से समर्पण भाव से कार्य करने और धर्मसंघ की शक्ति को बढ़ाने के लिए एकता के साथ काम करने का आग्रह किया।प्रमुख सदस्यों की उपस्थिति: इस अवसर पर तेरापंथ सभा सिकंदराबाद के अध्यक्ष सुशीलजी संचेती, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष राहुलजी गोलेच्छा और अणुव्रत समिति अध्यक्ष राजेंद्रजी बोथरा ने नई टीम को शुभकामनाएं दीं। साध्वी दक्षप्रभाजी और साध्वी मयंकप्रभा जी ने गीतिका के माध्यम से टीम का उत्साह बढ़ाया।संबोध कार्यशाला: साध्वी श्री डॉ. गवेषणा जी ने 'एक कदम अध्यात्म की ओर' विषय पर संबोधित करते हुए ढझ्रऋ सदस्यों को 'तीन झ' यानी पीसफुल माइंड (शांत मन) और पॉजिटिव थिंकिंग (सकारात्मक सोच) का महत्व समझाया।

इस कार्यक्रम में टीपीएफ राष्ट्रीय टीम के कोषाध्यक्ष नरेश कोठिया, ऑर्गनाइजेशन डेवलपमेंट चेयरमैन ऋषभ दुगड़ और इंटेलेक्चुअल सर्विसेज प्रोजेक्ट चेयरमैन दीपक संचेती भी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष निखिल कोटेचा ने किया, जबकि मंत्री अणुव्रत सुराणा ने सभी का आभार व्यक्त किया। शपथ ग्रहण के बाद नवगठित समिति की पहली बैठक भी आयोजित हुई।

चूड़ी बाजार में गणेशोत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। चूड़ी बाजार स्थित भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी के निवास पर गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान गणेश भगवान की पूजा-अर्चना की गई, जिसमें सोनी परिवार और कड़ेल परिवार के सदस्यों ने भाग लिया।पूजा में मुकेश कुमार सोनी के साथ-साथ जेठमल सोनी, सुरेश कुमार सोनी, अभिषेक सोनी, जय लक्ष्मी सोनी, यस सोनी और कड़ेल परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और सुख-समृद्धि की कामना की।

सुल्तान शाही में वाल्मीकि गणेश उत्सव समिति द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के प्रसंग में गणेश जी की मूर्ति स्थापित की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया और पूजा-अर्चना की।

प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार और सीधी रेल सेवा के लिए केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी से अपील

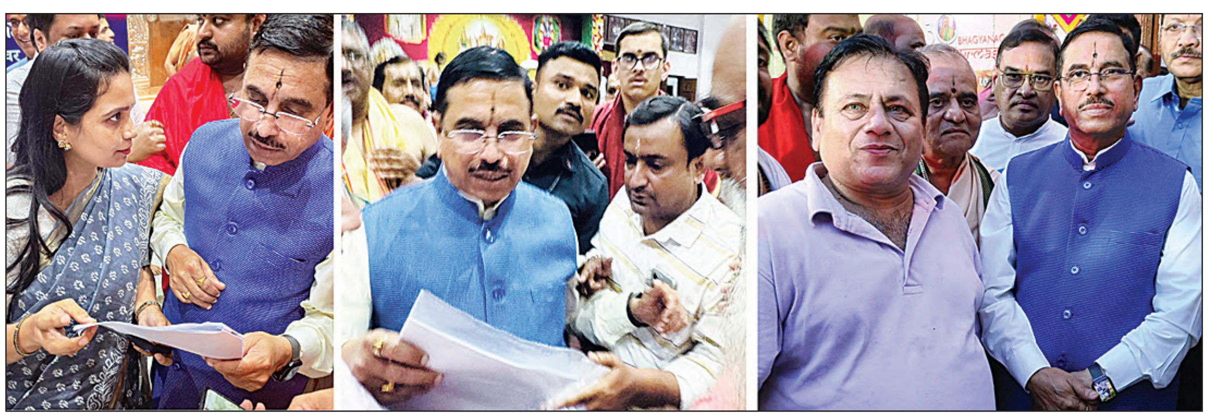

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट और प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद वेंकटेश जोशी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार के साथ-साथ हैदराबाद से कच्छ के लिए सीधी रेल सेवा शुरू करने में सहयोग की अपील की।यह मुलाकात काचीगुडा स्थित उत्तराधी मठ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई।

प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए ऑल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन जसमत पटेल ने बताया कि ट्रस्ट भारत और पड़ोसी देश श्रीलंका में अति प्राचीन और जर्जर हो चुके मंदिरों के जीर्णोद्धार का कार्य कर रहा है। ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य प्राचीन मंदिरों को उनकी मूल भव्यता में फिर से स्थापित करना और पारंपरिक मंदिर वास्तुकला व अनुष्ठानों को संरक्षित करना है।

इस अवसर पर ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन रिद्धीश जागीरदार और ट्रस्टी डॉ. समता, तथा श्री कच्छी मित्र मंडल और श्री गुजराती प्रगति समाज के कार्यकारी सदस्य दिनेश गोसर ने मंत्री को ट्रस्ट के कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार ने केंद्रीय मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने हैदराबाद/सिकंदराबाद से कच्छ (गांधीधाम, भुज, नलिया एयरबेस) तक सीधी रेल सेवा शुरू कराने में सहयोग का अनुरोध किया। उन्होंने मंत्री को नवंबर 2022 में कच्छी और गुजराती समाज को दिए गए उनके आश्वासन की भी याद दिलाई और इस मामले में जल्द से जल्द उचित कार्रवाई करने का निवेदन किया।

सिखवाल समाज के कर्मठ समाज चिंतक श्रीवल्लभ जी पंडित की प्रथम पुण्यतिथि पर ऋषि श्रृंग भवन में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस शोक सभा में रामलाल पंडित, धनराज पंडित, दीपक पंडित, अजय पंडित, रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, भगवान नागला, कांतिलाल नागला, विजय कुमार ओझा, चंद्रमोहन तिवाड़ी, अशोक तिवाड़ी, सुरेश तिवाड़ी, आशीष पंडित, संतोष पंडित, दिलीप जायलवाल, संदीप जायलवाल, विजय शर्मा, पांडिया ओमनारायण पंडित, संदीप पंडित, संजय पांडिया, कमलनारायण उपाध्याय और सिखवाल समाज के अन्य सदस्य उपस्थित थे। सभी ने मिलकर श्री श्रीवल्लभ जी के योगदान को याद किया और उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

समाजसेविका सुनीता रवि गढ़वाणी का 50वां जन्मदिन समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर, जैन वुमेन्स फोरम की संयोजिका रंजना शाह और तोरल रिद्धीश जागीरदार ने सुनीता रवि गढ़वाणी का अभिनंदन किया। इस समारोह में कोमल नरेश पारेख, कुसुम राजेश कटारिया और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। सभी ने मिलकर सुनीता रवि गढ़वाणी को उनके 50वें जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं।

फीलखाना स्थित ऋषि श्रृंग भवन के पास इलेवन टाइगर गणेश पंडाल में सिखवाल समाज के कई सदस्यों ने पूजा-अर्चना और दर्शन का लाभ लिया। इस दौरान भगवान व्यास निम्बेडा, रामदेव नागला, कमलनारायन उपाध्याय, चेतन उपाध्याय और श्याम व्यास भाऊ सहित कई भक्तों ने भगवान गणेश की आरती में भाग लिया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया महत्वपूर्ण निर्देश

मजनू का टीला से नहीं हटेंगे हिंदू शरणार्थी

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मजनू का टीला इलाके में रह रहे पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों को बड़ी राहत दी है। उच्चतम न्यायालय ने फिलहाल पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों को वहां से हटाने पर रोक लगा दी है। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाते हुए केंद्र सरकार और डीडीए को नोटिस जारी किया है।दिल्ली उच्च न्यायालय ने 30 मई को मजनू का टीला पर बने पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी कैंप को हटाने से रोकने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी थी। इस कैंप में करीब 800 शरणार्थी रहते हैं। उच्च न्यायालय ने कहा था कि मजनू का टीला बाढ़ग्रस्त इलाके में बना हुआ है, लिहाजा वहां शरणार्थियों को रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। हिंदू शरणार्थियों की ओर वकील विष्णु शंकर जैन ने पैरवी की।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि पाकिस्तान से आए ये शरणार्थी अभी टीन शेड में रह रहे हैं। उन्हें भारत की नागरिकता मिलने की उम्मीद है।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद हिंदू शरणार्थियों में खुशी का माहौल है। उनका कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला भी उनकी बेहतरी के लिए होगी।

बेगम बाजार स्थित एसबी कॉम्प्लेक्स के श्री बाल गणेश मंडल में कई भक्तों ने पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया। इस दौरान कीर्ति तिवारी, दिव्यांशी शर्मा, कनिका हवानी, कोमल, नंदनी और कुणाल सहित अन्य भक्तगण मौजूद रहे। सभी ने मिलकर गणेशजी की आरती की और सुख-समृद्धि की कामना की।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

No. Y/C.432/ E-Auction/HYB/2025-26 DT.28.08.2025

PUB/1058

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, हैदराबाद मंडल द्वारा निम्नलिखित वाणिज्यिक आय अनुबंधों के लिए https://www.ireps.gov.in के माध्यम से ई-नीलामी आयोजित किया गया है। ई-नीलामी की अनुसूची नीचे दी गई है:

क्रम .सं.	श्रेणी	सूची सं.	विवरण	नीलामी तिथि	नीलामी प्रारंभ समय	नीलामी समापन समय
1	पार्किंग-HYB-ATC MX-110-25-1(पार्किंग-मिश्रित)	HYB-Prkg-ATC	आर्ट्स कॉलेज स्थित मिनी बसों और बसों सहित दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग स्थल।	05.09.25	10:00	10:30
2	पार्सल	HYB-मिश्रित-045	ट्रेन संख्या 1) 12794 (FSLR-1) 2) 17023 (FSLR-1)	09.09.25	12:00	12:40

A1321
वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्य प्रबंधक, हैदराबाद

नेचर क्लाइमेट चेंज पत्रिका की ताजा रिपोर्ट से खुलासा

जंगल उजड़ने से 20 साल में पांच लाख लोगों की जान गई

दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे ज्यादा 50 प्रतिशत मौतें

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)। नेचर क्लाइमेट चेंज पत्रिका में प्रकाशित हालिया रिपोर्ट में खुलासा किया है कि पिछले 20 वर्षों में जंगलों की अंधाधुंध कटाई के कारण दुनियाभर में पांच लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। ये मौतें सीधे तौर पर बढ़ते तापमान और उससे होने वाली बीमारियों से जुड़ी हैं। तापमान में वृद्धि और जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरणीय संकट नहीं बल्कि इंसानी जीवन के लिए भी खतरा बन चुका है। नेचर क्लाइमेट चेंज पत्रिका में प्रकाशित हालिया रिपोर्ट में खुलासा किया है कि पिछले 20 वर्षों में जंगलों की अंधाधुंध कटाई के कारण दुनियाभर में पांच लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। ये मौतें सीधे तौर पर बढ़ते तापमान और उससे होने वाली बीमारियों से जुड़ी हैं।

ब्राजील, घाना और ब्रिटेन के वैज्ञानिकों की टीम ने किया।इसमें जंगल काटे गए और सुरक्षित क्षेत्रों में तापमान और बिना हादसों से हुई मौतों के आंकड़े इकट्ठे किए गए। दोनों की तुलना के बाद यह साफ हो गया कि जहां जंगल कटे, वहां तापमान कई गुना अधिक बढ़ा और मौतें भी अधिक हुईं। जंगलों को पृथ्वी का फेफड़ा कहा जाता है। वे ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, कार्बन डाइऑक्साइड सोखते हैं और मौसम का संतुलन बनाए रखते हैं। लेकिन जब बड़े पैमाने पर पेड़ों को काटा जाता है तो छाया और नमी घटती है, वर्षा कम हो जाती है और जंगलों में आग लगने का खतरा बढ़ जाता है।

अध्ययन के अनुसार 2001 से 2020 तक की अवधि का विश्लेषण किया गया। इसमें सामने आया कि करीब 34.5 करोड़ लोग जंगलों की कटाई से पैदा हुई गर्मी से प्रभावित हुए। इनमें से लगभग 26 लाख लोगों को तीन डिग्री सेल्सियस तक अतिरिक्त गर्मी झेलनी पड़ी। औसतन हर साल 28,330 लोगों की मौत इस अतिरिक्त गर्मी से दर्ज की गई। दो दशकों में लगभग पांच लाख मौतें हुईं। यह स्पष्ट करता है कि जंगलों को काटा जाना केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं है बल्कि यह सीधे तौर पर स्वास्थ्य और जीवन का संकट भी है।

अध्ययन में पाया गया कि मौतों का आंकड़ा सभी उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में समान नहीं था। दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे ज्यादा 50 फीसदी से अधिक मौतें दर्ज की गईं। इसका प्रमुख कारण यहां की घनी आबादी और गर्मी-संवेदनशील परिस्थितियां हैं। अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय इलाकों में मौतों का लगभग एक-तिहाई हिस्सा दर्ज हुआ। वहीं, मध्य और दक्षिण अमेरिका के अमेजन जैसे क्षेत्रों में बाकी मौतें दर्ज की गईं, जहां जंगलों की कटाई लगातार जारी है।

भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि देश के कुल भू-भाग का लगभग 21.7 प्रतिशत हिस्सा ही वन क्षेत्र है, जबकि वैश्विक औसत 31 प्रतिशत है। पिछले दशक में औद्योगिक और शहरी विस्तार के चलते लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र घटा है। इसी के साथ दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों में हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 2015 से 2023 के बीच भारत में 5,000 से ज्यादा लोगों की मौत हीटवेव के कारण हुई। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस बढ़ती गर्मी के पीछे अप्रत्यक्ष रूप से जंगलों की कमी भी बड़ी भूमिका निभा रही है।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

स्व. श्रीमती सुनीता सिंघानिया
के जन्म जयंती के अवसर पर
श्री सत्यनारायणजी मुरारीलालजी सिंघानिया, मलकपेट
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
Satish Kumar Gupta 92465 05234
Jagat Narayan Agarwal 92465 35311
Ram Prakash Goel 93910 14283
Mahesh Agarwal 98490 98502

मारवाड़ी–गुजराती समाज के खिलाफ गलत वीडियो प्रसारण के विरोध में ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पॉट मार्केट ज्वेलर्स एसोसिएशन सिकंदराबाद के तत्वाधान में मारवाड़ी और गुजराती समाज के खिलाफ यूट्यूब, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर वीडियो प्रसारित होने के विरोध में एक ज्ञापन डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) हैदराबाद डॉ. जितेंद्र, एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एडीजीपी) महेश भगवत, और डीसीपी नॉर्थ जोन आईपीएस रश्मी पेरुमल को सौंपा गया।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में बताया कि राजस्थानी, गुजराती और अग्रवाल समाज के खिलाफ गलत बयान, नारेबाजी, और सोशल मीडिया पर पोस्ट करना समाज में गलत संदेश फैला रहा है, जिससे लोग भयभीत हो रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मारवाड़ी, गुजराती, अग्रवाल, और सभी राजस्थानी समाज एक व्यापारिक समुदाय है, जो आपसी भाईचारे में विश्वास रखता है। विशेष रूप से, तेलंगाना की तरक्की में इस समाज ने सदियों से विशेष योगदान दिया है।

एसोसिएशन ने यह भी उल्लेख किया कि राजस्थानी, गुजराती, और अग्रवाल समाज शांति और भाईचारे में हमेशा विश्वास रखते हैं। मानव सेवा के क्षेत्र में जैन समाज द्वारा संचालित भगवान महावीर डायलिसिस सेंटर, हैदराबाद–सिकंदराबाद, पूरे भारतवर्ष में एक मिसाल है। राजस्थानी समाज हमेशा मानव सेवा, स्वास्थ्य सेवा, गौ सेवा, और अन्य कल्याणकारी कार्यों में अग्रणी रहा है।इस संदर्भ में, सभी पुलिस अधिकारियों ने एसोसिएशन को पूरा–पूरा सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने समाज की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

ज्ञापन सौंपने में एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक शेरमल जैन, उपाध्यक्ष उत्तमचंद कटारिया, पारसमल रांका, महामंत्री सुरेशचंद जैन, कोषाध्यक्ष सुरेश संचेती, सह मंत्री सुनील बोहरा, नेमीचंद मखाना, सागरमल लोढा, और किशोर रावल ने अहम भूमिका निभाई। इस प्रयास में पॉट मार्केट ज्वेलर्स एसोसिएशन के सभी व्यापारी और तेलंगाना के विभिन्न व्यापारिक संगठनों का सहयोग रहा।

समाजसेवी भारत चांडा और भाजपा नेता नितेश अग्रवाल ने गणेश पंडालों का भ्रमण कर जताई प्रसन्नता

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के प्रसिद्ध समाज–सेवी और संस्कार फ्यूजन के अध्यक्ष भारत चंदा, साथ ही घंसीबाजार डिवीजन के भाजपा अध्यक्ष नितेश अग्रवाल ने पर–ोपकार महोत्सव के तहत ओल्ड सिटी के घंसीबाजार क्षेत्र में स्थित कई गणेश पंडालों और संस्थाओं का संयुक्त रूप से भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान दोनों नेताओं ने पंडालों की भव्य सजावट, भक्तिमय वातावरण, और जनता के उत्साह को देखकर गहरी प्रसन्नता व्यक्त की।

भ्रमण के दौरान घंसीबाजार क्षेत्र के विभिन्न गणेश पंडालों में की गई शानदार सजावट और भक्ति भाव से ओतप्रोत माहौल ने दोनों नेताओं का ध्यान आकर्षित किया। पंडालों में भगवान गणेश की सुंदर मूर्तियों को फूलों, रंग–बिरंगी लाइट्स, और पारंपरिक सजावट से अलंकृत किया गया था, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना। जनता का उत्साह और भक्ति का प्रदर्शन, जिसमें भजन, आरती, और सामूहिक प्रार्थना शामिल थी, ने इस उत्सव को और भी विशेष बनाया।

इस अवसर पर भारत चंदा और नितेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि, परोपकार महोत्सव में जनता का जो उत्साह और ऊर्जा देखने को मिल रही है, वह सचमुच प्रेरणादायक है। गणेश चतुर्थी का पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य के रूप में जाना जाता है, जो हर शुभ कार्य की शुरुआत में बाधाओं को दूर करने और समृद्धि प्रदान करने के लिए पूजे जाते हैं। उनकी पूजा हमें एकता, ज्ञान, और परोपकार की भावना से जोड़ती है, जो इस महोत्सव का मूल आधार है।उन्होंने आगे कहा कि गणेश पूजा का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह हमें सकारात्मकता और समर्पण का पाठ सिखाती है। भगवान गणेश की पूजा से न केवल व्यक्तिगत विकास होता है, बल्कि समाज में आपसी प्रेम और सहयोग की भावना भी बढ़ती है। इस उत्सव के माध्यम से हम अपनी जड़ों से जुड़ते हैं और आने वाली पीढ़ियों को अपनी परंपराओं का गौरव सौंपते हैं।

नेताओं ने जोर देकर कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखते हैं, बल्कि युवाओं को समाजसेवा और सांस्कृतिक उत्थान की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी करते हैं। परोपकार महोत्सव के तहत आहार दान, शिक्षा दान, और सामाजिक एकता के प्रयास युवाओं को सेवा के प्रति जागरूक करते हैं, जो भविष्य में समाज को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस भ्रमण के दौरान दोनों नेताओं ने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे इस पवित्र पर्व को पूरे उत्साह के साथ मनाएं और भगवान गणेश के आदर्शों–सादगी, बुद्धि, और परोपकार–को अपने जीवन में अपनाएं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से न केवल धार्मिक भावनाएं प्रबल होती हैं, बल्कि समुदाय की एकता और सौहार्द भी बढ़ता है, जो हैदराबाद जैसे शहर के लिए गर्व की बात है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अन्नपूर्णा देवी सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि और खुशी पोद्दार के जन्मदिन के शुभ अवसर पर, हैदराबाद के राधे राधे ग्रुप ने नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया। यह सेवा बेगमबाजार स्थित गौशाला (पुल की माता के पास) और नामपल्ली के पब्लिक गार्डन (पिलर–ए1265) में सुबह 7:31 बजे से प्रदान की गई।

इस सेवा का आयोजन डॉ. पवन कुमार पोद्दार और डॉ. रुचिता पोद्दार परिवार द्वारा किया गया। इस पुण्य कार्य में राधे राधे ग्रुप के सदस्यों ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया, जिनमें जगत नारायण अग्रवाल, रितेश गुप्ता, राजेश सर योगा, पन्नालाल जी, गोविंद राम जी, शिव भगवान, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल, सूची अग्रवाल, आशीष, किशनपाल और रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगतराम गोयल, मनीष अग्रवाल, गोपाल गोयल, ई–जगन चंपपेट, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, डॉ. पवन पोद्दार, रुचिता पोद्दार, खुशी पोद्दार, मायारामजी अग्रवाल और अन्य सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी ने मिलकर जरूरतमंदों को भोजन कराकर पुण्य कमाया।

आप सभी सनातनी सादर आमंत्रित है| प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर | प्रतिदिन प्रसाद की व्यवस्था रखी गई है |

आज रविवार, 31 अगस्त 2025 : मुख्य अतिथि

स्वामी श्री पारस पुजारी जी – माँ वैष्णो देवी मंदिर, कटरा

उमा लहरी, जयपुर – सुप्रसिद्ध भजन गायिका

आज का उत्सव – गिरिराज उत्सव

बस व्यवस्था :

सिकन्दराबाद-महबूब कॉलेज	हीराजी : 9581384142
पुल की माता-बेगम बाजार	विजया जाजू : 9292207988
शमशेरगंज	आरती शर्मा : 8019345993
शादनगर	गोपीकिशन लड्डा : 9849155521
मलकपेट, डी-मार्ट	रितिक अग्रवाल : 8977186484

नोट : बस दोपहर ठीक 1 बजे उपरोक्त स्थानों से रवाना होगी।

कथा यजमान

- श्री राजेश जी अग्रवाल, श्री रोशनलाल जी राजेश कुमार जी अग्रवाल, मलकपेट (राजेश कॉरपोरेशन)
- श्री श्याम जी डालिया, श्री श्याम सुंदर जी रामेश्वर जी डालिया, निम्बोली अड्डा (श्री श्याम फुड इण्डस्ट्रीज)
- श्री माणकचन्द जी नरेश कुमार जी नालपुरिया, बंजारा हिल्स (बालाजी ग्रेनाईट इण्डस्ट्रीस)
- श्री घीसाराम जी जगदीश प्रसाद जी अग्रवाल (छोटी पचेरी) नारायणी ज्वेलर्स, हिमायतनगर
- श्री शैलेश जी सोनी रुपेश जी सोनी, श्री ताराचंद जी शैलेश जी सोनी, निम्बोली अड्डा
- भंडारा सहयोगी: श्री प्रभुदयाल जी पंच परिवार (टिबा बसई वाले), दिलसुखनगर
- भंडारा सहयोगी: श्री मोहनलाल जी सुशील कुमार जी अग्रवाल, जुबली हिल्स (दिव्यशक्ति इंडिया)

प्रमुख यजमान

- श्री भारत भूषण जी राहुल जी अग्रवाल, जुबली हिल्स, अग्रवंशी एल्यूमिनियम
- श्री गुलाबचन्द जी बैजनाथ जी सिंगनोदिया, जुबली हिल्स, श्री नवदुर्गा जेम्स एंड ज्वेल्स
- श्री गजानंद जी सुरेश कुमार जी नालपुरिया, बहादुरपुरा, श्री श्याम बाबा ज्वेल्स प्रा. लिमिटेड
- श्री गुलाबराय जी बासुदेव जी पोद्दार, डी.डी. कॉलोनी, पोद्दार ग्रेनाइट्स
- श्री जय नारायण जी शीतल जी पांडेय, दिल्ली
- श्री रमेशचंद जी अग्रवाल, श्री मिल्लुराम जी रमेशचंद जी पोद्दार, दोमलगुड़ा, रमेशचंद ज्वैलर्स
- श्री राजेश जी अग्रवाल, श्री बनवारीलाल जी विजयकुमार जी, बंजारा हिल्स, विजय कुमार शंकरलाल ज्वैलर्स
- श्री परसराम जी सिंघानिया, श्री हनुमान प्रसाद जी बाबूलाल जी सिंघानिया, शाहपुरनगर, सिंघानिया एग्रो इंडस्ट्रीज
- श्री शिव प्रकाश जी बंसल, श्री जतिन जी बंसल नितिन जी बंसल, जुबली हिल्स, ROXY
- श्री भवानी ज्वैल्स, हिमायत नगर । मलकपेट, नागौल । जेएनटीयु
- श्री पुरुषोत्तम जी भगेरिया, बंजारा हिल्स, साई प्लाईवुड

मुख्य यजमान

श्री निरंजनलालजी दिनेश कुमार जी विकास जी कुंछल, मारेडपल्ली BALAJI INFRA	श्री ईश्वर जी नरेडी बंजारा हिल्स नरेडी ज्वेल्स	श्री रतन जी केडिया रोहित जी केडिया हिमायतनगर आर एन के एग्रो लिमिटेड	श्री मनोहरलाल जी राकेश जी अग्रवाल नालपुरिया बंजारा हिल्स Baba Puranmal Chit Fund Pvt. Ltd.
श्री विष्णु दयाल जी हितेश गुप्ता जी बंजारा हिल्स रंगलाल पीरामल	श्री रितेश जी संगी DSR Somajiguda	श्री गोपाल जी अग्रवाल श्री बद्रीप्रसाद जी ज्योति प्रसाद जी नाथूलाल जी सत्यनारायण जी मुरली नगर	श्री रविंद्र कुमार जी अग्रवाल जुबली हिल्स Deevyashakti Realty
श्री जय जैन बेगमपेट SDG Gold, Hyderabad	श्री ब्रिजमोहन जी संतोष कुमार जी चौखानी बोईनपल्ली	श्री महेश जी अग्रवाल श्री मातादीन जी सुरेश कुमारजी गोयल ज्ञानबाग कॉलोनी	श्री प्रभाती लाल जी मुसद्दीलाल जी अलकापुर टाउन शिप बालाजी ग्रैण्ड बाजार
श्री मुन्नालाल अग्रवाल जी बंजारा हिल्स श्री शुभम ज्वेलर्स	Alankrith Jewellers Himayath Nagar	श्री अमित अग्रवाल जी श्री मुखराम दासजी दीनदयाल जी जुबली हिल्स	श्री घीसालाल जी गोवर्धन दास जी तापड़िया शमशेरगंज
श्री डालचंद जी लक्ष्मी प्रसाद जी सूरज प्रसाद जी डोकनिया दोमलगुड़ा व्हाइट हाउस	श्री नागनाथजी राजेश जी माशेट्टे घांसी बाजार भवानी ज्वेलर्स	श्री चंद्रमोहन जी पंकज जी अग्रवाल अत्तापुर मुस्कान रोटोपैक प्राइवेट लिमिटेड	श्री महावीर प्रसाद जी सतीश जी अग्रवाल हाईकोर्ट न्यू एस एस टेक्स
श्री आर. नानकराम जी परिवार सोमाजीगुडा नानक एंड कंपनी	श्री विजय अग्रवाल श्री विनय अग्रवाल पी. सत्यनारायण सन्स एण्ड ज्वेलर्स	जय गौ माता	जय गौ माता

आयोजक : शिव मंदिर गौशाला, शमशेरगंज * ॐ शिव मंदिर गौशाला, पालमाकुल

संपर्क सूत्र : 9214100103, 9214100106

With best compliments from

KLM FASHION MALL | Kalamandir Symbol Of South | RASAMAYI FINE SILVER JEWELLERY | Valli SILKS | mandir | KANCHEEPURAM Vara Mahalakshmi Silks

।। श्री गणेशाय नमः ।। खम्मा खम्मा ।। ॐ श्री रामदेवाय नमः ।। खम्मा खम्मा ।। श्री हनुमते नमः ।।

श्री रामदेव भक्त संगम

भाग्यनगर द्वारा प्रस्तुत फोन : 9000407865

रविवार, 31 अगस्त 2025

सायं 5.31 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक

ब्रह्मलीन श्री गोपाल बजाज 'परीक्षित'

श्री रामदेव संकीर्तन (भजन संध्या)

शुभ स्थल : अष्टकोणी रामदेवरा (श्री रामदेव बाबा अष्टकोणी मंदिर) रामदास मठ, ईश्वर बाजार, (इसामियाँ बाजार) हैदराबाद

इस अवसर पर आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

प्रमुख भजन गायक : सुशील गोपालजी बजाज

शुभकामनाओं सहित : बाबा के चरणों में समर्पित

AKASH MAROTIYA, NAKUL MAROTIYA — BALAJI PURSHOTHAM — Wholesale in : Coconut Powder & Kirana Merchant — Begum Bazar, Hyd. Ph. 9000008118, 8008800777, 8008870777

BHAGIRATHLAL BHAGWANDAS SARDA — BHARAT PLASTIC TRADERS — Begum Bazar, Hyderabad. Ph. 9848094225

SIKHWAL KIRANA STORES — DRY FRUIT & KIRANA MERCHANT — Begum Bazar, Hyderabad. Ph. 9849386551

GIRDHAR ATTAL — ATAL MIRCH STORE — Begum Bazar, Hyderabad. Ph. 8125985889

KISHANLAL BALARAM — BEGUM BAZAR, HYD. Ph : 9391033665

NEW HYDERABAD AGENCIES — BEGUM BAZAR, HYD. Ph : 8885018518

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.